@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 27 दिसंबर 2023

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 27 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस ने बनाया सभापति के शिष्टाचार का मजाक: रंजन गोगोई

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। राज्यसभा सांसद और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने मंगलवार को कांग्रेस पर कटाक्ष की है। उन्होंने सभापति जगदीप धनखड़ की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बताचीत के दौरान झुकते हुए एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की है। जिस पर उन्होंने लिखकर कांग्रेस पर हमला किया है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस शिष्टाचार का मजाक उड़ा रही है। बता दें राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल थे। कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा हाल ही में शीतकालीन सत्र के दौरान सभापति का मिमिक्री का वीडियो बनाया था, जिसके बाद यह मामला तूल पकड़ता गया। इस घटना के बाद सभापति ने इस पर दुख प्रकट किया था। उन्होंने कहा कि यह उनका स्वभाव है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके सामने उस वक्त कौन होता है। इस दौरान मिमिक्री का वीडियो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रिकॉर्ड किया था। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा था कि मन में बहुत सम्मान है, उनको ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्यसभा सभापति की मिमिक्री पर टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिक महत्व नहीं दिया था। लेकिन उन्होंने दावा किया था कि अगर राहुल गांधी वीडियो नहीं बनाते तो शायद यह इतना वायरल नहीं होता। बता दें टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा की गई मिमिक्री के बाद से ही टीएमसी समेत कई विपक्षी दलों की सोशल मीडिया पर आलोचना होने लगी थी।

वीर बाल दिवस: आज का युवा कुछ कर गुजरना चाहता है: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

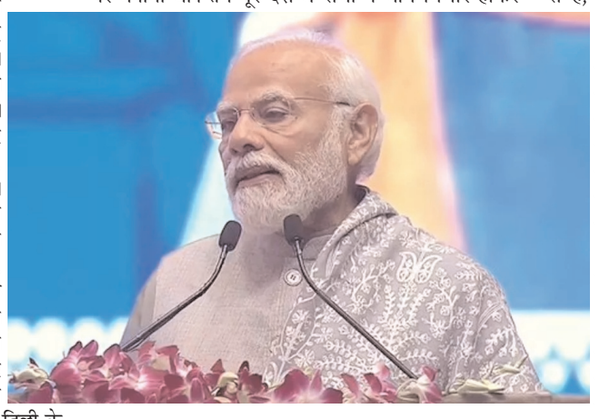

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में कल वीर बाल दिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे। जहां कार्यक्रम में बच्चों ने प्रस्तुति दी। यहां पीएम मोदी का सम्मान किया गया। साथ ही उन्होंने यहां पहुंचे लोगों को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को वीर बाल दिवस के मौके पर सिख गुरु गोबिंद सिंह, उनके पुत्रों और पत्नी माता गुजरी को नमन किया। वहीं कोलकता में जेपी नड्डा भी वीर बाल दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, वीर बाल दिवस के मौके पर मैं गुरु गोबिंद जी के चार साहिबजादों और माता गुजरी जी को नमन करता हूं। पूरे साहस के साथ वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ खड़े हुए और धर्म परिवर्तन को इनकार करते हुए शहादत को चुना। उनकी ये अतुलनीय वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने का प्रतीक है। पिछले वर्ष देश ने पहली बार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाया था। तब पूरे देश में सभी ने भाव विभोर होकर

साहिबजादों की वीर गाथाओं को सुना था। वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज भारत, दुनिया के उन देशों में से है, जो देश सबसे ज्यादा युवा देश है। इतना युवा तो भारत अपनी आजादी की लड़ाई के समय भी नहीं था। जब उस युवाशक्ति ने देश को आजादी दिलाई, तो आज की युवाशक्ति भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है। यह कल्पना से परे है। हमें इस मिट्टी की आन-बान-शान के लिए जीना है, हमें देश को बेहतर बनाने के लिए जीना है। हमें इस महान राष्ट्र की संतान के रूप में, देश को विकसित बनाने के लिए जीना है, जुटना है, जूझना है और विजयी होकर निकलना है। आगे कहा कि मुझे खुशी है कि आज का भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। आज के भारत को अपने लोगों पर, अपने सामर्थ्य पर, अपनी प्रेरणाओं पर पूरा पूरा भरोसा है। आज के भारत के लिए साहिबजादों का बलिदान राष्ट्रीय प्रेरणा का विषय है। वीर बाल दिवस के मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर गुरुद्वारा बंगला साहिब गुरुद्वारा रकाब गंज पहुच कर मत्था टेके और लंगर प्रसाद बाट कर सेवा किए। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है।

लंदन में जिस संपत्ति का नवीकरण हुआ वह आपराधिक कमाई

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में रॉबर्ट वाड्रा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। कथित बिचौलिए संजय भंडारी के खिलाफ धनशोधन के इस मामले में ईडी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि लंदन में जिस संपत्ति का नवीनीकरण कराया गया है वह आपराधिक कमाई है। ईडी का आरोप है कि इस संपत्ति में रॉबर्ट वाड्रा कुछ समय तक रह भी चुके हैं। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े कथित बिचौलिए संजय भंडारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला काफी हाईप्रोफाइल है। भंडारी 2016 में ब्रिटेन भाग गया। ब्रिटिश सरकार ने ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के कानूनी अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए इस साल जनवरी में भारत में उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी। बता दें कि सीबीआई और ईडी ने विदेश में कथित अघोषित संपत्ति रखने, मनी लॉन्ड्रिंग और कर चोरी के आरोपों की जांच कर रही हैं। ईडी ने पहली बार इस मामले में वाड्रा का नाम लिया है। ईडी ने बताया कि इस मामले में यूएई स्थित एनआरआई व्यवसायी सीसी उर्फ चेरुवथुर चकुट्टी थम्पी और यूके के नागरिक सुमित चड्ढा के खिलाफ नया आरोप पत्र दायर किया है। थंपी को जनवरी 2020 में गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि थंपी वाड्रा का करीबी सहयोगी था। थंपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। ईडी का आरोप है कि संजय भंडारी के पास अघोषित विदेशी आय हैं और संपत्तियां हैं। इनमें लंदन के नंबर 12 ब्रायनस्टन स्क्वायर और 6 ग्रोसवेनर हिल कोर्ट जैसी संपत्तियां शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव में भाजपा पश्चिम बंगाल में 35 से ज्यादा सीटें जीतेगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को दांव पर लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने इसके साथ ही दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा बंगाल की 42 में से 35 से अधिक सीटें जीतेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बंगाल से इकट्ठा की गई कट मनी का इस्तेमाल विदेशों में आलीशान मकान खरीदने में किया जाता है, लेकिन यहां वही लोग हवाई चप्पल पहनकर घूमते हैं। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता अब धोखा नहीं खाएगी, जनता हिसाब मांगेगी। वे यहां बंगाल भाजपा के के सभी सोशल मीडिया और आईटी अधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की धरती से मोदी जी को 35 सीटें दीजिए, मैं गारंटी देता हूं कि मोदी सोनार बांग्ला (सोना का बंगाल) बनाएंगे। उन्होंने कहा, यूपीए सरकार ने 10 वर्षों में बंगाल को 2,09,000 करोड़ रुपए दिए और मोदी सरकार ने 9 साल में

7,17,000 करोड़ रुपए दिए। दीदी को एक-एक रुपये का हिसाब देना होगा। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा अपनी सोशल मीडिया की ताकत के दम पर चुनाव लड़ेगी। गृहमंत्री ने कहा, हमने जो परिणाम हासिल किया है, देखिए। हमारे पास एक भी विधायक नहीं था लेकिन आज हमारे पास बंगाल में 77 और 20 लोकसभा सदस्य हैं। अगर हम 0 से 77 सीटें हासिल कर लेते हैं तो दो-तिहाई बहुमत से भी सरकार बना सकते हैं। अमित शाह ने बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, बंगाल हर मामले में देश का नेतृत्व करता था और वही बंगाल आज कट मनी, सिंडिकेट, घुसपैठ, वंशवाद, भ्रष्टाचार और बम धमाकों के लिए जाना जाता है। जब दीदी ने बंगाल में कम्युनिस्टों को सत्ता से बाहर किया तो लोग खुश थे और उन्हें उम्मीद थी कि बंगाल की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन इसके बदले उसने जो दिया वह उससे भी बदतर था। उनके मंत्रियों के पास से 50 करोड़ रुपए के नोटों की गड्डियां बरामद हुई हैं। लेकिन दीदी उन्हें पार्टी का सिपाही कहती हैं। अमित शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का मतलब घुसपैठ, गौ तस्करी का खात्मा और सीएए के जरिए धार्मिक रूप से प्रताड़ित लोगों को नागरिकता देना होगा।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री विजयन की सरकार पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम, 26 दिसंबर। नवा केरल सदास के तहत मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार ने लगभग एक महीने तक व्यापक जनसंपर्क का अभियान चलाया। वामपंथी दल- मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की सरकार ने पुलिसकर्मियों को अच्छी सेवा में प्रवेश देने का एलान किया है। कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के इस कदम की निंदा की है। दरअसल, हाल ही में संपन्न नवा केरल सदास अभियान के दौरान सरकार ने बड़ी संख्या में कानून और सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया। अभियान खत्म होने के बाद पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर अच्छी सेवा में प्रवेश की पहल की गई। मंगलवार को इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने वाम सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस ने फैसले को विपक्ष के आंदोलन के प्रति क्रूर मजाक करार दिया। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन राज्य के लोगों की सामान्य समझ पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिसकर्मियों से जुड़ा सरकार का कदम आंदोलनों के प्रति उनकी असहिष्णुता को दिखाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केरल सरकार जनसंपर्क अभियान के दौरान ड्यूटी पर लगाए गए पुलिसकर्मियों की अनुकरणीय सेवा को देखते हुए उन्हें अच्छी सेवा में प्रवेश देने की योजना बना रही थी। सरकार ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है, जब विपक्षी दलों के युवा कार्यकर्ता पुलिस के कथित अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। सरकार की व्यापक आलोचना के बीच विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने सदास अभियान के विरोध में काले झंडे दिखाए थे।

बिजली उत्पादन को लेकर भारत-रूस के बीच समझौता: जयशंकर

कौमी संवाददाता

मॉस्को, 26 दिसंबर। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस के पांच दिवसीय दौरे पर हैं। मॉस्को में भारतीय समुदाय के साथ उन्होंने चर्चा की। इस दौरान अपने संबोधन में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि रूस रक्षा, परमाणु ऊर्जा में एक विशेष भागीदार है। आज हमने कुडनकुलम परमाणु इकाईयों से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष और परमाणु के क्षेत्रों में उन देशों के साथ सहयोग किया जाता है जिनके साथ आपके भरोसे के संबंध हो। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस ने मंगलवार को तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र की बिजली उत्पादन इकाईयों के निर्माण से जुड़े कुछ जरूरी समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र रूस की तकनीकी सहायता से तमिलनाडु में बनाया जा रहा है। साथ ही कहा कि दोनों

देश इस बात पर सहमत हुए हैं कि भारत और यूरेशियन आर्थिक क्षेत्र के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर व्यक्तिगत बातचीत शुरू करने के लिए उनकी वार्ता टीमें जनवरी के अंत तक मिलेंगी। इससे पहले एक अन्य कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने कहा कि भू-राजनीति और रणनीतिक रूप से एक दूसरे पर निर्भरता की वजह से भारत और रूस के संबंध हमेशा मजबूत बने रहेंगे।

भारत-पाक के बीच नहीं हुई बात तो गाजा-फलस्तीन जैसा होगा हश्र: फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 26 दिसंबर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला ने भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत नहीं होती है तो कश्मीर का हश्र गाजा और फलस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल द्वारा बमबारी की जा रही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पूर्वी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम अपने दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। अगर हम अपने पड़ोसियों के साथ मित्रवत रहेंगे तो दोनों प्रगति करेंगे। नेकां अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी ने भी यह कहा है कि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है और मामले में बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। तो उन्होंने पूछा कि बातचीत कहां है। उन्होंने आगे कहा, नवाज शरीफ (पाकिस्तान के) प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और वे कह रहे हैं कि हम (भारत के साथ) बात करने के लिए तैयार हैं, लेकिन क्या कारण है कि हम बात करने के लिए तैयार नहीं हैं ? यदि हम बातचीत के माध्यम से कोई समाधान नहीं ढूंढते हैं, तो हमारा हश्र गाजा और फिलिस्तीन जैसा ही होगा, जिन पर इस्राइल बमबारी कर रहा है।

लाल सागर में पोत पर हमला बेहद गंभीर: रक्षा मंत्री

मुंबई, 26 दिसंबर। भारतीय नौसेना के बेड़े में आईएनएस इम्फाल को शामिल कर लिया गया। नौसेना के पोत आईएनएस इम्फाल के कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आजकल समुद्र में उथल-पुथल बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक शक्ति के कारण कुछ ताकतवर देशों में ईर्ष्या और नफरत भर रही है। उन्होंने कहा कि मर्चेंट नेवी जहाजों पर हाल के हमलों के बाद भारत ने समुद्र में गश्त बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अरब सागर में एमवी केम प्लूटो पर ड्रोन हमला और कुछ दिन पहले लाल सागर में एमवी साईं बाबा पर हमले को भारत सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। भारतीय नौसेना ने समुद्र की निगरानी बढ़ा दी है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिसने भी समुद्री पोत को निशाना बनाया है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हमला करने वाले दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस इम्फाल पर कहा, भारतीय नौसेना में आईएनएस इम्फाल का शामिल होना रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता दिखाता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति एमडीएल और नौसेना की प्रतिबद्धता दिखाता है। इसके निर्माण में सभी हितधारकों की कड़ी मेहनत और समर्पण शामिल है। उन्हें पूरा भरोसा है कि बेड़े में आईएनएस इम्फाल के शामिल होने से भारतीय नौसेना मजबूत होगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैती, ड्रोन हमलों से निपटने के लिए पी-8आई विमान, डोर्नियर्स, सी गार्डियन, हेलीकॉप्टर और तटरक्षक जहाज संयुक्त रूप से तैनात किए गए हैं।

क्या पीएम मोदी अर्थशास्त्री हैं ?: सिद्धारमैया

सौरभ शर्मा

बंगलुरू, 26 दिसंबर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी की आलोचना करने के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि क्या वह अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने दस साल पहले गिए गए वादे के मुताबिक एक साल में दो करोड़ नौकरियों की पेशकश करने में विफल रहने के लिए भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी, हमारी कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में सभी पांच गारंटी लागू की हैं। आपका यह बयान कि राज्य दिवालिया हो जाएगा, गलत साबित हुआ है। सिद्धरमैया कांग्रेस पार्टी की पांचवीं और अंतिम चुनावी गारंटी युवा निधि के पंजीकरण के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे। जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में उत्तीर्ण होने वाले स्नातकों को 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये की बेरोजगारी भत्ता की पेशकश की गई है। उन्होंने कहा, क्या (प्रधानमंत्री) मोदी अर्थशास्त्री हैं ? उन्होंने कहा था कि अगर पांच गारंटी लागू की गई तो कर्नाटक दिवालिया हो जाएगा। वास्तविकता यह है कि पांच गारंटी लागू करने के साथ राज्य अब आर्थिक रूप से मजबूत हो गया है। सिद्धारमैया ने

कहा, क्या आपने (प्रधानमंत्री मोदी) अपने वादे के मुताबिक एक साल में दो करोड़ नौकरियां सृजित की हैं ? आपको 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां पैदा करनी चाहिए थीं। क्या आपने इतनी सारी नौकरियां पैदा की हैं ? आप अपना वादा निभाने में विफल रहे। मुख्यमंत्री ने विस्तार से बताया कि राज्य सरकार युवा निधि सहायता के अलावा युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण देगी। उन्होंने सभा को बताया कि लाभ का वितरण 12 जनवरी, 2024 को विवेकानंद जयंती से शुरू होगा। यह पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किया जाएगा। सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि सरकार राज्य में खाली पड़ी नौकरियों को भरने के लिए कदम उठाएगी। इस अवसर पर राज्य के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री शरण प्रकाश पाटिल और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी भी मौजूद थे। अधिकारियों के मुताबिक, उन लोगों को वित्तीय सहायता दी जाएगी, जिन्हें डिग्री/डिप्लोमा पास करने की तारीख से 180 दिन पूरे होने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को कम से कम छह साल के लिए कर्नाटक का मूल निवासी साबित करना होगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ता तारीख से दो साल की अवधि के लिए दिया जाएगा या जब तक वह नियोजित / स्व-नियोजित नहीं हो जाता है, जो भी पहले हो। जो उम्मीदवार स्व-नियोजित हैं और उच्च शिक्षा जारी रखे हुए हैं, उन्हें इस योजना से बाहर रखा गया है।

प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे येचुरी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई लोगों को भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। कर्नाटक के पूर्व सीएम और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी को भी आमंत्रित किया गया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। वहीं दूसरी ओर, सीपीआई(एम) के महासचिव सीताराम येचुरी ने अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने के लिए मिलने वाले आमंत्रण को ठुकरा दिया है। मंगलवार को सीपीआई(एम) ने बयान में कहा कि धर्म एक निजी पसंद है। सीपीआई(एम) ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट में पोस्ट साझा करते हुए कहा कि हमारी नीति धार्मिक मान्यताओं और प्रत्येक व्यक्ति के अपने विश्वास को आगे बढ़ाने के अधिकार का सम्मान करना है। धर्म एक निजी पसंद है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी के नेता सीताराम येचुरी समारोह में शामिल नहीं होंगे। बता दें सीताराम येचुरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण मिला है। सीपीआई(एम) पार्टी ने पोस्ट में कहा कि यह दुखद है कि भाजपा और आरएसएस ने धार्मिक समारोह को सरकारी प्रायोजित कार्यक्रम में बदल दिया है, जहां प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और अन्य शामिल होंगे। पार्टी ने पोस्ट में कहा कि भारत में शासन का एक बुनियादी सिद्धांत है। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया है, देश का कोई धार्मिक जुड़ाव नहीं होता है। कार्यक्रम के आयोजन से शासन द्वारा उल्लंघन किया जा रहा है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सीपीआई(एम) नेता सीताराम येचुरी के शामिल होने से इनकार करने के बाद भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने उन पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सभी को आमंत्रण भेज दिए गए हैं, जिन्हें भगवान राम ने बुलाया है, वे ही शामिल होंगे। विश्व हिंदू परिषद ने मंगलवार को सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी द्वारा अयोध्या में राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले समारोह का आमंत्रण ठुकराने पर कटाक्ष किया है उन्होंने कहा कि वह राम, रामत्व और भारत की ओर लौटना है।

इंडिया प्रधानमंत्री कैंडिडेट घोषित न भी करे तो चिंता नहीं: शरद पवार

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 26 दिसंबर। वयोवृद्ध राजनेता शरद पवार ने विपक्षी दलों के गठबंधन- इंडिया ब्लॉक के पीएम उम्मीदवार पर बरकरार सस्पेंस के मुद्दे पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, अगर कोई चेहरा पेश न भी किया जाए तो फर्क नहीं पड़ेगा। पवार ने कहा कि अगर कोई चेहरा सामने नहीं रखा जाए है तो कोई परिणाम नहीं निकलता, ऐसी धारणा सही नहीं है। उन्होंने 1977 के आम चुनाव के बाद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने का भी जिक्र किया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री रह चुके शरद पवार ने कहा, अगर 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक में शामिल दलों की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार घोषित न किया जाए तो इसका कोई खामियाजा नहीं भुगतना होगा। 1977 के चुनाव को याद करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष ने कहा, 1977 के चुनावों में, पीएम के लिए कोई चेहरा पेश नहीं किया गया था। बाद में, मोराराजी देसाई प्रधानमंत्री चुने गए थे। चुनाव से पहले और देसाई के नाम पर कोई चर्चा नहीं हो रही थी। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल को चुनौती देने के लिए एक नई पार्टी अस्तित्व में आई है। ऐसे में कोई चेहरा सामने नहीं भी रखा जाए तो कोई नुकसान नहीं होगा। पवार ने कहा कि अगर जनता बदलाव के मूड में हैं, तो मतदाता बदलाव लाने के पक्ष में ही अपना फैसला सुनाएंगे। बता दें कि मोरारजी देसाई भारत के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। देसाई दो साल से कुछ अधिक समय तक (856 दिनों) पीएम पद पर रहे। उन्होंने 1977-79 के दौरान देश के पांचवें प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला। 1975 के आपातकाल के बाद जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का नेतृत्व करने वाले मोरार जी देसाई कार्यकाल पूरा नहीं कर सके थे। दरअसल, जैसे-जैसे 2024 का लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, भारत के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण फेरबदल हो रहा है। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (ढ्ढहृष्ठढ्ढ) में शामिल दलों का मानना है कि उनका गठबंधन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (हृष्ठ) को कड़ी चुनौती देगा। हाल ही में हुई

इंडिया ब्लॉक की चौथी बैठक में पीएम पद के चेहरे के रूप में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्री अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम सामने आया था। गठबंधन में शामिल दो मुख्यमंत्रियों -ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया था। गठबंधन पर नजरें बनाकर रखने वाले समीक्षकों और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने खरगे के नाम का विरोध किया था। खरगे के बेटे प्रियांक ने मीडिया से कहा, अच्छा होगा अगर उनके पिता इंडिया ब्लॉक की तरफ से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनें। हालांकि, सपने देखने से पहले व्यावहारिक चुनौतियों का सामना करने की जरूरत है। खरगे ने कहा, हमें पहले कांग्रेस की 200-250 सीटें जीतनी होंगी। इसके साथ ही हमें ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन के सदस्यों के साथ मिलकर अनुकूल माहौल बनाना होगा। हमे सुनिश्चित करना होगा कि दूसरे दलों की तुलना में कांग्रेस के उम्मीदवार अधिक से अधिक संख्या में जीतें। बाकी सवालों पर सीट जीतने के बाद विचार होगा। अटकलों के बीच यह जानना भी दिलचस्प है कि मल्लिकार्जुन खरगे की प्रतिक्रिया तटस्थ रही है।

पहली बार चुनावी रण में उतरी हिंदू महिला, सवेरा प्रकाश ने बुनेर सीट से किया नामांकन

खैबर पख्तूख्वा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूख्वा प्रांत में पहली बार एक हिंदू महिला ने आगामी चुनाव के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। यहां एक सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बुनेर जिले से हिंदू महिला ने अपना नामांकन भरा है। बता दें कि पाकिस्तान में 16वीं नेशनल असेंबली के लिए आठ फरवरी 2024 को आम चुनाव होने जा रहे हैं।

किस पार्टी से लड़ेंगी चुनाव

हिंदू महिला का नाम सवेरा प्रकाश है जो बुनेर जिले की सामान्य सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी हैं। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। दरअसल, वह अपने पिता ओम प्रकाश के नक्शेकदमों पर चल रही हैं, क्योंकि वह भी 35 सालों से इस पार्टी का हिस्सा रहे हैं। सवेरा प्रकाश की पढ़ाई बुनेर जिले के एबटाबाद इंटरनेशनल मेडिकल कॉलेज से हुई है। वह बुनेर में ही पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की महिला विंग की महासचिव भी हैं।

पांच प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को शामिल करना है अनिवार्यता

बुनेर के एक सोशल मीडिया प्रभावी व्यक्ति इमरान नोशाद खान ने सवेरा प्रकाश की राजनीतिक संबद्धता के बावजूद, उनके प्रति अपना हार्दिक समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने पारंपरिक पितृसत्ता द्वारा कायम रूढ़िवादिता को तोड़ने के लिए उनकी सराहना की और उस क्षेत्र में चुनाव लड़ने के लिए एक महिला के आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के हालिया संशोधनों में सामान्य सीटों पर पांच प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को शामिल करना अनिवार्य है।

डोनाल्ड ट्रंप को मिला पत्नी का साथ, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए सक्रिय हुई मेलानिया ट्रंप

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप बेहद लो प्रोफाइल रहीं और चर्चाओं से दूर रहीं, लेकिन इस बार मेलानिया ट्रंप, डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए खासी सक्रिय दिख रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में मेलानिया ट्रंप ने रोजलिन कार्टन के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भी शामिल हुई थी और कई अन्य कार्यक्रमों में भी ट्रंप के साथ नजर आ चुकी हैं।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में कर रहीं शिरकत

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप परिवार को पूरा यकीन है कि डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। ट्रंप परिवार के करीबी का दावा है कि यही वजह है कि अब मेलानिया ट्रंप भी सक्रिय रूप से ट्रंप के प्रचार अभियान का हिस्सा बन गई हैं। बीते वॉशिंगटन डीसी में नेशनल आर्काइव में आयोजित हुए एक कार्यक्रम में 25 प्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता दी गई। इस दौरान मेलानिया ट्रंप ने प्रभावशाली भाषण दिया और बताया कि किस तरह वह भी प्रवासी के तौर पर अमेरिका आईं और यहां की नागरिक बनीं। मेलानिया ट्रंप की सक्रियता अमेरिका में भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

ट्रंप को परिवार से मिल रहा पूरा सहयोग

डोनाल्ड ट्रंप कई मुकदमों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में ट्रंप को अपने परिवार का पूरा समर्थन मिल रहा है। बीते दिनों पैट्रियट अवार्ड समारोह में भी मेलानिया ट्रंप अपने पति डोनाल्ड ट्रंप के साथ शामिल हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, मेलानिया एक बार फिर से अमेरिका की प्रथम महिला बनने के लिए तैयार हैं और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने के लिए उत्सुक हैं। बीते दिनों एक कार्यक्रम में मेलानिया ने कहा था कि मेरे पति (डोनाल्ड ट्रंप) ने अपने पहले कार्यकाल में जबरदस्त सफलता हासिल की थी।

रावलपिंडी में रिफाइनरी में लगी आग, एक घर तक पहुंची लपटें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर से लगे धमियाल गांव में एक तेल रिफाइनरी की पाइप लाइन फटने से आग लग गई। आग की लपटों ने एक घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों सहित छह आपातकालीन वाहन पहुंचे। सबसे पहले लोगों को घरों से सुरक्षित निकाला गया। दमकल विभाग का कहना है कि आग बुझाने की कोशिश की जा रही है। पाइप लाइन में तेल की आपूर्ति बंद करा दी गई है। इलाके में पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ी बुलाई गई है।

'भारत-रूस के रिश्ते हमेशा मजबूत रहेंगे', विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को में दिया बड़ा बयान

मास्को। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस के पांच दिवसीय दौरे पर है। रूस के विदेश मंत्री और अन्य शीर्ष नेताओं से मुलाकात से पहले एस जयशंकर ने रूस में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भूराजनीति और रणनीतिक रूप से एक दूसरे पर निर्भरता की वजह से भारत और रूस के संबंध हमेशा मजबूत बने रहेंगे। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा कि वह रूसी नेताओं के साथ दोनों देशों में कनेक्टिविटी बढ़ाने, क्षेत्रीय संघर्ष आदि मुद्दों पर बात होगी।

यूक्रेन युद्ध के दौरान भी रूस की आलोचना से भारत ने किया परहेज

बता दें कि रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद दुनियाभर में रूस के इस कदम की आलोचना हुई लेकिन भारत ने भारी दबाव के बावजूद अपने पुराने मित्र देश की आलोचना नहीं की। हालांकि भारत ने साफ किया कि वह युद्ध के खिलाफ है लेकिन खुले तौर

पर रूस की आलोचना करने से भारतीय नेतृत्व ने परहेज किया और कहा कि कूटनीति और बातचीत से विवाद का हल होना चाहिए। यूक्रेन से युद्ध के बाद भारत ने रूस के बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात किया है। रूस में जयशंकर रूसी उप प्रधानमंत्री और उद्योग और व्यापार मंत्री से मुलाकात करेंगे। साथ ही जयशंकर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और लोगों के लोगों से संबंध मजबूत करने पर फोकस किया जा रहा है। विदेश मंत्री व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों पर भी बात करेंगे। विदेश मंत्री जयशंकर 25-29 दिसंबर तक रूस के दौरे पर रहेंगे।

इस साल भी नहीं हुआ शिखर सम्मेलन

विदेश मंत्री के दौरे से दोनों देशों के रिश्तों में गर्माहट बरकरार रखने की कोशिश की जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ इस साल भी भारत और रूस के बीच शिखर सम्मेलन नहीं होगा। दोनों देशों के बीच आखिरी शिखर सम्मेलन छह दिसंबर 2021 को हुआ था। उस शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। इसके बाद कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध के चलते दोनों देशों के बीच शिखर सम्मेलन नहीं हो सका। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार सितंबर 2019 को रूस का दौरा किया था।

बांग्लादेश में जूट मिल में आग लगने से हड़कंप

ढाका। बांग्लादेश में खुलना के दिघलिया उप जिला में स्थित जामन जूट मिल में सोमवार रात करीब पौने 10 बजे आग लग गई। इससे नागरघाट इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर दमकल विभाग

की आठ गाड़ियां पहुंचीं। आग बुझाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार खुलना अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के सहायक निदेशक फारूक हुसैन शिकदर ने इसकी पुष्टि की है। शिकदर ने कहा है कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। आग उस कमरे में लगी जहां मिल में निर्मित कुछ सामान और कच्चा जूट रखा हुआ था। आग की लपटें देख कर्मचारी तेजी से मिल से बाहर निकल आए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

हमास-इस्राइल युद्ध को लेकर क्रिसमस पोस्ट अमेरिकी सांसद कोर्टेज को पड़ा भारी, लोगों ने बताया यहूदी विरोधी

वाशिंगटन। इस्राइल और हमास के बीच जारी जंग की वजह से इस बार गाजा में क्रिसमस नहीं मनाया गया। इसी को लेकर, अमेरिका की एक सांसद अलेक्जेंड्रिया ओकासियो कोर्टेज ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की, जिसके बाद उन्हें आलोचना का शिकार होना पड़ा। दरअसल, कोर्टेज ने स्टोरी पर लिखा था कि यीशु मसीह के जन्मस्थान के रूप में माने जाने वाला फलस्तीन आज इस्राइल के खतरनाक हमलों का सामना कर रहा है। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर कोर्टेज ने गाजा पट्टी में हुए हमले की एक तस्वीर साझा की, जिसमें मलबे में दबा एक बच्चा दिखा। साथ ही उन्होंने लिखा की वह गाजा और कब्जे वाले क्षेत्रों में निर्दोषों की शांति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रही हैं।

आज मासूमों का नरसंहार हो रहा

उन्होंने आगे कहा कि मसीह का जन्म फलस्तीन में हुआ था, जहां आज मासूमों का नरसंहार हो रहा है। वह एक ऐसे क्रूर प्रशासन का निशाना बने थे, जो आम लोगों को मार रही थी। मैरी और जोसेफ को हिंसा की वजह

से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा था और मिस्र में शरणार्थी बन कर रहना पड़ा। उसके बाद वो एक नवजात शिशु के साथ एक दिन घर वापस लौटने की आस करते रहे।

बेथलेहम पर कब्जा कर रही

उन्होंने कहा कि आज हजारों साल बाद दक्षिणपंथी ताकतें हिंसक रूप से बेथलेहम पर कब्जा कर रही हैं, जो फलस्तीन के इतिहास को सामने ला रहा है। बेथलेहम में ईसाई समुदाय ने अपनी सुरक्षा और सम्मान के डर से इस साल के क्रिसमस की पूर्व संध्या समारोह को रद्द कर दिया। हालांकि, फिर भी हिंसा वाली जगह पर पवित्र बच्चे पैदा हो रहे हैं। किसी भी पहचान और किसी भी स्थान से पैदा होने वाला हर बच्चा पवित्र है। विशेष रूप से गाजा के बच्चे।

आर्कटिक की खतरनाक जेल में मिले पुतिन के सबसे बड़े विरोधी नवलनी, दो हफ्ते से नहीं थी कोई जानकारी

वाशिंगटन। रूस में राष्ट्रपति पुतिन के सबसे बड़े विरोधी एलेक्सी नवलनी के बारे में बीते दो हफ्ते से कोई जानकारी नहीं थी। अब नवलनी आर्कटिक की सोवियत काल की जेल में बंद मिले हैं। रूसी सरकार ने नवलनी को बेहद ठंडे आर्कटिक क्षेत्र में स्थित जेल में शिफ्ट कर दिया है। नवलनी की सहयोगी किरा यारमेश ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है।

यारमेश ने बताया कि नवलनी यामालो नेनेट्स के खार्प इलाके में स्थित जेल में बंद हैं। बता दें कि खार्प में करीब 5 हजार लोग रहते हैं और यह क्षेत्र आर्कटिक सर्किल के ऊपर स्थित है। इसके चलते यहां जबरदस्त ठंड होती है और यहां की परिस्थितियां बेहद खतरनाक होती हैं। जेल के कैदियों का बाहरी दुनिया से संपर्क नहीं होता और यह रूस के सबसे खतरनाक जेलों में गिनी जाती है। यह इलाका रूस की राजधानी मॉस्को से उत्तर पूर्व में दो हजार किलोमीटर दूर स्थित है।

सोवियत काल की है ये जेल: इस जेल की स्थापना साल 1961 में सोवियत काल के दौरान हुई थी। जेल में कैदियों को

कई घंटे काम करना पड़ता है और इसके बदले उन्हें बेहद कम सुविधाएं मिलती हैं। माना जा रहा है कि नवलनी को मानसिक रूप से तोड़ने के लिए उन्हें इस जेल में भेजा गया है। रूस में कुछ ही समय बाद आम चुनाव होने हैं और संभव है कि पांचवी बार भी रूस की सत्ता पुतिन के हाथ में जाएगी। नवलनी के आर्कटिक जेल में बंद होने की खबरें बाहर आने के बाद उनके समर्थकों ने चिंता जाहिर की है। बता दें कि बीते कई दिनों से नवलनी कहां हैं, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अब उनके आर्कटिक क्षेत्र की जेल में मिलने पर दुनिया के कई देशों ने भी चिंता जाहिर की है। रूस के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इसे मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन करार दिया है। बता दें कि नवलनी को रूस में पुतिन का सबसे बड़ा आलोचक माना जाता है।

अमेरिका ने ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों के खिलाफ की एयरस्ट्राइक; अपने घायल सैनिकों का लिया बदला

वाशिंगटन। इस्राइल और हमास के बीच दो महीने से अधिक समय से जंग जारी है। इस बीच खबर आ रही है कि अमेरिकी सेना ने हिजबुल्लाह और उससे संबंधित गुटों के ठिकाने पर हमला किया है। बताया जा रहा है कि पहले इन लोगों की तरफ से तीन अमेरिकी जवानों पर हमला किया गया था। उसके बाद अमेरिकी सेना ने इराक में ईरान समर्थित बलों के तीन ठिकानों पर हमले किए। रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इन हमलों को जरूरी बताया।

हमले का लिया बदला

अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस यानी रक्षा सचिव ने इस हमले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्देश पर अमेरिका के खतरनाक लड़ाकू विमानों ने कताइब हिजबुल्लाह और उसके संबंधित गुटों के तीन अहम ठिकानों पर हमला किया। ये हमले इराक और सीरिया में अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ ईरानी-प्रायोजित मिलिशिया द्वारा किए गए हमलों के जवाब में किए गए हैं।

ऑस्टिन ने बताया कि आज के हमले में तीन अमेरिकी कर्मी घायल हो गए और उनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। हम सभी की प्रार्थनाएं घायल जवानों के साथ हैं।

जरूरी कार्रवाई करने में नहीं करेंगे संकोच

अमेरिकी रक्षा सचिव ने कहा, 'मैं यह स्पष्टना करना चाहता हूं कि राष्ट्रपति बाइडन और मैं अमेरिका, उनके सैनिकों और उनके हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। हमारे लिए इससे बड़ी कोई प्राथमिकता नहीं है।

हालांकि, हम क्षेत्र में संघर्ष को बढ़ाना नहीं चाहते हैं। हम अपने लोगों और अपनी सुविधाओं की सुरक्षा के लिए और जरूरी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध और पूरी तरह से तैयार हैं।

एक शिया मिलिशिया कातिब हिजबुल्ला

कातिब हिजबुल्ला एक शिया मिलिशिया है, जिसकी स्थापना 2007 में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के समर्थन से हुई थी। अमेरिका ने 2009 में कताइब हिजबुल्ला को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया था और इराक में अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के खिलाफ हिंसा के लिए इसके महासचिव अबू महदी अल मुहांदिस पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका में आठ साल की बच्ची के सामने पत्नी की गोली मारकर हत्या, बाद में खुद की भी ली जान

न्यूयॉर्क। अमेरिका के हवाई से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक 33 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की उसके पति ने गोली मारकर हत्या कर दी। जिस वक्त घटना हुई उस वक्त उनकी आठ साल की बच्ची मौके पर ही मौजूद थी। बताया जा रहा है कि शख्स ने बाद में खुद को भी गोली मार ली।

रिपोर्ट के अनुसार, दिल दहलाने वाली यह घटना शुक्रवार सुबह पर्लरिज सेंटर की पार्किंग में हुई। पुलिस अधिकारी इस घटना की हत्या और आत्महत्या के रूप में जांच रहे हैं। वाइपाहू में हाउस ऑफ ग्लैम हवाई एलएलसी की मालिक और तीन बच्चों की मां थेरेसा कैचुएला की उनके 44 वर्षीय पति जेसन कैचुएला ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी।

बताया जा रहा है जिस वक्त जेसन ने गोली चलाई वहां उनकी आठ साल की बेटी मौजूद थी। उसने पुलिस को बताया कि उसने अपने पिता को गोली चलाते हुए देखा था।

जेसन ने कथित तौर पर ग्रे माजदा में घटनास्थल से भागने के तुरंत बाद खुद को गोली मार ली। पुलिस इन मौतों की जांच

हत्या-आत्महत्या के रूप में कर रही है। बता दें, थेरेसा ने अदालत से अपने अलग रह रहे पति से सुरक्षा के आदेश के लिए याचिका दी थी, जिसे दो हफ्ते पहले ही स्वीकारा गया था।

यह कोई सामान्य मामला नहीं

रिपोर्ट के अनुसार, जेसन के मृत पाए जाने से पहले पुलिस लेफ्टिनेंट दीना थोम्स ने शुक्रवार को कहा था कि यह कोई सामान्य मामला नहीं है। पीड़ित और संदिग्ध के बीच एक रिश्ता था। इसके बाद भी ऐसी घटना को अंजाम देना आम बात नहीं है। उन्होंने एक अस्थायी रोक का हवाला देते हुए कहा था कि हम जानते हैं कि एक टीआरओ था जो उसे दिया गया था, यही कारण है कि इस मामले को पहली डिग्री में हत्या के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

सदमे में है बच्ची

घटना के बाद पुलिस ने जेसन के घर पर जांच की, जहां से पांच पंजीकृत आग्नेयास्त्र बरामद किए गए। इंफ्लुएंसर की मां लुसिटा अनी निहोआ ने बताया कि पूरी घटना को मृत दंपत्ति की आठ साल की बेटी ने खुद अपनी आंखों से देखा है। वह सदमे में है। उसे विश्वास नहीं हो रहा है कि उसकी मां अब नहीं रहीं। वह भगवान से लगातार प्रार्थना कर रही है कि उसकी मां वापस आ जाएं।

नेतन्याहू का उनके ही देश में बढ़ रहा विरोध, संसद में भाषण के दौरान बंधकों के परिजनों का हंगामा

तेल अवीव। इस्राइल हमास को शुरू हुए ढाई महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन अभी तक सभी इस्राइली बंधकों की रिहाई नहीं हुई है। यही वजह है कि जैसे-जैसे इस्राइल का अभियान लंबा होता जा रहा है, वैसे ही इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का उनके ही देश में विरोध भी बढ़ता जा रहा है। सोमवार को बेंजामिन नेतन्याहू इस्राइली संसद को संबोधित कर रहे थे, इसी दौरान बंधकों के परिजनों ने हंगामा कर दिया और बंधकों को जल्द से जल्द छुड़ाने की मांग की।

बंधकों के परिजनों ने अपने हाथों में प्लेकार्ड पकड़े हुए थे, जिनमें बंधकों की तस्वीरें और नाम लिखे हुए थे। नेतन्याहू हाल ही में गाजा से लौटे हैं और उन्होंने सोमवार को संसद में अपने संबोधन में कहा कि अभी बंधकों को छुड़ाने के अभियान में और वक्त लगेगा। इस पर बंधकों के परिजनों ने हंगामा करते हुए तुरंत अपने परिजनों को छुड़ाने की मांग की। बंधकों के परिजनों का कहना है कि 'हमने सरकार पर विश्वास किया कि वह उनके प्रियजनों को वापस ले आएगी लेकिन 80 दिन बीत गए हैं और हर एक मिनट नरक के समान गुजरा है।'

लोगों ने सवाल किया कि 'क्या सरकार तभी भी इतना वक्त लगाती, अगर उनके अपने बच्चे बंधक होते तो? वहीं नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार बंधकों को वापस लाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।' बता दें कि इस्राइल के 129 बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं। इनमें से 22 के मारे जाने की खबर है, जिनके शव भी गाजा में मौजूद हो सकते हैं। वहीं 107 लोग अभी भी हमास की कैद में हैं और रिहाई का इंतजार कर रहे हैं।

13 साल के फलस्तीनी यूट्यूबर की इस्राइली हमले में मौत

इस्राइल हमास युद्ध की विभीषिका ने हजारों लोगों की जिंदगियां तबाह कर दी हैं। इस युद्ध में 13 साल के एक यूट्यूबर की जिंदगी भी छीन ली। इस बच्चे का सपना था कि उसके यूट्यूब पर 10 लाख सब्सक्राइबर्स हो लेकिन उसका सपना पूरा होने से पहले ही वह गाजा में इस्राइली एयर स्ट्राइक में मारा गया।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया दोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भारत की राह पर जापान, मून स्नाइपर लैंडर ने चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक किया प्रवेश

वाशिंगटन। भारत के चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अन्य देश भी अब चांद पर पहुंचने के लिए इसरो की राह पर है। जापान के मून स्नाइपर लैंडर ने सोमवार को सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर लिया। बता दें, 'स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून' को मून स्नाइपर नाम दिया गया है। स्लीम का मुख्य उद्देश्य चुनी गई साइट के 100 मीटर के भीतर सटीक लैंडिंग का प्रदर्शन करना है।

अगर यह मिशन सफल होता है तो अमेरिका, रूस, चीन और भारत के बाद जापान चंद्रमा पर सफलतापूर्वक यान उतारने वाला पांचवां देश बन जाएगा।

जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) ने सोमवार शाम जारी एक बयान में बताया कि स्लिम ने सोमवार को जापान के समयानुसार शाम चार बजकर 51 मिनट पर चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया। एजेंसी ने कहा कि लैंडर ने योजना के स्वरूप ही काम किया। फिलहाल कोई समस्या नहीं दिख रही है। सब सही है।

20 तक चांद पर बैठा होगा लैंडर

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि लैंडर चांद की सतह पर 20 जनवरी को जापान के समयानुसार देर रात करीब 12 बजे उतरना शुरू करेगा।

सात सितंबर को हुआ था लॉन्च

गौरतलब है, जापान ने SLIM नाम का अपना एक मून लैंडर चांद के लिए लॉन्च किया था। सात सितंबर को जापान के स्थानीय समयानुसार सुबह 8.42 बजे यह अंतरिक्ष यान लॉन्च हुआ था। जापान के HwA रॉकेट के जरिए यह तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से रवाना हुआ। इसके अलावा जापान एक अंतरिक्ष टेलीस्कोप भी ले गया है। दोनों स्पेसक्राफ्ट एक घंटे के अंदर ही अपने पथ पर पहुंच गए। अगर सबकुछ सही गया तो अगले महीने बाद 'स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून' (SLIM) चांद पर उतरेगा।

तीन बार टालना पड़ा था

बता दें, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी को अगस्त में तीन बार अपना यह मिशन टालना पड़ा था। इसके पीछे का कारण खराब मौसम था। बार-बार खराब मौसम के चलते जापानी अंतरिक्ष एजेंसी को मून मिशन की लॉन्चिंग की तारीख को बदलना पड़ा, लेकिन आखिरकार जापान ऐसा करने में सफल रहा। तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से H-IIA (एच2ए) रॉकेट के जरिए यह लॉन्चिंग की गई है। जापानी एयरोस्पेश एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) द्वारा लॉन्च किया जाने वाले मून मिशन 'मून स्नाइपर' में रॉकेट एक लैंडर को ले गया है।

13 मिनट बाद हुआ यह

JAXA ने बताया कि लॉन्च के करीब 13 मिनट बाद रॉकेट ने एक्स-रे इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी मिशन (एक्सआरआईएसएम) नामक एक उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया था, जो आकाशगंगाओं के बीच स्थित चीजों की गति और संरचना को माप रहा। एजेंसी का कहना है कि इससे मिली जानकारी यह अध्ययन करने में मदद करेगी कि आकाशीय पिंडों का निर्माण कैसे हुआ। साथ ही उम्मीद है कि ब्रह्मांड का निर्माण कैसे हुआ इस रहस्य को सुलझाने में भी मदद मिल सकती है।

जैकलीन की याचिका के विरोध में ठग सुकेश ने दाखिल की अर्जी, अभिनेत्री ने लेटर लिखने पर जताई थी आपत्ति

नई दिल्ली। अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज द्वारा कोर्ट में लगाई अर्जी का ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली की अदालत में याचिका दाखिल कर विरोध किया है। जैकलीन ने अर्जी में सुकेश पर चिट्ठी

लिखकर परेशान करने का आरोप लगाया था। जानकारी के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में अर्जी दी है। अर्जी में जैकलीन की याचिका का विरोध किया है। सुकेश ने कोर्ट के स्पेशल जज को यह अर्जी दी है। जिसमें सुकेश ने कहा है कि जैकलीन की याचिका के साथ ही उसकी अर्जी पर भी सुनवाई हो।

दिल्ली एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण 30 उड़ानों में देरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में घने कोहरे की चादर छाए रहने के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे को परिचालन में भारी व्यवधान का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम हो गई। इससे विभिन्न उड़ानों के कार्यक्रम में

काफी देरी हुई। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, प्रतिकूल मौसम की स्थिति से कुल मिलाकर 30 उड़ानें प्रभावित हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि अगले 3-4 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और इससे सटे मध्य भारत के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा जारी रहने की संभावना है। अपने बुलेटिन में, मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने कहा कि दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में और राजस्थान और उत्तर में शुरुआती घंटों/सुबह में घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

दिल्ली के कनॉट प्लेस में 20 लोगों ने की वकील व परिजनों की पिटाई,मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस में कार के हॉर्न बजाने को लेकर हुई बहस के बाद करीब दो दर्जन लोगों ने महिलाओं समेत एक परिवार की पिटाई कर दी। शिकायतकर्ता, शाहदरा निवासी अधिवक्ता सिद्धार्थ कौशिक ने एफआईआर में घटना का विवरण दिया है। इसके मुताबिक 22 दिसंबर की रात करीब 11 बजे कौशिक और उनका परिवार कनॉट प्लेस से निकल रहे थे, तभी उनकी कार के हॉर्न बजाने को लेकर रोहित नाम के शख्स से बहस हो गई। स्थिति को शांत करने के कौशिक के प्रयासों के बावजूद, रोहित लड़ने लगा। उसने गालीगलौज की और कौशिक के छोटे भाइयों पर हमला किया। स्थिति ने तब और गंभीर मोड़ ले लिया, जब रोहित ने 'ओडियन पानवाला' से और लोगों को बुलवाया। इस पर डंडों और छड़ों से लैस 15-20 लोग वहां पहुंचे और महिलाओं सहित कौशिक के परिवार पर हमला कर दिया। जब कौशिक की बहन ने अपने भाई को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया, तब भी हमला जारी रहा। एफआईआर के मुताबिक, जब मेरा भाई गिर गया और हमलावर उसे लाठियों से पीट रहे थे, तो मेरी बहन ने उसे बचाने के लिए हस्तक्षेप किया और मेरे भाई के ऊपर लेट गई। फिर भी हमलावर नहीं रुके और उन दोनों को पीटना जारी रखा। उन्होंने मेरी बहन का कॉलर पकड़ लिया और गालियां दीं। कौशिक का चचेरा भाई पुलिस को बुलाने के लिए भागा, लेकिन एक कार में 3-4 हमलावरों ने उसका पीछा किया और अपहरण करने की कोशिश की।

जेएनयू में विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ छात्रों ने निकाला जुलूस

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन (जेएनयूएसयू) और तमाम वामपंथी छात्र संगठनों ने विशाल मशाल जुलूस निकाला। दरअसल विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कई तरह के नियमों में बदलाव किए गये हैं। इसके तहत किसी भी एडमिनिस्ट्रेशन या एजुकेशनल बिल्डिंग के 100 मीटर के दायरे में प्रदर्शन करने पर 20 हजार रुपये तक का जुर्माना व कैंपस में देशद्रोही नारे लगाने पर 10 रुपये का जुर्माना लगाए जाने जैसे नियम बनाए गए हैं। इन नियमों को लेकर यहां के तमाम छात्र संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते दिनों जेएनयू छात्रा आईसी घोष और कई छात्रों के खिलाफ भी 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

मोदी ने मदनमोहन मालवीय संपूर्ण वाङ्मय का लोकार्पण किया

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पंडित मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय युवा और आने वाली पीढ़ी को महामना के विचारों तथा आदर्शों और उनके जीवन से परिचित कराने का एक सश्क्त माध्यम बनेगा।

श्री मोदी ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में मदनमोहन मालवीय सम्पूर्ण वाङ्मय का लोकार्पण करते हुए कहा कि इसके जरिए देश के स्वतन्त्रता संग्राम और तत्कालीन इतिहास को जानने समझने का एक द्वार भी खुलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज का दिन भारत और भारतीयता में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक प्रेरणा पर्व की तरह होता है। आज महामना मदन मोहन मालवीय जी की जन्म जयंती है। आज अटल जी की भी जयंती है। मैं आज के इस पावन अवसर पर महामना मालवीय जी के श्री चरणों में प्रणाम करता हूँ। अटल जी को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। उन्होंने कहा कि शोधकर्ताओं और इतिहास तथा राजनीति विज्ञान के छात्रों के लिए यह वाङ्मय किसी बौद्धिक

खजाने से कम नहीं है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े प्रसंग, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ उनका संवाद, अंग्रेजी हुकूमत के प्रति उनका सख्त रवैया और भारत की प्राचीन विरासत का मान इन पुस्तकों में भरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि महामना की डायरी समाज, राष्ट्र और आध्यात्म जैसे सभी आयामों में भारतीय जनमानस का पथप्रदर्शन कर सकती है। श्री मोदी ने कहा कि महामना जैसे व्यक्तित्व सदियों में एक बार जन्म लेते हैं और आने वाली कई सदियाँ हर पल, हर समय उनसे प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा,भारत की कितनी ही पीढ़ियों पर महामना जी का ऋण है। वो शिक्षा और योग्यता में उस समय के बड़े से बड़े विद्वानों की बराबरी करते थे। वो आधुनिक सोच और सनातन संस्कारों के संगम थे। उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में जितनी बड़ी भूमिका निभाई, उतना ही सक्रिय योगदान देश की आध्यात्मिक आत्मा को जगाने में भी दिया! उनकी एक दृष्टि अगर वर्तमान की चुनौतियों पर थी तो दूसरी दृष्टि भविष्य निर्माण में लगी थी! महामना जिस भूमिका में रहे, उन्होंने 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को सर्वोपरि रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में देश गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पाकर विरासत पर गर्व करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, हमारी सरकारों के कार्यों में भी आपको कहीं ना कहीं मालवीय जी के विचारों की महक महसूस होगी। मालवीय जी ने हमें एक ऐसे राष्ट्र का विज़न दिया था, जिसके आधुनिक शरीर में उसकी प्राचीन आत्मा सुरक्षित रहे, संरक्षित रहे। जब अंग्रेजों के विरोध में देश में शिक्षा के बायकॉट की बात उठी, तो मालवीय जी उस विचार के खिलाफ खड़े हुए, वो उस विचार के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बायकॉट की जगह हमें भारतीय मूल्यों में रची स्वतंत्र शिक्षा व्यवस्था तैयार करने की दिशा में जाना चाहिए। और मजा देखिए, इसका जिम्मा भी उन्होंने खुद ही उठाया, और देश को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के रूप में एक गौरवशाली संस्थान दिया। इस मौके पर केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, अर्जुन राम मेघवाल, महामना सम्पूर्ण वाङ्मय के प्रधान संपादक राम बहादुर राय और महामना मालवीय मिशन के अध्यक्ष प्रभु नारायण श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

नोएडा में साइबर अपराध रोकने के लिए पुलिस मुस्तैद,साइबर थाने में बनेगी फॉरेंसिक लैब

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में साइबर अपराध के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए कमिश्नरेट पुलिस संसाधनों को बढ़ा रही है। साइबर अपराध को रोकने के लिए यहां के सभी थानों में पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को तैनात किया है। वहीं नोएडा के सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाने में पुलिस अधिकारियों ने साइबर फोरेंसिक लैब बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। लैब बनने के बाद साइबर स्टाकिंग, बुलिंग, फ्रॉड की घटनाओं की जांच में तेजी आएगी। साइबर और आईटी से संबंधित अन्य जांच भी यहां कम समय में हो सकेगी। डीप फेक पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। लैब के निर्माण के बाद गलत मंशा के साथ अगर किसी महिला का वीडियो वायरल होता है तो पुलिस उसे समय रहते ही रोक सकेगी। अभी तक कमिश्नरेट पुलिस की दिल्ली और लखनऊ की लैब पर निर्भरता है। शहर में फोरेंसिक लैब न होने से किसी भी हाइप्रोफाइल मामले की जांच में काफी समय लग जाता है और जांच की रफ्तार धीमी पड़ जाती है। कमिश्नरेट पुलिस एक-एक करके संसाधनों को बढ़ा रही है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार ठगी और धोखाधड़ी समेत अन्य मामले में चार्जशीट तैयार करते समय लैब बन जाने से तकनीकी सबूत भी जुटाए जाएंगे। साइबर अपराधी ठगी करने के बाद चैट व लिंक तेजी से डिलीट करते हैं। यही नहीं रूप में जोड़कर जो ठगी होती है उसमें एक पीड़ित को रूप से बाहर निकाल कर बाकियों को फिर उसी ग्रुप से ठगा जाता है। ऐसे मामलों में पीड़ित के मोबाइल से पुलिस साइबर फोरेंसिक लैब के जरिए बहुत सा डेटा इन अपराधियों का आसानी से हासिल कर पाएगी। अपर पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने बताया कि इसके साथ ही साइबर क्राइम थाने में एक सेंट्रलाइज्ड डेस्क भी बनाने का खाका तैयार किया जा रहा है। यह डेस्क सभी थानों की साइबर हेल्प डेस्क से जुड़ेगी। किसी भी थाने में शिकायत पर तकनीकी जांच या सबूत जुटाने की जरूरत पड़ने पर यह डेस्क तेजी से फोरेंसिक लैब से काम करवाएगी।

भारत में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप मनाया: राम दास मलिक

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी के जन्म जयंती के अवसर पर दिल्ली राजेन्द्र नगर आर्य महिला वृद्धा आश्रम में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ के सह-संयोजक रामदास मलिक ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के जन्मदिन पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि (श्रद्धा सुमन) अर्पित अर्पित किए। और उन्होने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी भारतीय राजनीति के महानतम व्यक्तित्व थे, जिन्होंने समाज के अन्तिम छोर तक भाजपा के विचारधारा को पहुंचाया। और उन्होने यह भी कहा कि वर्तमान पीढ़ी को अटल जी के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेकर भारत को विकसित बनाने के संकल्प को पूरा करना चाहिए। अटल की प्रति काफी विचार और भावना और उनके विचार झलकता है अटल जी ने संसद में कहा था कि लोकतंत्र तेरहवीं के सरकार की गरी लोकतंत्र के अन्दर सिर्फ जयंती होती थी सिर्फ मेम्बर की पीछे कुशासन रहा उन्हें देश की जनता का भला नहीं किया। उन लोगों ने अपने परिवार का भला किया उनकी सोच सरकारों की सोच परिवर के प्रति ही था अटल जी की सोच देश के प्रति था वो चाहते थे देश का शासान का देश का, तंत्र का जितना फायदा देश सीमा प्रांत रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचे। हर एक व्यक्ति तक पहुंचे आज उसी रास्ते पर भारतीय जनता पार्टी माननीय नरेंद्र मादी की सरकार उन्ही के रास्ते पर बढ़ते जो बाग-डोर सभाले हुए है आज यह अच्छी बात यह है कि जिला

मोहल्ला/गॉवों में जनता को पानी, सड़क, बिजली की किल्लत थी अब यह देखा गया है कि इन सब कार्य में जाल बिछा दिया गया है अब किसी प्रकार की किल्लत नहीं देखने को मिलता है।

सभी देशवासियों को अटल जी की प्रेरण को लेकर आगे बढ़ने की कामना की और अतिथिगण एवं आर्य महिला वृद्धा आश्रम की महिला के समकक्ष अपनी विचारधारों को रखा बीजेपी नेता राम दास मलिक। इस मौके पर आश्रम में वृद्ध महिलाओं ने अटल बिहारी वाजपेई जी की प्रसिद्ध कविता को सुनाया गया। मलिक ने कहा कि अटल जी की कविता में एक अच्छा संदेश और विचारधारा समझने को मिलता है और महिलाओं को मिठाईयां एवं फल वितरित कर सुशासन दिवस मनाया। यहा तक कि निर्धन व असहाय बेघरों को कम्बल भी वितरित किया गया।

देश में कागज व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन एफपीटीए का दिल्ली में शुरू हुआ 3 दिवसीय 62 वा राष्ट्रीय अधिवेशन

नई दिल्ली: देश के पेपर (कागज) व्यापारियों के सबसे बड़े संगठन फेडरेशन ऑफ पेपर ट्रेडर्स एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया (एफपीटीए) का पूर्वी दिल्ली स्थित दा लीला एम्बिएंस कन्वेंशन होटल में 3 दिन तक चलने वाले 62 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के शुरू होने से एक दिन पहले फेडरेशन के नेताओं द्वारा नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में प्रेस कांफ्रेंस कर मीडिया को बताया कि राष्ट्र के निर्माण में कागज के व्यापारियों का क्या योगदान है । देश की राजधानी में हो रहे फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन की मेजबानी कर रही पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन (पीएमए) दिल्ली द्वारा बुलाई गई प्रेस कांफ्रेंस में एफपीटीए के अध्यक्ष असीम बोर्डिया , महामंत्री भवेश गाला , एफपीटीए के नॉमिनेटिड अध्यक्ष दिलीप बिंदल , पीएमए दिल्ली के अध्यक्ष रमेश गर्ग , महामंत्री अजय गुप्ता , अधिवेशन की रिसेप्शन कमेटी के चेयरमैन विनय जैन ,अधिवेशन के प्रेस एण्ड पब्लिसिटी कन्वीनर राजीव शर्मा मौजूद रहे इस अवसर पर एफपीटीए के वर्तमान अध्यक्ष असीम बोर्डिया ने बताया कि फेडरेशन बड़े पैमाने पर कागज के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ साथ उन मिथकों को भी दूर करने का प्रयास कर रही है कि कागज के उपयोग से हरित आवरण कम हो जाता है क्योंकि कागज सिर्फ पेड़ काट कर ही नही बल्कि भारत में इसका निर्माण पेड़ों से ज्यादा अपशिष्ट कागज के पुनर्चक्रण और कृषि अपशिष्ट के अवशेषों जैसे अन्य स्रोतों से किया जाता है । 2022 की भारत राज्य वन रिपोर्ट के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में वन क्षेत्र में वृ ?द्धि हुई है । यह भी कटु सत्य है कि कागज प्रकृति के लिए किसी भी तरीके से हानिकारक नही है । ज्ञात रहे यदि एक पेड़ को काटा जाता है तो कागज मिलें योजनाबद्ध तरीके से लुगदी के उपयोग के लिए एक के बदले कई कई पेड़ लगाती भी हैं। एफपीटीए के निर्णय का पालन करते हुए कागज के व्यापारी देश भर में 1 अगस्त को पेपर दिवस के रूप में मनाते और इस दिन वो उन क्षेत्रों में वृक्षारोपण करते हैं जहां कभी कागज के लिए पेड़ों को काटा ही नही जाता । ज्ञात रहे एफपीटीए कागज उद्योग से जुड़े व्यापारियों को वैश्विक जानकारी और व्यापार के अवसरों के लिए अंतरराष्ट्रीय दौरों के लिए मंच भी प्रदान करता है यह व्यापारियों के अधिकारों, हितों की सुरक्षा और मिलों और व्यापारियों के रिश्तों की बेहतरी के लिए मिल्स एसोसिएशनों के साथ-साथ पेपर कन्वर्टर्स और प्रिंटर्स के साथ भी सभी स्तरों पर बातचीत और समन्वय करता है। एफपीटीए जर्मनी, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कोरिया, वियतनाम, जापान और चीन जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए व्यापार प्रतिनिधिमंडलों का भी संचालन करता है। एफपीटए के महामंत्री भवेश गाला ने बताया कि फेडरेशन व्यापारियों के अधिकारों, हितों की सुरक्षा और मिलों और व्यापारियों के रिश्तों की बेहतरी के लिए मिल्स एसोसिएशनों के साथ-साथ पेपर कन्वर्टर्स और प्रिंटर्स के साथ भी सभी स्तरों पर बातचीत और समन्वय करता है। एफपीटीए जर्मनी, थाईलैंड, इंडोनेशिया, कोरिया, वियतनाम, जापान और चीन जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों हेतू व्यापार प्रतिनिधि मंडलों का भी संचालन करता है। एफपीटीए के नॉमिनेटिड अध्यक्ष दिलीप बिंदल ने प्रेस कांफ्रेंस में फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन के संदर्भ में बताया कि इसमें देश भर के 500 से अधिक सदस्यों के भाग लेने की संभावना है ।

नववर्ष 2024 के स्वागत जश्न में हुड़दंग करना पड़ेगा भारी

नई दिल्ली। नववर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर वाहन चलाने व हुड़दंग करने वाले सावधान हो जाए। इस बार यातायात पुलिस 350 विशेष बाइक सड़कों पर उतार रही है। इन पर दो-दो यातायात पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। बाइक सवार पुलिसकर्मी गश्त करते हुए शराब पीकर वाहन चलाने, खतरनाक ढंग व तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों को तुरंत पकड़ लेंगे। इसके अलावा प्रमुख चौराहों व सड़कों पर यातायात पुलिस की टीमें तैनात की जाएंगी। दिल्ली यातायात पुलिस की प्रयासों से गत वर्ष नववर्ष की पूर्व संध्या पर होने वाले सड़क हादसों में कमी आई थी। इस बार भी यातायात पुलिस विशेष प्रबंध कर रही हैं। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात पुलिस की 350 बाइक सड़क पर उतरेंगी। इन पर सवार पुलिसकर्मी नियम तोड़ने वालों को पकड़ेंगे। इसके अलावा करीब 275 टीमें दिल्ली के प्रमुख चौराहों, होटलों, पब व सड़कों पर तैनात रहेंगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों को पकड़ने के लिए पीसीआर व स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया जाएगा। ऐसे लोगों के वाहन जब्त कर मामला दर्ज किया जाएगा। यातायात पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नववर्ष की पूर्व संध्या पर रात आठ बजे के बाद कनॉट प्लेस में सभी तरह के निजी व सार्वजनिक वाहनों का प्रवेश बंद हो जाएगा। वाहनों को मंडी हाउस गोलचक्कर, बंगाली मार्केट गोलचक्कर, रणजीत सिंह फ्लाईओवर (बाराखंभा रोड से टॉलस्टॉय क्रासिंग), मिंटो रोड-दीन दयाल उपाध्याय मार्ग क्रासिंग, चेम्सफोर्ड रोड (नई दिल्ली रेलवे स्टेशन), आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्ता मार्ग क्रॉसिंग, गोल मार्केट गोलचक्कर, जीपीओ गोलचक्कर, पटेल चौक, केजी रोड-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग, जय सिंह रोड-बंग्ला साहिब लेन, पंचकुइयां रोड-बंग्ला साहिब लेन, विंडसर प्लेस, बूटा सिंह मार्ग गोलचक्कर और स्टेट एंट्री रोड-नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से आगे कनॉट प्लेस व आसपास के इलाकों में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ये प्रतिबंध नए वर्ष का जश्न खत्म होने तक रहेगा।

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Purani Devi W/O Ram Bharosh Pandit R/O plot no 25 -A first floor Vikas Kunj, Mohan Garden ,VTC Uttam Nagar, PO .D.K Mohan Garden , Sub district Dwarka, District Dwarka ,West Delhi , Delhi- 110059 .have changed my name and shall hereafter be known as PURNIMA DEVI

NAME CHANGE
I Arjun Singh S/o Om Prakash R/o Rz - 14/225, Block - P, Parshuram Chowk, West Sagarpur, New Delhi - 110046 have changed my name from Arjun Singh to Arjun Rajput for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, ADITYA SINGH S/o JC-285206W Rank-SUB Name-CHHAJJAN SINGH R/o VIJAY NAGAR COLONY, SARAS HOTEL KE PASS, BHARATPUR, RAJASTHAN-321001, in my father's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/01/2003 instead of my correct date of birth as 18/01/2005 vide affidavit dated 26/12/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as SUMIT KUMAR S/O SUNIL KUMAR R/O A-1, DOUBLE STORY KALKAJI, NEW DELHI, SOUTH DELHI-110019 have changed my name and shall hereafter be known as SUMEET SINGH.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Indu Naswa W/O Harish Chander Naswa residing at G-12 Budh Vihar, phase -1 ,Delhi , Sultanpuri, C-Block ,NCT of Delhi -110086. Declare that name of mine and my husband has been wrongly written as INDU BALA NASWA and HARISH NASWA in my service records. The actual name of mine and my husband are INDU NASWA and HARISH CHANDER NASWA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Jugal Kishore, S/o Sh. Kukku, R/o 8/169, Dakshinpuri Extn., New Delhi-110062, have changed my name from JUGAL KISHOR to JUGAL KISHORE for all purposes in future.

NAME CHANGE
I, MOHD WASIM RAJA S/O MOHD SHARIF SAIFI residing atF C A-4, SGM NAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121001 have changed my name to MOHD WASIM SAIFI for all future purpose

PUBLIC NOTICE
I, SUMIT KUMAR S/O SUNIL KUMAR R/O A-1, DOUBLE STORY KALKAJI, NEW DELHI, SOUTH DELHI-110019 do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced SIKHISM and renounced HINDUISM with effect from 23-04-2023.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि श्री जयदेव खसरा नंबर 250 में से 200 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो गांव - यूसुफ पुर चकशाहबेरी, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्ध नगर, यूपी में स्थित है। सेल डीड दिनांक 24/08/2017 को एसआर दादरी के कार्यालय में दस्तावेज़ नंबर 11879, बुक नंबर 01, वॉल्यूम नंबर 10812, पेज नंबर 327-364 के रूप में विधिवत पंजीकृत किया गया, श्रृंखला दस्तावेज़ जीपीए दिनांक 06/06/2009 में, यूपी से खरीदे गए स्टांप पेपर और कुछ स्टांप पेपर छत्तीसगढ़ से खरीदे गए हैं, लेकिन उनका पंजीकरण छत्तीसगढ़ में किया गया है, कोई भी यूपी के स्टांप पेपर को छत्तीसगढ़ में पंजीकृत नहीं करा सकता है। हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के दस्तावेज़ किसी को तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

Lost & Found
I, GEETA RAWAT D/o THAKUR SINGH RAWAT, MAHA VEER ENCLAVE SEC 1 DWARKA NEW DELHI 110045 inform that I have lost my original SBI ID CARD. ID CARD NUMBER 849337 ISSUE DATE 21-Aug-23 DATE OF EXP. 30-Jun-24. founder pls call 9319308566

NAME CHANGE
I, RAMA PRATAP SINGH wife of IC-27750H COL Name-DEVENDRA PRATAP SINGH residing at 409 JHELAM ARORVANSH, SEC-5, PLOT NO-8, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed my name from RAMA PRATAP SINGH to RAMA SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 08/12/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Meenu W/o Arjun Rajput R/o Rz - 14/225, Block - P, Parshuram Chowk, West Sagarpur, New Delhi - 110046 have changed my name from Meenu to Meenu Rajput for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sanya Girdhar D/o Narender Girdhar R/o S-1/64, Ground Floor, Old Mahavir Nagar, Delhi-110018 have changed my name to Sania Girdher.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAMU S/o BHAGWAN SINGH residing at G 74B, Vijay Vihar Phase- I, Rohini, North West Delhi, Delhi- 110085 have changed my name and shall hereafter be known as YASH DIWAKAR.

NAME CHANGE
I, SAMUEL JOSE S/O KOZHY SAMUEL residing at 197 C, POCKET-F, GTB ENCLAVE, OPP GTB HOSPITAL, NAND NAGRI, DELHI-110093 HAVE changed my name to JOSE SAMUEL permanently.

NAME CHANGE
I, afzal S/O AFZAL residing at KALIYAMMAN KOIL STREET, J G R NAGAR, KAOTTAI MOTTUR, VANDARANTHANGAL, KATPADI, VELLORE, TAMIL NADU-632059 have changed my name to HAROON BASHA for all future purpose

NAME CHANGE
I, Salim Mohammed Tamboli R/o B8-001, RPS Savana, Sec-88, Faridabad-121002, have changed my minor son's name from Suhan to Suhan Salim Tamboli permanently

NAME CHANGE
I, SHAHNAWAZ S/o Mohd Nishar Khan Residing House No-473, block 36,Trilok Puri, Delhi-110091 have changed my name from Mohd Shah Nawaz to SHAHNAWAZ for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड को उक्त संपत्ति फ्रीहोल्ड रेजिडेंशियल बिल्ट-अप पूरी दूसरी मंजिल, छत के अधिकार क्षेत्र के साथ 62 वर्ग गज की दूरी पर वित्तपोषित किया गया था ब्लॉक 5-ए में निर्मित संपत्ति संख्या 5-ए / 87-ए निर्मित प्लॉट संख्या 87-ए खसरा नंबर 4475 / 1818 से बाहर बस्ती रायगर डब्ल्यू.ई.ए. करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है। ऋण संख्या 26600000547 के साथ हिरासत में (1) मूल सहयोग समझौता दिनांक 02-12-2012 को श्री संतोष सिंह और प्रेम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह द्वारा श्री राजिंदर गुप्ता पुत्र स्वर्गीय आर सी गुप्ता के पक्ष में निष्पादित दूसरी मंजिल छत के बिना अधिकार (2) मूल बिक्री विलेख दिनांक 07-10-2016 को श्री संतोष सिंह और श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह द्वारा विक्रेता के रूप में और श्री राजिंदर गुप्ता स्वर्गीय श्री आर सी गुप्ता द्वारा श्री राज कुमार चौधरी पुत्र श्री अनिल चौधरी के पक्ष में पुष्टिकरण पार्टी के रूप में निष्पादित किया गया। पंजीकरण संख्या नं. 9129 के माध्यम से (3) मूल इकरारनामा जो श्री संतोश सिंह एवं श्री प्रेम सिंह पुत्र श्री करतार सिंह द्वारा विक्रेता के रूप में और श्री राजिंदर गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री आर सी गुप्ता द्वारा पुष्टिकरण के रूप में निष्पादित किया गया। इच्छुक उधारकर्ता के पक्ष में पार्टी और श्री राज कुमार चौधरी द्वारा मेसर्स पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (औपचारिक रूप से दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के रूप में जाना जाता है के साथ दस्तावेज जमा किए गए थे। मेसर्स पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस के कब्जे से दस्तावेज गुम हो गए थे। हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (औपचारिक रूप से दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के रूप में जाना जाता था, और पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा दिनांक 26-12-2023 पीएस क्राइम ब्रांच दिल्ली में पहले से ही ऑनलाइन एफआईआर एलआर नंबर 1275303 / 2023 दर्ज की गई है और किसी भी व्यक्ति ने उपरोक्त पायाक्ष प्राप्त किया है उल्लेखित संपत्ति दस्तावेजों को पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा एनएसपी नई दिल्ली या अंडरराइटिंग एडवोकेट को सूचित किया जाना चाहिए।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHREYA D/O RAVINDRA GOND, Residing at L-2/69B, First Floor, Type-3, DDA Flat, Kalkaji, New Delhi-110019, declare that name of my father has been wrongly written as RAVINDRA in 10th Certificate and all educational documents. The actual name of my father is RAVINDRA GOND respectively which may be amended accordingly

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी (रेवोलुशनरी) के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है जिसका कार्यालय- दुकान नंबर-19, सेक्टर 12, आर. के. पुरम, नई दिल्ली- 110022 पर स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है। पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं
अध्यक्ष:- राजेश कालिया, पता- दुकान नंबर- 19, सेक्टर 12, आर. के. पुरम नई दिल्ली -110022.
महासचिव :-हर्ष देवगन, पता- प्लॉट नंबर -70, द्वितीय तल, पॉकेट 21, सेक्टर 24, रोहिणी, नई दिल्ली- 110025.
कोषाध्यक्ष:- सुभाष नागपाल, पता K-1 नवभारत अपार्टमेंट, ए-4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063. यदि किसी को आम आदमी पार्टी (रेवोलुशनरी) (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति और इसके कारण सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड़, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

Lost & Found
I, SHARAVAN KUMAR S/O BHARAT PRASAD R/o SETHI ENCLAVE MOHAN GARDEN UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 inform that I have lost my original I D CARD ON DWARKA MORE METRO STATION. ID CARD NO 848342. DATE OF ISSUE 17-Aug-23 EXP. DATE 10-Jun-24 founder pls call 93193 08566

NAME CHANGE
I, Dhruv Kumar s/o Rajnish Kumar R/o 1974, 1st Floor, Kucha Chelan, Khari Baoli, Delhi-110006, have changed my name to Dhruv Dixit for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VIJAY CHAWLA S/o LAL CHAND, residing at House No. 28-C, BS-Block, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi-110088 declare that the name of my wife has been wrongly written as KAVITA CHAWLA in my minor Son namely SOURABH CHAWLA aged 15 years in his School Records. The actual name of my wife is HEENA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Rajendra Kumar Suri Son of Mr. K.L. Suri (Kharati Lal) is the owner of the House No. C-208, Nagar Palika No. 4/357, area measuring 75.50 Sq. Yards, i.e., 679.5 Sq. Ft., i.e., 63.13 Sq. Mtrs., situated at Mohalla Govindpuri Modinagar, Pargana Jalalabad, Tehsil Modinagar, Dist. Ghaziabad, U.P., owner vide Gift Deed dated 19.12.2023 executed by Mrs. Shanti Devi Suri Wife of Mr. K.L. Suri (Kharati Lal), as Doc No. 21678, Volume No. 14998, in Book No. 1, on Page No. 83-98, reg. on 19.12.2023, in SR-Modinagar and same property to be financed by Hinduja Housing Finance Ltd. having its Office Address at F-8, 1st floor, Mahalaxmi Metro Towers, Vaishali, Sector-4 Ghaziabad- 201010. That, Original Certificate of Sale dated 17.06.1961 in favour of Mr. Khairati Lal S/o Mr. Barkat Ram in respect of the Property No. G.B. Quarter No.208, C-Type, area measuring 75.5 Sq. Yds., Govind Puri Colony, as Doc No. 3492, Volume No. 1067/1045, in Book No. 1, on Page No. 44/301-302, reg. on 11.09.1961, in SR-Meerut has been lost/misplaced and FIR has been lodged for the same. If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within a week from date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन से किया सुशासन का मार्ग प्रशस्त-राम पाल यादव राष्ट्रीय किसान मोर्चा कोषाध्यक्ष

धारूहेड़ा। सुशासन दिवस समारोह धारूहेंडा में आयोजित सुशासन दिवस के प्रदेश सह-संयोजक हिमांशु पालीवाल ने देश के महान स्वतंत्रता सेनानी महामना पं. मदन मोहन मालवीय व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचार सुशासन की नींव हैं, जो हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। आज का दिन हम सुशासन दिवस के रूप में मना रहे है द्य उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने शासन के माध्यम से सुशासन देने का जो संकल्प लिया था उसे सरकार बखूबी आगे बढ़ा रही है। पालीवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ई-गवर्नेंस के माध्यम से सरकारी कार्यों में सरलीकरण व पारदर्शिता को लगातार बढ़ावा दे रही है। पालीवाल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार सबका-साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र से प्रेरित होकर आम जन के हित के लिए कार्य कर रही है जिसके माध्यम से गरीबों, युवाओं, किसानों, महिलाओं और वंचित वर्ग के नागरिकों की मदद का भरसक प्रयास किया जा रहा है। अब केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को लाभार्थी तक पहुंचाने व लाभार्थियों में हो रहे सुधार की निगरानी महज कंप्यूटर की एक क्लिक जितनी दूरी है द्य

- राष्ट्रीय किसान मोर्चा कोषाध्यक्ष राम पाल यादव ने कहा कि सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन से सुशासन का मार्ग प्रशस्त किया है। पारदर्शिता के साथ सरकार के द्वारा किए जा रहे कार्यों का लाभ जनता को बिना किसी बाधा के सुगम तरीके से मिल रहा है।

उन्होंने ने कहा कि सीएम की पारदर्शी व दूरगामी सोच के चलते हरियाणा सरकार ने सिस्टम को पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त व हाइटेक बनाते हुए आईटी के माध्यम से प्रदेशवासियों को पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देकर फील गुड का अहसास कराया है। प्रदेश में अंत्योदय व सबका साथ-सबका विकास की भावना के अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं और योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल सुशासन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। सरकार ने आईटी व डिजिटल माध्यम से सेवाओं का सरलीकरण किया है, जिससे अंत्योदय की भावना को बल मिला है।इस अवसर पर जिला किसान मोर्चा अध्यक्ष धर्मवीर यादव, मंडल अध्यक्ष मनोज सैनी, अशोक कोसलिया, राजकुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे

अगले 6 महीनों में 60 हजार को दी जाएंगी सरकारी नौकरियां: कृष्ण लाल पंवार

पानीपत। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सोमवार को अलुपुर व भंडारी गांव मे जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद कृष्णलाल पंवार ने कहा कि अगले 6 महीने में 60 हजार सरकारी नियुक्तियां की जाएगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पढ़ी-लिखी पंचायतो का कानून बनाकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए हम सब को श्रेष्ठ भारत की भावना को लेकर कार्य करना होगा। सरकार सभी नागरिकों के जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने का कार्य कर रही है । सरकार हर घर का सपना पूरा करने में लोगो की हर संभव सहायता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल प्रयास से भारत निकट 2024 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओ को आत्म निर्भर बनाने को लेकर सरकार ने 15 सो महिलाओं को ड्रोन का प्रशिक्षण दिया है। इससे महिलाओं को जहां रोजगार के अवसरं प्रदान होंगे वहीं वो सरकार की इस योजना के साथ जुडक़र आत्म निर्भर भी होंगी। आने वाले समय में हर स्टेट में महिलाओं के लिए नमो दीदी प्रशिक्षण केंद्र खोले जायेंगे।उन्होंने कहा पहले किसी किसान का खेत का बिजली ट्रांसफार्म जल जाता था तो उसे 20 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती थी

अब उसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है। सरकार की यह बड़ी उपलब्धि है।

सांसद ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के कोने-कोने मे जाकर लोगों को सरकार की योजनाओ की जानकारी देकर उन्हे प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो समस्याएं जन संवाद मै प्राप्त होंगी उनका समाधान निश्चित है। गांव मे विकसित भारत संकल्प यात्रा का पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उत्सव पूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्कूलों के बच्चो ने संस्कृति क प्रतुती दी। महिलाओं, खिलाडियों, पूर्व सैनिकों व कलाकारों को सम्मानित किया गया।

सांसद ने विभिन्न स्टालों पर जाकर सरकार की योजनाओ की जानकारी ली व सरकार द्वारा गांव में करवाए गए विकास कार्यों का ब्योरा गांव के लोगो के समक्ष रखा। कार्यक्रम मे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने सरकार की योजनाओ से मिले लाभ को लोगो के साथ सांझा किया। सांसद ने प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को गैस कीट वितरित की। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी चेयरमैन राजेंद्र भादड ने अलुपुर में संबोधित करते कहा कि आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। यह सब मोदी सरकार की योजनाएं का प्रभाव है।आत्म रक्षा के मामले में हम अच्छी स्थिति मै है।

ब्लॉक समिति चेयरमैन मीना देवी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने में सरकार ने बहुत कार्य किया है। आज महिलाएं बहुत से क्षेत्रो में अपनी बेहतरीन स्थिति दर्ज कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है।

इस मौके पर एडीसी वीना हुडा, जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी विवेक चोधरी,तहसीलदार अजय सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता कौशिक,एसडीओ बिजली विभाग सत्यवान ,पंचायत अधिकारी नवीन लोहान, सुरेंद्र नोहरा,सरपंच सतबीर अलुपुर,सरपंच सुरेन्द्र भंडारी सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता कौशिक, पब्लिक हेल्थ के एसडीओ वीरेंद्र, कृषि विभाग के एडीओ बिजेंद्र जागलान, रोशनलाल माहला,टेक राम मराठा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम मे दोनों गांव के सरपंच को अभिनंदन पत्र भी दिया गया।

प्रदेश सरकार के लिए किसान हित सबसे पहले है : शशि

तोशाम। पूर्व विधायक भाजपा प्रत्याशी शशि परमार ने कल सिंघानी में आयोजित अन्नदाता सम्मेलन भव्य रैली में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने व रैली में चार चांद लगाने व पूर्व प्रधानमंत्री चौ.चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने पर तोशाम हल्के की जनता का आभार जताया व उनका धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह देखने को मिला व पूरे जोश और उत्साह के साथ भारी तादाद में भीड़ उमड़ी। जिसमें माननीय मुख्यमंत्री ने भिवानी जिले के लोहारू क्षेत्र में लगभग 112 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं क्षेत्र को समर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए किसान हित सबसे पहले है किसान के हितों की सुरक्षा के लिए सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूर्व सीएम व किसान मसीहा चौ. चरण सिंह की नीतियों को लागू कर रही है। ताकि हमारा किसान खुशहाल हो सके और देश की तरक्की में योगदान दे सके। इसी तरह उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री व माननीय मुख्यमंत्री का नेतृत्व अब लोगों को बहुत भाने लगा है, जिससे तिबारा केंद्र व हरियाणा में फिर से कमल का फूल खिलाने का काम करेंगे व बीजेपी की सरकार भारी बहुमत से बनाएंगे। इस अवसर पर सतबीर शर्मा, प.छाजुराम, रामफल, होशियार जांगड़ा, शास्त्री बिठण, प्रदीप मण्डल अध्यक्ष, सीसराम शर्मा, संजीव शिमली, मनोज सुंगरपुर, बीरसिंह नेहरा, सतपाल सिहाग, राजेश, अनूप, मानसिंह ढाणी मिरान, धर्मपाल चनाना, नरेंद्र, डॉ रोहताश बाबरवास, राज भेरा, सतबीर फौजी डाडम आदि मौजूद रहे।

उकलाना मंडी में 7 जनवरी को होगा हरियाणा जनसेवक पार्टी का जनसेवा मिशन 2024 का आगाज

हिसार। उकलाना मंडी किसान रेस्ट हाउस में महम के विधायक भाई बलराज कुंडू ने 7 जनवरी को उकलाना मंडी पुरानी अनाज मंडी नजदीक (गीता भवन)में होने वाली जनसेवा मिशन 2024 की जनसभा न्योता देते हुए कहा कि हमारे द्वारा हरियाणा जन सेवक पार्टी का गठन किया गया है जो पार्टी केवल जन सेवा के उद्देश्य को लेकर हरियाणा में आई है द्य आज के समय महंगाई बढ़ रही है,बेरोजगारी भी बढ़ रही है, हर रोज लूटपाट, हो रही है,हर वर्ग सरकार से दुखी है,कर्मचारी कार्यालय में सुरक्षित नहीं है विद्यार्थी स्कूल में सुरक्षित नहीं है, किसान खेत में सुरक्षित नहीं है, महिलाएं इस प्रदेश में सुरक्षित नहीं है, और तो और यहां पत्रकार भी सुरक्षित नहीं है, हर तरफ हाहाकार मची हुई है, हर तरफ लूट और भ्रष्टाचार की दुकान खुली हुई है, राजघरानो के राजवाड़े ने इस प्रदेश को लूटने का काम किया है, प्रदेश से नौकरियां गायब हो गई है, बेरोजगार युवा करें तो क्या करें, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी है, हरियाणा मे अगली सरकार हरियाणा जन सेवक पार्टी की बनेगी, 7 जनवरी को जनसेवा मिशन 2024 उकलाना जनसभा में हम पार्टी का घोषणा पत्र भी लेकर आएंगे, जो घोषणा पत्र में होगा वह पहले दिन से ही लागू होगा, हमारा यह संकल्प पत्र है गरीब मजदूर किसान के बेटों को पार्टी में अहम जिम्मेवारियां दी जाएगी आखिर कब तक राजघराने के पीछे हमारे युवा चप्पल जूते तुड़वाते रहेंगे उनका भी सपना है वह भी सेवा कर सकते हैं इसलिए उनको भी राजनीति में मौका मिलना चाहिए, और यह मौका केवल हरियाणा जन सेवक पार्टी ही दे सकती है द्य उकलाना में जनसेवा मिशन 2024 एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, आज हरियाणा की जनता जाग चुकी है, उनको पता है कि उनके हकों की सच्ची लड़ाई कौन लड़ रहा है, असली जन सेवक कौन है यह आम जनता भलीभांति जानती है हरियाणा में 90 विधायकों की कार्यशैली देखें और हमारे काम को भी देख लो, सरकार का नारा है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ये नारा खोखला है और यह कागचो में रह गया,हम ने साबित किया लड़कियों के लिए बस सुविधा उपलब्ध करवाई ताकि हमारी बेटियां पढ़ा-लिखकर आगे बढ़े और प्रदेश का नाम रोशन करें , सरकार झूठे वादे कर रही है आज प्रदेश में बेटियां अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं इस प्रदेश का वातावरण महिलाओं के प्रति दूषित हो चुका है ताजा उदाहरण आप लोगों के सामने है स्कूलों में छेड़खानी के मामले महिला आयोग तक पहुंच चुके हैं गूंगी बहरी सरकार मौन अवस्था में रहकर सब कुछ देख रही है अब समय आ गया है कि हरियाणा प्रदेश के अच्छी सोच के पढ़े लिखें ऊर्जावान युवा हरियाणा जन सेवक पार्टी के साथ जुड़ कर प्रदेश कि तस्वीर बदलने में मेरा सहयोग करें

यमराज बनकर नूंह जिले की सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे हाइवा डंपर, अनदेखी कर रहे जिम्मेदार प्रशासन

नूंह। नूंह जिले की सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के डंपर बेखौफ होकर दौड़ रहे है। रात ही नहीं बल्कि दिन में भी सड़कों पर ऐसे वाहनों को फर्राटा भरते हुए देखा जा सकता है। इतना ही नही इन डम्परो पर नम्बर प्लेट भी नही होती है और अधिकतर इन वाहनों के चालक नंबर प्लेट पर ग्रीस और कीचड़ लगा कर चलाते हैं। जिसके कारण ये हादसे को अंजाम देकर गायब हो जाते है। ऐसे में दुर्घटनाएं भी बढ़ गई हैं। वहीं कोई ठोस कार्रवाई न होने के चलते वाहन चालकों में आरटीओ व प्रशासन का तनिक भी खौफ नहीं है। ये लोग चेक पोस्ट व रिपीटर नाकों के सामने से फ़र्राटे भरते हुए निकल जाते है। लोगों ने जिला प्रशासन से जिले की सड़कों पर दौड़ रहे ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर इनकी रफ्तार को भी कम करने की मांग की है, ताकि सड़कों पर आमजन को सुरक्षित और बेखौफ होकर चला जा सके। बता दें कि जिले के सभी नाकों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी रखी जा रही है। लेकिन फिर भी बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर लगाम नहीं कस रही है। जब इस बारे में यातायात थाना एसएचओ अशोक सैनी से बात की तो उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर जिले की सड़कों पर कोई बिना नंबर का वाहन नजर आया तो उसको किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा।

देश में रिकॉर्ड कायम करती जा रही है विकसित भारत संकल्प यात्रा - बख्शीश सिंह

असंध/करनाल। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सोमवार को झीमरी खेड़ा गांव मे जन संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान नजदीकी कौल खेड़ा गांव के लोगों ने भी विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत करते हुए सरकार की योजनाओं की जानकारी लेते हुए लाभ उठाया। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक सरदार बख्शीश सिंह विर्क ने कहा कि देश भर में वार्ड-वार्ड, गांव-गांव जा रही इस संकल्प यात्रा का आज तक 4.50 करोड़ लोगों ने स्वागत किया है। यह यात्रा अब तक देशभर में एक लाख पंचायतों तक पहुंच चुकी है व 3 करोड़ लोगो ने अब तक यात्रा के संकल्प की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाएगा इसको लेकर के हम सबको प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार सभी नागरिकों के जीवन में सुगमता सुनिश्चित करने का कार्य कर रही है। सरकार हर घर का सपना पूरा करने में लोगो की हर संभव सहायता दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल प्रयास से भारत निकट भविष्य में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओ को आत्म निर्भर बनाने को लेकर सरकार ने 1500 महिलाओं को ड्रोन का प्रशिक्षण दिया है। इससे महिलाओं को जहां रोजगार के अवसर प्रदान होंगे वहीं वो सरकार की इस योजना के साथ जुडक़र आत्मनिर्भर भी होंगी। आने वाले समय में हर स्टेट में महिलाओं के लिए नमो दीदी प्रशिक्षण केंद्र खोले जायेंगे। उन्होंने कहा पहले किसी किसान का खेत का बिजली ट्रांसफार्म जल जाता था तो उसे 20 प्रतिशत राशि जमा करनी पड़ती थी अब उसे घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचे भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रोफ़ेसर वीरेन्द्र सिंह चौहान ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा देश के कोने-कोने मे जाकर लोगों को सरकार की योजनाओ की जानकारी देकर उन्हे प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम छू रहा है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत की कल्पना की है। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी व दुरगमी सोच का विदेशों में डंका बज रहा है। हम सब को विकसित भारत का संकल्प लेना है व उस पर कार्य करना है। उन्होंने ग्रामीणों को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो समस्याएं जन संवाद मे प्राप्त होंगी उनका समाधान निश्चित है । कार्यक्रम में ग्राम पंचायत द्वारा मांग पत्र भी रखा गया जिसे पूरा करने का दोनों अतिथियों ने आश्वासन दिया। गांव मे विकसित भारत संकल्प यात्रा का पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उत्सव पूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम में स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां थी।

सतलुज पब्लिक स्कूल में मनाया गया तुलसी पूजन दिवस

भट्ठू कलां। भट्ठू कलां के सतलुज पब्लिक स्कूल में आज सोमवार को तुलसी पूजन दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर ,रिटायर्ड इंडियन एयर फोर्स एवम प्रमुख समाजसेवी रमन कुमार राणा ने तुलसी के पौधे के समक्ष दीप जलाकर पूजा अर्चना की। वही पूरे स्टाफ ने तुलसी माता को नमन किया। इस मौके पर उनके साथ स्कूल के पीआरओ धर्मेंद्र ढाका स्कूल के अनुशासन अधिकारी दिनेश माचरा आदि साथ थे। इस मौके पर श्री राणा ने मौके पर उपस्थित स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं व स्टाफ को तुलसी की महत्वता भारी विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने बताया कि सनातन परंपरा में जड़ और चेतन सभी में ईश्वर का भाव रखते हैं।

नदियां, पहाड़, पत्थर और पेड़-पौधों में भी ईश्वर का वास माना जाता है।पौधों में नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने कि क्षमता होती है।इसलिए पौधों में देवी-देवताओं का वास माना जाता है तुलसी का पौधा भी ऐसा ही एक पौधा है जिसमें औषधीय और दैवीय दोनों गुण पाए जाते हैं।पुराणों में तुलसी को भगवान विष्णु की पत्नी कहा गया है।मान्यता है कि श्रीहरि ने छल से तुलसी का वरण किया था। इस मौके पर स्कूल के पीआरओ धर्मेंद्र ढाका ने भी तुलसी के पौधे के बारे में विस्तार से बताया कि हिंदू धर्म में तुलसी को विशेष महत्व दिया गया है। इसलिए हिंदू धर्म के लोग तुलसी को माता का रूप मानकर उसकी पूरे विधि-विधान से पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि जहां तुलसी फलती है, उस घर में रहने वालों को कोई संकट नहीं आते। स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद में तुलसी के अनेक गुण के बारे में बताया गया हैं। यह बात कम लोग जानते हैं कि तुलसी परिवार में आने वाले संकट के बारे में सुखकर पहले संकेत दे देती हैं। शास्त्रों में यह बात भली प्रकार से उल्लेख है कि अगर घर पर कोई संकट आने वाला है तो सबसे पहले उस घर से लक्ष्मी यानि तुलसी चली जाती है और वहां दरिद्रता का वास होने लगता है। तुलसी केवल एक पौधा ही नहीं है बल्कि धरा के लिए वरदान है। जिसके कारण इसे हिंदू धर्म में पूजनीय और औषधि तुल्य माना जाता हैं। तुलसी पूजन करने से न केवल चमत्कारिक लाभ मिलेगा बल्कि साथ ही लोगों को तुलसी से होने वाले लाभ का ज्ञान भी प्राप्त होता है।

भाजपा नेता रविंद्र छिल्कर ने कानोंदा गांव में किया 27 लाख के विकास कार्य का शुभारंभ

बहादुरगढ़। क्षेत्र का विकास करना व आमजन की सेवा करना ही हमारी पहली प्राथमिकता है। क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा विकास कार्य कराए जाए हमारी यही सोच रहती है। यह बात भाजपा नेता जिला पार्षद रविंद्र छिल्कर बराही ने हलके के गांव का कानोंदा में 27 लाख की लागत से गांव के खेल ग्राउंड पर बनने वाले हॉल के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए कही। इसके अलावा उन्होंने बैरागी वाली चौपाल पर डलने वाले शेड के कार्य का भी शुभारंभ किया। दोनों विकास कार्यों का शुभारंभ करने पहुंचे भाजपा नेता रविंद्र छिल्कर बराही का ग्राम सरपंच विकास व ग्राम वासियों ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया तथा विकास कार्य का शुभारंभ करने पर आभार जताया। विकास कार्यों का शुभारंभ करने के उपरांत भाजपा नेता रविंद्र छिल्कर ने कहा कि उनका सदैव यही प्रयास रहता है कि समाज हित ,सामूहिक व जनहित के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए ताकि उन कार्यों का आमजन को समान रूप से लाभ मिलता रहे। इस अवसर पर रविंद्र छिल्कर बराही ने कहा कि जनहित के कार्यों के लिए सदैव आमजन के साथ मौजूद रहेंगे। उन्होंने मौके पर मौजूद ग्राम सरपंच विकास व ग्रामवासियों से कहा कि गांव के विकास से संबंधित अगर किसी भी प्रकार की कोई जरूरत महसूस महसूस हो तो मुझे अवगत कराए ताकि उस कार्य को कराया जा सके। इस अवसर सरपंच विकास,छिक्कारा खाप के प्रधान राजीव उर्फ राजू ,बलजीत आर्य,सत्ते प्रधान, राजेश, पवन,राजकुमार सहित काफी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

बरवाला में पूर्व विधायक वेद नारंग के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मनाई जयंतीं

हिसार। पूर्व विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता वेद नारंग के नेतृत्व में वार्ड नंबर 9 बरवाला में स्थित कार्यालय में अनेक भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाई गई। इस जयंती पर पूर्व विधायक वेद नारंग समेत अनेक भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके उनके कार्यों को याद किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक वेद नारंग ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत में अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री बनने से पहले सीमा पर तैनात जवान शहीद होने पर उनके पार्थिव शरीर को उनके गांव नहीं भेजा जाता था।वाजपेई ने ही शहीदों का सम्मान करते हुए कहा था कि शहीदों का उनके गांव में राजकीय सम्मान के साथ दाह संस्कार किया जाना चाहिए। इसके अलावा अटल बिहारी वाजपेई ने किसानों के हितों में अनेक कार्य करवाए। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर राजू नारंग, सोनू चोपड़ा ,अनूप सैनी, विकास पाहवा, रमन मेहता , पार्षद राजा मेहता, मनोज रहेजा, नवीन काठपाल, विकास रतन महेंद्र सेतिया, सुरेंद्र मलिक व भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा आदि मौजूद रहे

महिला, किसान, युवा और दलित हितैषी है केंद्र सरकार- निर्मल बैरागी

करनाल। विकसित भारत संकल्प यात्रा आज 26 वें दिन जिला के गांव झींवरहेड़ी और फुरलक पहुंची। झींवरहेड़ी में हरियाणा पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम की अध्यक्ष निर्मल बैरागी और फुरलक में घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस मौके पर श्रीमती बैरागी ने भाजपा सरकार को महिला, किसान, दलित और युवा हितैषी बताते हुए केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी। फुरलक में श्री कल्याण ने कहा कि देश में सुशासन की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। सुशासन वही है जिसमें पात्रों को उनका अधिकार मिले और उसे कोई दूसरा न छीन सके।

झींवरहेड़ी में सरपंच सुषमा देवी ने श्रीमती निर्मल बैरागी और फुरलक में सरपंच जोगेंद्र जांगड़ा ने विधायक हरविंद्र कल्याण का स्वागत किया। सर्वप्रथम श्रीमती बैरागी और हरविंद्र कल्याण ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश सुनाया गया और हरियाणा के विकास पर बनी लघु फिल्म दिखाई गई। गायक बिजेंद्र नरवाल ने विकासात्मक गीत प्रस्तुत किये। झींवरहेड़ी में भाजपा नेता सोहनलाल गुप्ता और फुरलक में सुदर्शन जुनेजा ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। इससे पहले विधायक ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

विधायक हरविंद्र कल्याण ने इस अवसर पर कहा कि स्वशासन में जिसकी लाठी उसकी भैंस वाली कहावत चरितार्थ नहीं होती। सुशासन वही है जिसमें गरीबों, युवाओं, किसानों, दिव्यांगों, महिलाओं आदि को उनके अधिकार प्राप्त हों और उन्हें इन अधिकारों को कोई दूसरा न छीन सके। इसीलिए भाजपा ने सत्ता में आते ही व्यवस्था परिवर्तन का काम शुरु किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज से पहले भ्रष्टाचार और घोटालों के कारण विदेशों में भी भारत का सम्मान घटा था लेकिन श्री नरेंद्र मोदी ने करीब साढ़े 9 साल में हर स्तर पर देश के सम्मान को बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी के दिखाए रास्ते पर चलकर व्यवस्था को मजबूत किया है। हरियाणा में भी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन किया जिसका ह फायदा समाज के सभी वर्गों को मिलना शुरू हो गया है। आज किसानों, बुजुर्गों, गरीबों के खाते में योजनाओं की सीधी राशि पहुंच रही है। हरियाणा में युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां प्राप्त हो रही हैं। विधायक ने कहा कि एक समय था जब फुरलक गांव की मुख्य सडक़ अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही थी। उन्होंने इस सडक़ का दो बार विस्तारीकरण करवा कर कायापलट की। हलके में अनेक स्कूल, कालेज, अस्पताल, पुल आदि का निर्माण कराया गया है। बताया कि फुरलक में परिवार पहचान पत्र बनने के बाद 690 नये बीपीएल कार्ड बने हैं। भाजपा ने 9 साल में बुढ़ापा पेंशन में 2000 की वृद्धि की है जबकि कांग्रेस के 10 साल के शासन में यह केवल 500 रुपए ही बढ़ाई गई थी। उन्होंने किसानों के नाम पर राजनीति करने वालों से सावधान रहने को कहा। बताया कि करनाल में 20 साल पुरानी खस्ताहाल मिल को मुख्यमंत्री मनोहर ने ही नई बनाया। श्री कल्याण ने दयालु योजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

चार वर्गों पर केंद्र सरकार विशेष मेहरबान- गांव झींवरहेड़ी श्रीमती बैरागी ने कहा कि केंद्र सरकार चार वर्गों महिला, किसान, दलित और युवाओं पर विशेष रूप से मेहरबान है। इन वर्गों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान-भारत चिरायु योजना के तहत हरियाणा में 42 लाख कार्ड बनाए गए हैं। जहां उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं वहीं घर-घर शौचालयों का निर्माण कराया गया है। जन धन खाता खुलने से योजनाओं का सीधा लाभ अब पात्र लोगों को मिल रहा है। श्रीमती बैरागी ने कहा कि कोरोना काल के समय देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया गया। समय पर वैक्सीन उपलब्ध करवा कर करोड़ों लोगों की जान बचाई गई। इतना ही नहीं कोरोना रोधी वैक्सीन विदेश में भी भेजी गई। राज्य सरकार को महिला हितैषी बताते हुए कहा कि पंचायत में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। निरोगी योजना के तहत 2 साल में एक बार स्वास्थ्य की जांच निशुल्क कराई जा सकती है। सरकार ने लड़कियों के लिए 32 नई कालेज खोले हैं। स्नातक स्तर तक बेटियों की मुफ्त शिक्षा का प्रावधान किया है।

यूरोप मार्केट में लॉन्च हुई अप्रिलिया आरएस 457

नई दिल्ली। अप्रिलिया ने इस महीने की शुरुआत में भारत में आरएस 457 लॉन्च किया था। अब इसे कंपनी ने यूरोपीय मार्केट में पेश कर दिया है। सामने आए स्पॉई शॉट्स के अनुसार इस फुली-फेयर्ड स्पोर्ट्स बाइक को जल्द ही एक नेक्ड एडिशन में पेश किया जा सकता है। यह आरएस 457 या नियो-रेट्रो मोटरसाइकिल पर आधारित स्ट्रीटफाइटर का प्रारंभिक प्रोटोटाइप हो सकता है। इसमें एक गोल हेडलैंप, एक कॉम्पैक्ट फ्यूल टैंक, एक स्टेप्ड सीट और एक संकीर्ण टेल सेक्शन है। ट्विन-सिलेंडर इंजन आरएस 457 के समान दिखता है। यह इंजन लिक्विड-कूल्ड यूनिट 47.6 BHP और 43.5 हरूदेता है। इसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। नए मॉडल को लेकर डिटेल्स सामने नही आई हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि अप्रिलिया 457 प्लेटफॉर्म पर आधारित मॉडलों की एक पूरी श्रृंखला विकसित कर रही है।

मीडिया और एंटरटेनमेंट की दुनिया में तहलका मचाने की तैयारी में मुकेश अंबानी

मुंबई। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी टेलीकॉम के बाद अब मीडिया और एंटरटेनमेंट की दुनिया में तहलका मचाने की तैयारी में हैं। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एंटरटेनमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी वॉल्ट डिज्नी के साथ एक नॉन-बाइंडिंग डील की है। सूत्रों के मुताबिक दोनों कंपनियों के बीच पिछले हफ्ते लंदन में यह डील हुई। दोनों कंपनियों की प्लान देश की सबसे बड़ी मीडिया और एंटरटेनमेंट बिजनेस बनाना है। यह मर्जर स्टॉक और कैश में होगा और इसमें रिलायंस की 51 फीसदी और डिज्नी की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इस डील के फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। हालांकि रिलायंस इसे जनवरी के अंत तक पूरा करना चाहती है। सूत्रों के मुताबिक लंदन में हुई बैठक में केविन मेयर और मुकेश अंबानी की करीबी मनोज मोदी मौजूद थे। मेयर डिज्नी में काम कर चुके हैं और जुलाई में कंपनी के सीईओ बॉब इग्नर उन्हें एडवाइजर के रूप में वापस लाए थे। जानकारों के मुताबिक डील पर साइन होने के बाद बाकी प्रोसेस पर काम शुरू होगा। इसमें वैल्यूएशन भी शामिल है। स्टार इंडिया के भारत में 77 चैनल और वायकॉम18 के 38 चैनल हैं। कुल मिलाकर दोनों के 115 चैनल हैं। साथ ही इसमें दो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार और जियो सिनेमा शामिल हैं। फाइनेंशियल ईयर 2023 में डिज्नी स्टार का नेट प्रॉफिट 1,272 करोड़ रुपए रहा जबकि डिज्नी प्लस हॉटस्टार को 748 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। वायकॉम 18 का नेट प्रॉफिट 11 करोड़ रुपए रहा। इस डील में 45 से 60 दिन के एक्सक्लूसिविटी पीरियड हो सकता है जिसे आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। इस डील के लिए दोनों कंपनियों के बीच कई महीनों से बातचीत चल रही है।

छह प्रमुख शहरों में कार्यस्थलों की मांग अक्टूबर-दिसंबर में 92फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। कंपनियों और सह-कार्यस्थल परिचालकों की तरफ से मांग बढ़ने से छह प्रमुख शहरों में अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में कार्यस्थलों की मांग 92 प्रतिशत तक बढ़ गई। संपत्ति सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में कार्यस्थल का सकल पट्टा 2.02 करोड़ वर्ग फुट रहा, जो पिछले साल समान अवधि में 1.05 करोड़ वर्ग फुट था। दिसंबर तिमाही में भारी मांग आने से 2023 की समूची अवधि में कुल कार्यस्थल पट्टा 16 प्रतिशत बढ़कर 5.82 करोड़ वर्ग फुट हो गया। पिछले साल यह 5.03 करोड़ वर्ग फुट था। सकल पट्टा आंकड़े में पट्टा नवीनीकरण, पुरानी प्रतिबद्धताओं और सिर्फ आशय पत्र वाले सौदों को शामिल नहीं किया गया है। कोलियर्स देश के छह शहरों- बेंगलुरु, चेन्नई, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर)-दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई और पुणे में कार्यस्थल की मांग एवं आपूर्ति पर नजर रखती है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में कार्यस्थल मांग दिसंबर तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़कर 31 लाख वर्ग फुट हो गई है, जो पिछले साल समान अवधि में 19 लाख वर्ग फुट थी। बेंगलुरु में किराये पर लिए गए कार्यस्थल का आंकड़ा अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 58 प्रतिशत वृद्धि के साथ 55 लाख वर्ग फुट हो गया जो 2022 की समान तिमाही में 35 लाख वर्ग फुट था। चेन्नई में दिसंबर तिमाही में कार्यस्थल मांग चार गुना से ज्यादा बढ़कर 43 लाख वर्ग फुट हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 10 लाख वर्ग फुट थी।

अडानी ग्रीन ने 8 हजार मेगावाट मैन्युफैक्चरिंग-लिंक्ड एसईसीआई टेंडर के लिए पूरा किया पीपीए समझौता

अहमदाबाद। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की अग्रणी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों में से एक अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने 1,799 मेगावाट सोलर पावर की आपूर्ति के लिए सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के निष्पादन की घोषणा की है। इस शेष पीपीए पर हस्ताक्षर करने के साथ एजीईएल ने जून 2020 में एसईसीआई द्वारा दिए गए पूरे 8,000 मेगावाट के मैन्युफैक्चरिंग-लिंक्ड सोलर टेंडर के लिए पावर ऑफटेक टाईअप पूरा कर लिया है, जिसने दुनिया का सबसे बड़ा सोलर टेंडर होने का रिकॉर्ड बनाया है। एजीईएल ने एसईसीआई मैन्युफैक्चरिंग-लिंक्ड सोलर पीवी टेंडर की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाया है, जिसमें 2 गीगावॉट एजीईएलसेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग सुविधाएं स्थापित करना शामिल है। एजीईएल ने पहले ही अपनी सहयोगी कंपनी मुंद्रा सोलर एनर्जी लिमिटेड (एमएसईएल) के माध्यम से 2 गीगावॉट प्रति वर्ष की क्षमता वाला एक सोलर पीवी सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट चालू कर दिया है। यह प्लांट गुजरात के मुंद्रा में है। एजीईएल के पास अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडानी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग फोर लिमिटेड के माध्यम से एमएसईएल के 26त्न शेयर हैं। अडानी ग्रीन ने 19.8 गीगावॉट के पीपीए का समझौता किया है और बाकी 20.6 गीगावॉट लॉक-इन पोर्टफोलियो में मर्चेंट क्षमता है। देश के संसाधन समृद्ध क्षेत्रों में पहले से ही 2 लाख एकड़ से अधिक भूमि अनुबंधित हुई है जबकि 2030 तक 45 गीगावॉट क्षमता के निष्पादन के लिए पोर्टफोलियो पूरी तरह से रिस्क फ्री है। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के सीईओ अमित सिंह ने कहा, 'अडानी ग्रीन न केवल भारत के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को सक्षम करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण में भी योगदान दे रहा है। 2030 तक भारत के 500 गीगावॉट नॉन फॉसिल फ्यूल क्षमता के लक्ष्य के अनुरूप, अडानी ग्रीन 45 गीगावॉट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो हमारे वर्तमान ऑपरेटिंग पोर्टफोलियो से पांच गुना अधिक है। यह सस्ती और सुलभ स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।'

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। साल के आखिरी हफ्ते में ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.11 फीसदी लुढ़कर 78.98 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 73.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

स्मॉल-मिडकैप में 41 फीसदी से ज्यादा रिटर्न, सेंसेक्स ने निवेशकों को दिया 17फीसदी का फायदा

मुंबई। इस साल स्मॉल और मिडकैप शेयरों का दबदबा रहा है। दोनों ने 41 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इस दौरान सेंसेक्स ने निवेशकों को सिर्फ 16.87 फीसदी का फायदा दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, 22 दिसंबर तक बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 45.20 फीसदी और मिडकैप इंडेक्स 41.74 फीसदी बढ़ा है। 20 दिसंबर को स्मॉलकैप इंडेक्स रिकॉर्ड उच्च स्तर 42,648.86 पर पहुंच गया था। मिडकैप इंडेक्स ने भी 36,483.16 का रिकॉर्ड बनाया था। बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने भी 71,913 का सार्वकालिक उच्च स्तर बनाया।

मिडकैपः 2021 में 39 फीसदी और 2022 में 1.80 फीसदी बढ़ा था।

स्मॉलकैपः 2021 में 63 फीसदी और 2022 में 1.37 फीसदी मुनाफा दिया था।

सेंसेक्सः 2021 में 22 फीसदी और 2022 में 4.44 फीसदी रिटर्न दिया था।

जानकारों का मानना है कि स्मॉलकैप में निकट समय में गिरावट आ सकती है। 28 मार्च को स्मॉलकैप ने 26,120 व मिडकैप ने 23,356 के साथ साल का निचला स्तर बनाया था। 20 मार्च को सेंसेक्स ने 57,085 का निचला स्तर बनाया था। इस साल विदेशी निवेशकों ने बाजार में 1.62 लाख करोड़ का निवेश किया है।

वायुसेना के पूर्व स्क्वाड्रन लीडर अवैध संपत्ति अर्जित करने के मामले में दोषी, कोर्ट ने ये कहा

नई दिल्ली। सीबीआई की एक विशेष अदालत ने वायुसेना के एक पूर्व स्क्वाड्रन लीडर को फंड्स के दुरुपयोग और आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी ठहराया है। उनपर कथित तौर एक पूर्व कांग्रेस सांसद की लैंड डील में मदद करने का आरोप हैं। पूर्व स्क्वाड्रन लीडर पर आरोप है कि उन्होंने ऐसा कर 40.36 लाख रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे स्क्वाड्रन लीडर पोलू श्रीधर को अदालत ने कोई राहत नहीं दी और उन्हें ऐसी संपत्ति अर्जित करने का दोषी ठहराया जिसका संतोषजनक हिसाब नहीं दिया जा सका। उन्होंने बताया कि विशेष अदालत अगले साल दो जनवरी से सजा पर दलीलें सुनना शुरू करेगी। सीबीआई ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि एक जनवरी 2007 से 31 दिसंबर 2010 के बीच एक्सिस बैंक में उनके तीन खातों में 11.9 करोड़ रुपये जमा किए गए। यह पैसा कथित तौर पर कांग्रेस के पूर्व सांसद बालाशोवरी वल्लभनेनी का था और इसे 12.5 करोड़ रुपये के भूमि सौदे के लिए खर्च किया जाना था। सीबीआई ने 27 सितंबर, 2016 को श्रीधर, बालाशोवरी और बैंक मैनेजर मनीष सक्सेना के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने छह साल बाद 24 नवंबर, 2022 को श्रीधर के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया क्योंकि उसे वल्लभनेनी और सक्सेना के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं मिले।

एजेंसी ने अपने आरोपपत्र में अवैध संपत्ति की मात्रा 11.9 करोड़ रुपये से घटाकर 40 लाख रुपये कर दी क्योंकि उसने पाया कि पूर्व सांसद ने श्रीधर के खातों का इस्तेमाल करते हुए अपने पैसे से जमीन खरीदी थी। सुनवाई के दौरान श्रीधर ने दावा किया कि सीबीआई ने शेयर ट्रेडिंग, म्यूचुअल फंड और भूमि सौदों से अर्जित कमीशन से उनकी कमाई पर विचार नहीं किया। शेष न्यायाधीश अश्विनी कुमार ने कहा कि श्रीधर यह नहीं दिखा सके कि धन शेयर कारोबार या भूमि सौदों के माध्यम से अर्जित किया गया था, जैसा कि उन्होंने दावा किया था, साथ ही उन्होंने अपने कार्यालय या आयकर विभाग को बेहिसाब धन के बारे में सूचित नहीं किया था।

'भारत में गिरफ्तार वीवो कर्मचारियों को देंगे हरसंभव मदद', चीनी विदेश मंत्रालय ने दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। चीन ने कहा कि वह भारत में वीवो के लिए काम करने वाले गिरफ्तार कर्मचारियों को राजनयिक सुरक्षा और सहायता प्रदान करेगा। उसने चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए हर संभव मदद की प्रतिबद्धता जतायी। वीवो चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्मार्टफोन निर्माता और कुछ अन्य के खिलाफ धनशोधन की जांच के सिलसिले में पिछले हफ्ते वीवो-इंडिया के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। इन गिरफ्तारियों पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि

चीन इस मुद्दे पर करीब से नजर रख रहा है।

उन्होंने कहा, 'भारत में चीनी दूतावास और वाणिज्य दूतावास कानून के अनुसार संबंधित व्यक्तियों को सुरक्षा और सहायता प्रदान किया जाएगा।' माओ निंग ने कहा,चीन सरकार चीनी कंपनियों के उनके वैध अधिकारों और हितों की रक्षा का दृढ़ता से समर्थन करती है। हमें उम्मीद है कि भारत द्विपक्षीय रूप से फायदेमंद दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग को समझेगा और निष्पक्ष, न्यायसंगत, पारदर्शी तथा गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार परिवेश प्रदान करेगा।

वीवो-इंडिया के अंतरिम मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) होंग जुक्रान उर्फ टेरी, मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) हरिंदर दहिया और सलाहकार हेमंत मुंजाल को मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है।

जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें मोबाइल कंपनी लावा इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक हरिओम राय, चीनी नागरिक गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू कुआंग और चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन गर्ग तथा राजन मलिक शामिल थे। वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

पेटीएम ने 1000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, लागत में 15फीसदी तक की कटौती के लिए उठाया गया कदम

नई दिल्ली। पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने परिचालन को अनुकूल बनाने और कर्मचारियों की लागत को 15 प्रतिशत तक कम करने के लिए छंटनी का फैसला किया है। कपनीं ने अपने सैकड़ों कर्मचारियों कोबाहर कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार पेटीएम के विभिन्न विभागों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। बीते कुछ महीनों के दौरान हुई छंटनी के तहत भुगतान, उधार, संचालन और बिक्री जैसे डिवीजन प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीब कंपनी के कुल कार्यबल का करीब दस प्रतिशत छंटनी की चपेट में आया है।

हालांकि पेटीएम के एक प्रवक्ता ने नौकरियों में कटौती की संख्या से असहमति जताई, लेकिन उन्होंने पुष्टि की है कि बदलाव किए जा रहे हैं। सूत्र ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में कर्मचारियों की लागत में 10-15 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य है। अपने कार्यबल पर प्रभाव को कम करने के लिए, पेटीएम कुछ भूमिकाओं को बदलने के लिए एआई के इस्तेमाल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। यह पहल उन विभागों में की जाएगी जो छंटनी से विशेष रूप से प्रभावित होंगे।

विनिवेशः 40,951 करोड़ पीछे, लक्ष्य लगातार पांचवीं बार पूरा होने की संभावना नहीं, मंजूरी के बाद भी मामला अटका

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले आम चुनावों से पहले सरकार ने निजीकरण की कार्रवाई लगभग रोक दी है। अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है। कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है। इसके परिणामस्वरूप सरकार लगातार पांचवीं बार भी विनिवेश लक्ष्य से चूक सकती है।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिए 51,000 करोड़ रुपये का विनिवेश लक्ष्य रखा है। लेकिन, अब तक करीब 20 फीसदी यानी 10,049 करोड़ रुपये ही आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर जुटाए गए हैं।

इसका मतलब है कि सरकार चालू वित्त वर्ष में भी अपने विनिवेश लक्ष्य से 40,951 करोड़ रुपये पीछे है।

इन संपत्तियों की विभाजन प्रक्रिया में देरी

एससीआई, एनएमडीसी स्टील लि., बीईएमएल, एचएलएल लाइफकेयर व आईडीबीआई बैंक सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) की रणनीतिक बिक्री चालू वित्त वर्ष में पूरी होने वाली है। हालांकि, अधिकांश सीपीएसई के संबंध में मुख्य एवं गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की विभाजन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है। वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने में देरी हुई है। कुल करीब 11 लेनदेन हैं, जो वर्तमान में निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग में लंबित हैं।

मंजूरी के बाद भी मामला अटका

राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल), कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) और एआई एसेट होल्डिंग लि. (एआईएएचएल) की सहयोगी कंपनियों में हिस्सा बेचने की सैद्धांतिक मंजूरी आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) से पहले ही मिल चुकी है। इसके बावजूद निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित नहीं किया है।

चुनाव बाद ही इन कंपनियों का निजीकरण

भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल), शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) और कॉनकॉर जैसी बड़ी निजीकरण योजनाएं पहले से ही ठंडे बस्ते में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सार्थक निजीकरण अप्रैल/मई के आम चुनाव के बाद ही हो सकता है। रणनीतिक विनिवेश निर्णय राजनीतिक आवश्यकताओं से संचालित हो रहे हैं। चुनाव नजदीक होने के कारण रणनीतिक बिक्री के मामले में कोई हलचल की उम्मीद नहीं है।

भारत में गूगल समेत छह टेक कंपनियां नहीं देंगी नौकरियां, वैश्विक आर्थिक मंदी से बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरी तलाश रहे लोगों को नए साल पर झटका लग सकता है। गूगल, फेसबुक, अमेजन और एपल सहित दुनिया की छह दिग्गज टेक कंपनियां भारत में नई नियुक्तियों पर रोक लगाने की योजना बना रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक (मेटा प्लेटफॉर्म), अमेजन, एपल, माइक्रोसॉफ्ट, नेटफ्लिक्स व गूगल की ओर से नौकरियों की पोस्टिंग में भारी गिरावट आई है। 2022 से तुलना करें तो इस साल इन कंपनियों की ओर से भारत में नौकरी देने के मामले में 90 फीसदी गिरावट आई है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ये कंपनियां भारत में नई भर्तियों पर रोक लगा सकती हैं। वर्तमान में कंपनियों की सक्रिय नियुक्तियां 98 फीसदी कम होकर सार्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टेक

कंपनियां वैश्विक आर्थिक मंदी से सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं, क्योंकि उनकी अधिकांश कमाई अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर निर्भर होती है।

78 फीसदी घट गई नौकरियों की मांग

वर्तमान वैश्विक आर्थिक स्थिति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अपनाने में तेजी से गूगल, नेटफ्लिक्स और मेटा जैसी कंपनियों में नौकरियों की मांग खासकर भारत में 2023 के दौरान 78 फीसदी कम हो गई है। यही स्थिति अगली दो तिमाहियों तक जारी रह सकती है।

भारतीय स्टार्टअप ने 28,000 को निकाला

इस पूरे साल में भारतीय स्टार्टअप कंपनियों की भी हालत बहुत बुरी रही है। इन कंपनियों ने 28,000 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाला है। साथ ही, नई?भर्तियां भी नहीं कीं।

गूगल ने पिछले साल निकाल दिए थे 12,000 कर्मचारी-आर्थिक मंदी के कारण गूगल ने पिछले साल अब तक की सबसे बड़ी छंटनी की थी। कंपनी ने उस समय 12,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था।

दुनियाभर में हो सकती हैं सिर्फ 30,000 भर्तियां

बड़ी टेक कंपनियों के पास वर्तमान में वैश्विक स्तर पर सिर्फ 30,000 नौकरियां हैं। इससे नियुक्ति में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच, भारत में वर्तमान में 1.50 लाख से भी कम लोग टेक कंपनियों में काम कर रहे हैं।

अब नाइकी में होगी छंटनी, रिपोर्ट्स में दावा- सैकड़ों कर्मचारी किए जाएंगे बाहर

नई दिल्ली। 2023 में छंटनी की लहर से कोई भी सेक्टर अछूता नहीं रहा। फिर कंपनी चाहे प्रौद्योगिकी हो, खुदरा हो या फैशन का कारोबार करने वाली हो सभी इसकी चपेट में आ गए। अब, प्रमुख परिधान ब्रांड नाइकी ने घोषणा की है कि वह नया साल शुरू होने से पहले सैकड़ों नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रहा है।द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, नाइकी सैकड़ों नौकरियों में कटौती कर 2 बिलियन डॉलर बचाते हुए ऑटोमेशन की योजना पर काम कर रहा है। पिछले एक साल में खराब बिक्री के कारण कंपनी ने विभिन्न विभागों की लागत में कटौती का फैसला किया है। एक बयान में, अमेरिका स्थित खेल परिधान फर्म ने कहा कि उन्होंने इस संगठन को सुव्यवस्थित का निर्णय लिया है और पुनर्गठन के कारण छंटनी पर 450 मिलियन डॉलर खर्च करेगा। नाइकी में अभी तक 2023 में बिक्री में कोई बड़ी वृद्धि नहीं दिखी है। कंपनी की पिछले तीन महीनों में बिक्री में केवल 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का मुनाफा मार्जिन जरूर बढ़ा लेकिन वह अपने खुदरा भविष्य को लेकर अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि बिक्री में गिरावट जारी है। बीते कुछ समय में नाइकी में ना केवल बिक्री स्थिर है बल्कि घंटों के कारोबार के बाद कंपनी के शेयरों की कीमतें 10 प्रतिशत तक गिर गई है। नाइकी अकेली खेल परिधान कंपनी नहीं है, जिसके शेयर की कीमतों में गिरावट आई है, जेडी स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स डायरेक्ट जैसी अन्य फर्मों को भी शेयर बाजार में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक लॉकडाउन के दौरान लागत में कटौती की कोशिश करते हुए कोविड महामारी के बीच कंपनी ने 2020 में 700 कर्मचारियों को निकाला था। उसके बाद अब कंपनी दूसरी सबसे बड़ी छंटनी कर रही है।

सर्दियों में करना चाहते हैं विटामिन-डी की कमी दूर, तो ये 5 ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं मददगार

विटामिन-डी हमारे शरीर के लिए काफी आवश्यक पोषक तत्व है जिसकी कमी की वजह से कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि शरीर में इसकी कमी न हो। सुरज की रोशनी के अलावा कई ड्राई फ्रूट्स भी इसकी कमी को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। जानें किन ड्राई फ्रूट्स को खाने से विटामिन-डी की कमी को पूरा किया जा सकता है।

हमारी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए विटामिन-डी काफी आवश्यक होता है। शरीर में इसकी कमी होने की वजह से, कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ये परेशानियां शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक भी हो सकती हैं। विटामिन-डी हमारे शरीर में कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन में मदद करता है, जिस कारण से हड्डियों के बनने और उन्हें मजबूत रखने में मदद मिलती है। यह हमारी डिप्रेशन, सीजनल अफेक्टिव डिस्ऑर्डर जैसी मानसिक समस्याओं से बचाव में भी मददगार होता है। विटामिन-डी इतना ही नहीं, बल्कि इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में भी हमारी सहायता करता है। इसलिए शरीर में इसकी भरपूर मात्रा उपलब्ध होना बेहद जरूरी है।

आमतौर पर, विटामिन-डी हमें सूरज की रोशनी से मिलता है। जब हमारी त्वचा सूरज की रोशनी में एक्सपोज होती है, तब हमारी त्वचा विटामिन-डी बनाती है। विटामिन-डी का मुख्य स्त्रोत सूरज की रोशनी ही है, लेकिन कई फूड आइटम्स भी हैं, जिन्हें खाने से विटामिन-डी की कमी को दूर किया जा सकता है। इन फूड आइटम्स में नट्स यानी ड्राई फ्रूट्स सबसे अधिक असरदार हो सकते हैं। विटामिन-डी की कमी को दूर करने के लिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए लाभदायक हो सकता है। इनमें विटामिन-डी के अलावा, और भी कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं कि किन ड्राई फ्रूट्स को खाने से विटामिन-डी की कमी को दूर किया जा सकता है।

प्रून्स (Prunes)

प्रून्स विटामिन-डी की कमी को दूर करने के अलावा और भी कई हेल्थ से जुड़े फायदे दे सकता है। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिस वजह से यह पाचन के लिए काफी लाभदायक होता है। साथ ही, यह कब्ज से राहत दिलाने और ओवर इटिंग की समस्या को भी कम करने में मदद करता है।

बादाम (Almonds)

बादाम विटामिन-डी के साथ-साथ विटामिन-ई की कमी दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। इसके अलावा, ये कोलेस्ट्रोल कम करने और ब्लड शुगर लेवल को रेगुलेट करने में भी आपकी मदद कर सकता है।

काजू (Cashew)

काजू में विटामिन-डी काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें हेल्दी फैट्स और फाइबर पाए जाते हैं, जो इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद बनाता है। यह वजन कम करने, ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने और दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

किशमिश (Raisins)

किशमिश में विटामिन-डी के अलावा, भरपूर मात्रा में पोटेशियम और आयरन भी पाए जाते हैं। इस कारण से, किशमिश को सेहत के लिए गुणकारी माना जाता है। इसे खाने से एनिमिया और कब्ज से छुटकारा मिल सकता है।

अंजीर (Figs)

अंजीर में विटामिन-डी के साथ ही और भी कई जरूरी विटामिन पाए जाते हैं। सूखे हुए अंजीर, ताजा अंजीर की तुलना में अधिक पौष्टिक होते हैं। कैल्शियम और फॉस्फोरस मौजूद होने की वजह से यह आपकी हड्डियों के लिए काफी जरूरी है। यह हड्डियों के साथ-साथ मेंसुरल हेल्थ और पाचन के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

क्या पुनर्गठन कांग्रेस में उत्साह लाएगा

कांग्रेस जनता की है। और अगर यह जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर पाएगी तो जनता फिर दूसरी कांग्रेस बना देगी। समय बदल रहा है। कांग्रेस नहीं समझ रही। 2012 से बिल्कुल नहीं। भाजपा समझ गई थी। उसने उसी समय नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करके तैयारियां शुरू कर दी थीं। मगर कांग्रेस तब से अब तक सचेत नहीं हुई है।

अब कोई कहता है या नहीं, हमें पता नहीं। मगर कुछ साल पहले तक 2014 हरवाने के समय तक कांग्रेस के एक नेता, बड़े पदाधिकारी कहते थे कि हमारी पार्टी है हम जो चाहें करें! हम हमेशा कहते थे नहीं ऐसा नहीं है। कांग्रेस किसी की पार्टी नहीं हो सकती। वह भारत की करोड़ों करोड़ जनता की इच्छाओं की आकांक्षाओं की पार्टी है। आजादी के आंदोलन से उपजी। देश के नवनिर्माण के सपनों की पार्टी। वह केवल आपकी या कांग्रेस के नेताओं की पार्टी नहीं हो सकती। इसके जितने कार्यकर्ता हैं देश भर में उससे कई गुना ज्यादा इसके सिम्पेथाइजर (शुभचिंतक, हमदर्द) हैं। जिनकी सद्इच्छाओं से ही यह चल रही है।अब जैसा कि हमने कहा कोई कहता है या नहीं हमें पता नहीं मगर किया वैसा ही जा रहा है। सवा साल बाद कांग्रेस के नए अध्यक्ष जो जाहिर है, अब पुराने भी हो गए, की नई टीम, जो भी जाहिर है नए के नाम पर कुछ नहीं की घोषणा पार्टी में कोई उत्साह नहीं फूंकती है। मेरी मर्जी जैसा पुनर्गठन है। और मर्जी किसकी, यह भी आज तक किसी की समझ में नहीं आया है। कांग्रेस में कौन फैसले लेता है यह इन्दिरा गांधी के बाद से किसी को नहीं मालूम।

कहा जाता है कि राहुल, प्रियंका फैसले लेते हैं। लेकिन अगर प्रियंका फैसला लेती हैं तो फिर खुद को वेटिंग फार पोस्टिंग (पदस्थापना की प्रतीक्षा) क्यों रखतीं? यही कांग्रेस का रहस्य जाल है।

प्रियंका राहुल से पहले से राजनीति में सक्रिय हैं। राजीव गांधी के साथ टीन एज (किशोरावस्था) से अमेठी जाने लगी थीं। बॉब कट बाल थे। लंबी, दुबली पतली सब भैया जी कहने लगे। आज तक अमेठी रायबरेली के लोग भैया जी ही कहते हैं। 2004 में राहुल को लेकर वही अमेठी गई थीं। परिचय कराया था कि मेरे बड़े भाई हैं। अमेठी से चुनाव लड़ेंगे।अमेठी रायबरेली का काम देखती रहीं। हमसे बातचीतमें कहा था बच्चे छोटे हैं। बड़े हो जाएं मैं राजनीति में आऊंगी। आईं। देर से आईं। 2019 में और बड़े खराब हो चुके प्रदेश से शुरूआत हुई। या करवाई गई। यह ऐसा ही था जैसे आस्ट्रेलिया की पिच पर नए बैट्समेन का डेब्यू (पहला मैच) करवा दें।यूपी दिया भी तो आधा। अपनी सबसे संभावनाशील नेता के चार साल कांग्रेस ने बंजर जमीन में बरबाद कर दिए। यूपी को पिछले तीन दशक में केवल एक ही नेता ने फिर कांग्रेसमय किया था। वे थे दिग्विजय सिंह। 2019 के लोकसभा चुनाव में 22 सीटें जितवा कर लाए थे। दिग्विजय सिंह और प्रियंका गांधी कांग्रेस के ऐसे नेता हैं जो कभी पीछे नहीं हटते। लड़ते हैं। हिमाचल याद कीजिए। राहुल की यात्रा चल रही थी। गोदी मीडिया ने खबरें चलाना शुरू कर दीं कि प्रियंका नाराज हैं। यात्रा में नहीं जा रहीं। हमने बात की। प्रियंका के यहां से स्पष्ट किया गया कि चुनाव खत्म होने तक हिमाचल प्रदेश नहीं छोड़ेंगी। और फिर जिता कर ही यात्रा में शामिल हुईं।ऐसे ही मध्यप्रदेश में दिग्विजय ने जिस तरह कमलनाथ द्वारा अपमान किए जाने के बाद भी चुपचाप काम किया वैसा भी कोई नहीं कर सकता। ज्योतिरादित्य सिंधिया तो इतनी बात पर पार्टी छोड़ कर चले गए थे। कमलनाथ ने केवल दिग्विजय के लिए ही नहीं बोला उनके बेटे जिनका किसी से कोई विवाद ही नहीं है। बहुत शालीन स्वभाव के, सब बड़ों को सम्मान देने वाले जयवर्धन सिंह के लिए भी कह दिया कि जाओ उनके कपड़े फाड़ो।

खैर तो कांग्रेस के इस फेरबदल में जिन दो नेताओं को फिलहाल कुछ भी जिम्मेदारी नहीं दी गई है। वे दोनों प्रियंका और दिग्विजय बहुत सामर्थ्यवान नेता हैं। और जिन बहुत सारे लोगों को दी गई है वे कई बार के आजमाए हुए सिर्फ गणेश परिक्रमा करने वाले नेता हैं।राहुल गांधी ने एक बड़ा प्रयोग किया था। परिवार के बाहर के आदमी को अध्यक्ष बनाने का। लेकिन सिर्फ किसी को अध्यक्ष बनाना तो उद्देश्य नहीं हो सकता। मुख्य बात तो पार्टी को वापस सत्त् ाा में लाना ही है। अब 2024 के चुनाव में समय ही कितना है! जो यह नई टीम के नाम पर लाए हैं यह क्या कुछ कर सकते हैं?यूपी जिसमें सबसे ज्यादा काम की जरूरत है वहां इंचार्ज अविनाश पांडे को बनाया गया है। अविनाश बहुत सारे राज्यों के इंचार्ज रह चुके हैं। शायद मुकुल वासनिक के बाद वे नंबर दो पर होंगे जो इतने अधिक राज्यों में भेजे जा चुके हैं। मगर क्या कांग्रेस के नेतृत्व ने कभी किसी राज्य के प्रदेश अध्यक्ष और दस दूसरे प्रमुख नेताओं से पूछा कि राज्य में इनके काम करने से कुछ फायदा मिला या नहीं? इंचार्ज की भूमिका कांग्रेस में बहुत मशीनी (मोनोटोमस) हो गई है। अब मध्य प्रदेश या छत्तीसगढ़ में कोई इन्चार्ज क्या दस वोट भी बढ़ा सकता है? हां विधानसभा चुनाव से पहले दोनों जगह अनुभवी गंभीर इंचार्ज की जरूरत थी। अब लोकसभा में इन जैसे साफ भाजपा कांग्रेस में बंटे राज्यों में इंचार्ज को कुछ खास करने को नहीं है।

मगर यह दिलचस्प है कि इस फेरबदल की लिस्ट में काम ही बस राज्यों के इन्चार्ज बनाने का हुआ है। जरूरत है प्रदेश अध्यक्षों से काम लेने की। इन्चार्ज का काम तो बस इतना है कि जब तक अध्यक्ष बिना गुटबाजी के काम कर रहा है उसका समर्थन करना और गुटबाजी दिखते ही हाईकमान को सूचित करना। अभी तीनों राज्य कांग्रेस खुद अपने कारणों से हारी है। जीती हुई हारी है। कोई प्रदेश अध्यक्ष, इन्चार्ज इतना दमदार नहीं था और दो राज्यों में तो मुख्यमंत्री भी थे कि हाथ से निकली जा रही जीत को पकड़ सकते।लगता है अब पूरी उम्मीद इंडिया गठबंधन से ही है। कांग्रेस फिलहाल खुद को समेट कर रखने में लगी है। मगर यह भूल गई है कि जिन राज्यों में उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है वहां तो उसे काम करने वाली टीम चाहिए ही। और जब कांग्रेस मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड में लड़ती दिखेगी तब ही दूसरे राज्यों में जहां वह अपने विपक्षी सहयोगियों के बीच दूसरे और तीसरे नंबर की पार्टी है वहां उचित महत्व पाएगी।प्रधानमंत्री मोदी माहौल के साथ लड़ते हैं। वे खुद बनाते हैं और मीडिया उसे आगे बढ़ाता है। कांग्रेस माहौल का मतलब समझती ही नहीं है। इतनी देर से यह लिस्ट निकली मगर चुपचाप पत्रकारों को व्हाट्सएप पर भेज दी। छोटी-छोटी बातों पर तो रोज प्रेस कान्फ्रेंस करती है। मगर जो अनाउसमेंट हमेशा प्रेस कान्फ्रेंस में एक-एक नाम सुनाकर होता था उसे शाम सात के बाद वैसे ही निकाल दिया।

मीडिया कितना ही होस्टाइल (कांग्रेस विरोधी) सही। मगर एक बार तो इसे जोरदार तरीके से चलाता। हर पार्टी बताती है कि इससे यह हो जाएगा, वह हो जाएगा यह समीकरण है वह कहानी है। मगर यहां तो ऐसे अचानक खबर जैसे कोई शोक समाचार हो।जैसा कि हमने शुरू किया था कांग्रेस जनता की है। और अगर यह जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर पाएगी तो जनता फिर दूसरी कांग्रेस बना देगी। समय बदल रहा है। कांग्रेस नहीं समझ रही। 2012 से बिल्कुल नहीं। भाजपा समझ गई थी। उसने उसी समय नरेन्द्र मोदी को अपना प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करके तैयारियां शुरू कर दी थीं। मगर कांग्रेस तब से अब तक सचेत नहीं हुई है। कई स्तरों पर काम करने की जरूरत है। और एक स्पष्ट नेतृत्व के तहत। यहां रहस्यवाद बहुत महंगा पड़ा है। सबको मालूम होना चाहिए कि निर्णय कोई तीन या चार लोग मिलकर लेते हैं।

संपादकीय

पहलवानों को न्याय की उम्मीद

भारत सरकार के खेल मंत्रालय ने रविवार सुबह एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए नवनिर्वाचित कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया है। बीते गुरुवार को ही संघ के चुनाव हुए थे, जिसमें संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया था। इन्हीं चुनावों में मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव उपाध्यक्ष पद का चुनाव हार गए थे। बहरहाल, अब संघ के निलंबन के साथ ही हार-जीत की ये बातें भी खारिज हो गई हैं। खेल मंत्रालय का अगला आदेश कौन सा होता है। इसमें निलंबन को लेकर मंत्रालय क्या फैसला लेता है।या नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे। क्या अब सीधे लोकसभा चुनावों के बाद ही कुश्ती महासंघ में चुनाव होंगे या फिर जाट और राजपूत वोटों के समीकरणों को ध्यान में रखते हुए चुनावों पर कोई फैसला लिया जाएगा। फिलहाल कई सारे सवाल कुश्ती के अखाड़े में खड़े हुए हैं, जिनके जवाब समय आने पर ही मिलेंगे। वैसे भारतीय कुश्ती संघ यानी डब्ल्यू एफ आई के अखाड़े में पिछले साल भर से जिस किस्म की उठा-पटक चल रही है, उसे देखकर यही लगता है कि अभी कई कठिन सवालों से भाजपा को जूझना होगा।गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ही साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया जैसे विश्वस्तरीय विजेता पहलवानों ने भाजपा सांसद और कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे। इंसाफ की गुहार लगाते हुए कई पहलवान हफ्तों तक जंतर-मंतर पर धरना देते रहे। जिसके बाद खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ से 72 घंटे के अंदर आरोपों पर जवाब देने के लिए नोटिस भेजा। जिस पर संघ ने अपनी जवाबी चिट्ठी में पहलवानों के आरोपों को ख़ारिज किया और कहा कि उनके पास यौन उत्पीड़न का एक भी आरोप नहीं आया है। कुश्ती में भारत का नाम दुनिया में रोशन करने वाले इन पहलवानों ने थक-हार कर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और फिर अलग-अलग आरोपों पर जांच शुरु हुई। देश के शीर्ष पहलवानों को ये उम्मीद थी कि जिन प्रधानमंत्री मोदी ने उनके पदक जीतने पर उनकी हौसला अफजाई की, उन्हें अपनी बेटियों के समान बताया, वे कम से कम संसद से आरोपी ब्रजभूषण शरण सिंह को तो बर्खास्त करवा ही देंगे और बेटी बचाओ का नारा देने वाली भाजपा भी ऐसे आरोपी को पार्टी से निकालेगी।लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ तो निराश पहलवानों ने अप्रैल में फिर से जंतर-मंतर पर धरना देना शुरु किया।

न्याय के इंतजार में उनकी निराशा जब हद से अधिक बढ़ गई तो ये खिलाड़ी अपने पदकों को गंगा में बहाने के लिए हरिद्वार भी पहुंच गए। लेकिन तब किसान नेता नरेश टिकैत ने उन्हें रोक लिया। देश पहले साल भर का किसान आंदोलन देख चुका था। अब किसान और पहलवान एक साथ आते दिख रहे थे। हालांकि सरकार पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इस बीच नये संसद भवन का उद्घाटन 28 मई को हुआ और उसी दिन पहलवानों को जंतर-मंतर से जबरदस्ती हटा दिया गया। दिल्ली पुलिस ने देश को पदक दिलाने वाली महिला पहलवानों को किस तरह सड़क पर घसीटा, इसकी तस्वीरें देश आसानी से नहीं भूल सकता था, लेकिन लोगों को क्या पता था कि अभी ऐसी कुछ और तस्वीरें भी भविष्य में देखने मिलेंगी।महिला पहलवानों के न्याय के संघर्ष में किसान और खाप पंचायतें सामने आईं तो खेल मंत्रालय भी हरकत में आया। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने सात जून को छह घंटे की लंबी बातचीत पहलवानों से की, और भरोसा दिलाया कि ब्रजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ जारी जांच 15 जून तक पूरी कर ली जाएगी। मगर पहलवान चाहते थे कि अब कुश्ती संघ में ब्रजभूषण शरण सिंह और उनसे जुड़े लोग चुनकर न आएं। साथ ही किसी महिला को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि महिला पहलवान सुरक्षित महसूस कर सकें। मगर ब्रजभूषण शरण सिंह संसद में बने ही रहे और इस बीच बीते गुरुवार को जब चुनाव हुए तो उनके करीबी संजय सिंह को 47 में से 40 वोटों के साथ अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।जबकि संजय सिंह के खिलाफ उतरी कॉमनवेल्थ खेलों में स्वर्ण पदक विजेता अनीता श्योराण को सिर्फ 7 वोट मिले थे।

बदलते भारत का नेतृत्व, देश की प्रगति और उभरे विवाद

एक उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की अवधारणा नयी नहीं है, खासकर दुनिया के सबसे बड़े विकासशील देश के लिए। हालांकि, हाल ही में इस विचार के जोर पकड़ने का एक कारण मोदी और उनका 5 खरब डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। मोदी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने की बात करते नहीं थकते।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में अपने आधिकारिक निवास का नाम लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) रखा। नया नाम मोदी की लोकलुभावनवाद और भारत के औपनिवेशिक अतीत को खत्म करने के झुकाव को दर्शाता है। सख्त सुरक्षा चौकी से परे 7 एलकेएम में मोर और आंतरिक आंगन हैं जो फूलों की बड़ी आकर्षक सजावट से सजाये गये हैं। परिसर में ही एक बैठक कक्ष है जिसकी छत पर विश्व मानचित्रों को दर्शाने वाले भित्तिचित्र हैं। कैबिनेट कक्ष में प्रस्तावनाके कुछ अंश अंकित हैं।

इसी शांत वातावरण से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव पर नजर रखते हैं। हालांकि, चिंता यह है कि मोदी स्वयं संविधान के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। अपनी विशाल डेस्क के पीछे खड़े होकर, मोदी कार्यालय में एक और र्ष के समापन पर आश्वासन दे रहे हैं।

अपनी जनसंख्या चीन से अधिक होने के कारण भारत को अब चीन के लिए एक आशाजनक विकल्प के रूप में देखा जाता है। हर जगह लोग मोदी के अगले पांच साल के कार्यकाल के लिए कमर कस रहे हैं। 73 वर्षीय मोदी 2024 में जीत की दौड़ में सबसे आगे हैं। मोदी आम नागरिकों के जीवन में ठोस सुधार लाने के अपने ट्रैक रिकॉर्ड का हवाला देते हैं।मोदी शासन के पिछले एक दशक में भारतीय लोगों की इच्छाओं में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। क्रीम कुर्ता और जंग रंग की स्लीवलेस जैकेट पहने हुए मोदी बेहद साफ-सुथरे दिखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीयों को पता है कि भारत बड़ी सफलताओं के कगार पर है और वे जानते हैं कि जो प्रगति वे देख रहे हैं वह भाजपा के कारण है। भाजपा की हालिया विधानसभा चुनावों में जीत के बाद, फाइनेंशियल टाइम्स ने मोदी का साक्षात्कार लिया और पाया कि मोदी के लिए, पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव 2024 के आम चुनावों का पूर्वाभ्यास था जब 94 करोड़ से अधिक मतदाता चुनाव में भाग लेंगे। यदि मोदी लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करते हैं, तो यह उनके कई वफादार अनुयायियों के लिए उनका अनुमोदन होगा जिनके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था फली-फूली है, इसकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ी है और लाखों लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।

वे हिंदू धर्म को सार्वजनिक चर्चा में सबसे आगे रखने का श्रेय भी मोदी को देते हैं। परन्तु यह सब सहज नहीं है। मोदी का मुख्य विपक्षी गांधी परिवार के नेतृत्व वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक नामक विपक्षी गठबंधन है, जिसने मोदी को हटाने और लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करने का वायदा किया है।

कांग्रेस के संस्थापकों द्वारा स्थापित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत खतरे में है। मोदी के एक दशक पुराने शासन पर राजनीतिक विरोधियों को दबाने, नागरिक समाज को प्रतिबंधित करने और मुसलमानों को हाशिये पर रखने का आरोप लगाया गया है। आलोचकों को डर है कि मोदी का तीसरा कार्यकाल, विशेष रूप से यदि एक महत्वपूर्ण बहुमत के साथ आया, तो भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को अपरिवर्तनीय रूप से कमजोर कर देगा। वह भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए संविधान में संशोधन भी कर सकते हैं। लोकतांत्रिक गिरावट के आरोपों, जिनसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इनकार करती है, ने भारत और विदेशों में चिंताएं बढ़ा दी हैं और यह तब हुआ है जब दुनिया भर के नेता आगे का रास्ता दिखाने के लिए भारत पर भरोसा कर रहे हैं।

फाइनेंशियल टाइम्स को दिये अपने साक्षात्कार में मोदी ने भारत में मुस्लिम अल्पसंख्यक, अमेरिका और कनाडा के साथ तनाव और संविधान में बदलाव सहित विभिन्न सवालों के जवाब दिये। उन्होंने अपनी सरकार के आर्थिक और लोकतांत्रिक प्रदर्शन को लेकर आलोचनाओं को खारिज कर दिया।मोदी और उनके समर्थकों का मानना है कि भारत के लोकतंत्र के बारे में चिंताएं निराधार हैं और भारत जो प्रगति कर रहा है वह उनकी दृष्टि से ओझल है। मोदी इस बात से सहमत हैं कि आलोचकों को अपनी राय और चिंताओं को व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन आरोपों के साथ बुनियादी समस्या यह है कि वे भारत के लोगों, मतदाताओं की बुनियादी बुद्धि पर सवाल उठाते हैं।मोदी ने संविधान बदलने की किसी भी बात को खारिज कर दिया। उनकी सरकार ने संविधान में संशोधन किये बिना महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं और इसमें स्वच्छ भारत अभियान और डिजिटल बुनियादी ढांचे के माध्यम से लगभग 1 अरब लोगों को इंटरनेट से जोड़ने जैसी पहलें शामिल हैं अगस्त 2023 में, भारत ने चंद्रमा पर अपने मानवरहित चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारा। इसके तुरंत बाद, इसने जी 20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया और दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया। भारत ने डिजिटल विभाजन को पाटने और जलवायु-प्रतिरोधी बाजरा के विकास जैसे विभिन्न प्रयासों में खुद को %विश्वगुरु% के रूप में स्थापित किया है। भारत ने %वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ% नामक एक शिखर सम्मेलन का भी आयोजन किया और अफ्रीकी संघ को जी 20 के स्थायी सदस्य के रूप में सफलतापूर्वक शामिल किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी दोस्ती को मजबूत किया और मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ भी अपने रिश्ते को मजबूत किया। मोदी ने भारत की लचीली और अनुकूलनीय विदेश नीति पर प्रकाश डालते हुए दुनिया के परस्पर जुड़ाव और परस्पर निर्भरता की बात की। विश्व में भारत की वर्तमान स्थिति को स्वीट स्पॉट के रूप में देखा जाता है। मोदी ने कहा कि विदेशी मामलों में भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता उसका राष्ट्रीय हित है। यह भारत को अन्य देशों के साथ इस तरह से बातचीत करने की अनुमति देता है जो उनके साझा हितों पर विचार करता है और जटिलता को समझता है जो वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य के अनुसार है।जब उनसे भारत द्वारा अमेरिका के साथ गठबंधन बनाने की संभावना के बारे में पूछा गया, तो मोदी ने स्वीकार किया कि एक अमेरिकी नागरिक तथा सिख आतंकवादी की हत्या की साजिश के आरोपों के बाद संबंधों में हाल की बेचैनी के बावजूद, दोनों देशों के बीच रिश्ते में सुधार हो रहा है।ोदी ने इज़राइल-हमास संघर्ष पर चर्चा करने से परहेज किया और बेंजामिन नेतान्याहू सरकार की आलोचना करने से परहेज किया। उन्होंने गाजा को भारत की मानवीय सहायता का उल्लेख किया और दो-राज्य के सिद्धांत पर समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने कहा, मैं क्षेत्रीय नेताओं के संपर्क में रहता हूं और अगर शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए भारत कुछ भी कर सकता है, तो हम खुशी से ऐसा करेंगे।एक उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की अवधारणा नयी नहीं है, खासकर दुनिया के सबसे बड़े विकासशील देश के लिए। हालांकि, हाल ही में इस विचार के जोर पकड़ने का एक कारण मोदी और उनका 5 खरब डॉलर की भारतीय अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। मोदी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने की बात करते नहीं थकते। हालांकि, इसके लिए मौजूदा 6-7फीसदी प्रति वर्ष की तुलना में काफी अधिक तेज़ विकास दर की आवश्यकता होगी।जब उनसे आलोचकों पर उनकी सरकार की कार्रवाई के बारे में पूछा गया तो मोदी हंस पड़े। उनके अनुसार, व्यक्तियों और संगठनों का एक नेटवर्क मौजूद है जो भारत में उनकी सरकार पर लगातार आरोप लगाने की स्वतंत्रता का लाभ उठाता है। मोदी ने बाहर से आये लोगों द्वारा भारत की क्षमताओं और क्षमता को कम आंकने के व्यापक अतीत पर प्रकाश डाला।

बच्चों के लिए 'फील गुड फैक्टर' दादा-दादी

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है।

आज की पढ़ी-लिखी हाई सोसायटी से यह आम शिकायत है कि मां-बाप अपने बच्चों को दादा-दादी के पास फटकने तक नहीं देना चाहते क्योंकि वे अपने बच्चों को लेकर ओवर पोजैसिव रहते हैं। जो साथ रहते हैं वे बच्चों के साथ मिल कर उनके खिलाफ पार्टीबाजी कर लेते हैं। दादा-दादी में से अगर एक भगवान को प्यारा हो गया तो बहू को और मनमानी की छूट मिल जाती है। कमजोर पार्टी को दबाना उसके लिए और भी आसान हो जाता है।

दादा-दादी के साथ पोते-पोती का जो एक खास जुड़ाव लगाव होता है वह आज की विषैली फिज़ा में बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टी.वी. सीरियल्स मन पर बहुत ही गलत असर डाल रहे हैं। इसका उदाहरण है प्रसिद्ध मैगा सीरियल, सास भी कभी बहू थी में पोती भूमि का अपनी दादी को 'ए तुलसी' कह कर संबोधित करना। भारतीय संस्कृति आज कहां पर पहुंच गई है।

बदलाव जरूरी है स्वाभाविक है यह सब तो ठीक है लेकिन बदलाव के नाम पर पतन के गर्त में जाना उचित नहीं है। जन्म देने वालों और पाल पोसकर बड़ा करने वालों को अपमानित कर क्या सिद्ध करना चाहती है आज की यह सभ्य सो कॉल्ड पढ़ी-लिखी पीढ़ी।

दादा-दादी बच्चों के जीवन में फील गुड फैक्टर होते हैं, सुरक्षा कवच, कम्फर्ट जोर और भविष्य में उनकी उम्र पर पहुंचने पर मधुर यादों का जखीरा।

आज के मां-बाप जब अपनी दुष्टता के चलते उनके बीच में कोई संबंध जुड़ने ही न देंगे, किसी भी तरह का कम्युनिकेशन नहीं होने देंगे तो बच्चों के दिल में एक बहुत बड़ा खालीपन रह जाएगा क्योंकि मां-बाप अपनी जगह हैं दादा-दादी अपनी जगह।

दादा-दादी उम्र के पड़ाव पर पहुंच गए होते हैं जहां जाकर एक ठहराव ज्यादा मैच्योरिटी और समझ आ जाती है। इसके अलावा अब वे सैकेंड चाइल्डहुड जी रहे होते हैं। ऐसे समय में वे अपने पोते-पोती के बेहतर दोस्त साबित हो सकते हैं।

बच्चे उनसे जीवन में कितनी अच्छी बातें और संस्कार सीखते हैं जो उनके व्यक्तित्व में गहराई तक उतर कर उन्हें भविष्य में बेहतर इंसान बनाते हैं यह सिर्फ समझने की बात है। बच्चे अपने मां-बाप को उनके मां-बाप की इज्जत करते, केयर देखते हैं तो स्वत: ही ये बातें उनके संस्कारों में आ जाती हैं। भले ही आप अपने मां-बाप से दूर रहते हों, बच्चों को उनसे जोड़ कर रखें, उन्हें रैग्युलर टच में रखें, फोन, विजिट या पत्र ई-मेल के द्वारा ही नहीं। वक्त की नज़ाकत पहचान कर दादा-दादी भी अपने को समयानुसार ढाल लें तो अच्छा है। उन्हें दखलअंदाजी से दूर रहना चाहिए और बिना मांगे सलाह देने से बचना चाहिए जब तक कि बात सीरियस अंजाम की ही न हो। अब वक्त उनका है। उन्हें अपने ढंग से जीने दें और बच्चों को भी अपने ढंग से पालने दें। उनकी खुशी में खुश होना सीख लें।

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है। आप जो सांसें ले रहे हैं ये उनकी ही देन हैं। उनके साथ जीवन मूल्य हैं। आज के आपाधापी और तनावग्रस्त माहौल में उनके पास शीतल छाया है। संतुलन है और आपके लिए रिइंश्यौरैंस इसीलिए शायद आज दुनिया में कई जगह २दादा-दादी गोद लिए जाने लगे है।

अपने बच्चों को जिन्हें आप सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, दादा-दादी के प्यार से वंचित न रखें। उनको लेकर अपने पोजैसिवनैस के लिए स्वयं दादा-दादी बनने पर कहीं अपने प्रति इसी तरह के व्यवहार को पाकर बाद में आपको पछताना न पड़े।

ऐसे लगाएँ मस्कारा

पहली बार किसी मस्कारे का प्रयोग करने से पहले उसे दो-तीन घंटे पहले हथेली के पीछे की त्वचा पर लगाकर ट्रायल लें ताकि यह पता चले कि मस्कारा आपको सूट कर रहा है या नहीं। अगर मस्कारा लगाने से आपके आँखों में खुजली हो रही है, आँखें लाल हो रही हैं या फिर पलकें झड़ रही हैं तो उस मस्कारे का प्रयोग एकदम बंद कर दें। आमतौर पर युवतियों महिलाओं से मस्कारा एक बार में नहीं लगता। इसलिए कांस्ट्रेट होकर मस्कारा लगाएँ।

मस्कारे को पीछे से आगे की ओर बढ़ाकर प्रयोग करें। ताकि वह सही ढंग से पूरी बरौनियों पर फैल सके। मस्कारे के फैलने पर उसे छुड़ाने के लिए क्लीजिंग मिल्क या गुलाबजल को रूई के फाहे पर लगाकर मस्कारा छुड़ाए या आई मेकअप रिमूवर का प्रयोग करें। सख्त कपड़ा या टॉवेल का प्रयोग करने से पलकों को नुकसान पहुँचता है।

अगर आपकी पलकें झड़ रही हैं या फिर आँखों में किसी प्रकार का इंफेक्शन चल रहा है तो आँखों को ठीक होने तक मस्कारे का प्रयोग न करें।

डेटिंग के नाम पर धोखा

लड़कियां जब जवानी में कदम रखने लगती हैं, उनके किसी न किसी लड़के से अफेयर होने लगते हैं। पश्चिम की तर्ज पर हमारे यहां भी डेटिंग का प्रचलन बढ़ गया है। डेटिंग करते-करते कब बात हाथ से निकल जाए, लड़की स्वयं नहीं जान पाती। लड़कियां चूंकि ज्यादा भावुक होती हैं, अत: लड़के द्वारा 'डिच' किए जाने पर वे टूट जाती हैं। कई बार लड़कों के लिए डेटिंग महज मौज-मस्ती का पर्याय होती है। शादी का वायदा कर वे लड़की से शारीरिक संबंध कायम करने की मांग करते हैं। लड़की वादे को सच मान समर्पण कर देती है तो उसे 'लूज कैरेक्टर' घोषित कर लड़के छोड़ देते हैं। बहुत कम लड़के-लड़कियां प्यार शब्द का अर्थ समझते हैं। इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता चाहिए जो बहुत कम युवाओं में होती है। आपकी जरा-सी गलती लड़की की जिंदगी तबाह कर सकती है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार तेरह से उन्नीस वर्ष की उम्र में लड़कियां उम्र के नाजुक दौर से गुजर रही होती हैं। इस समय जरा-सी चूक से उनके जीवन में खतरनाक मोड़ आ सकता है इसलिए सही राह पकड़ना जरूरी है। मां को लड़की को लेकर कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी है। सर्वप्रथम तो लड़की की दिनचर्या पर तवज्जो दें। वह क्या करती है, पढ़ने में उसकी कितनी रुचि है, कोर्स की किताबों के अलावा क्या पढ़ने में दिलचस्पी लेती है, टी.वी. पर कैसे प्रोग्राम और कितनी देर देखती है?

लड़की को हर समय शक की नजर से देखना भी अनुचित है और उस पर आंख मूंद कर विश्वास करना भी ठीक नहीं। सजगता अत्यंत जरूरी है क्योंकि आप जवान बेटी की मां हैं। लड़की के फ्रैंड सर्कल के बारे में जानकारी रखें। लड़की को विवाह होने तक व्यस्त रखें। जवान शिक्षक से कभी भी अकेले ट्यूशन न कराएं। सही उम्र में लड़की की शादी वक्त रहते ही कर दें लेकिन शिक्षा में कमी न रखें। वह इस लायक जरूर हो कि मुसीबत आने पर अपनी रोजी-रोटी स्वयं कोई अच्छा जॉब करके कमा सके, यानी कि उसे आत्मनिर्भर बनाएं।

कामयाबी का आकाश छूने को तैयार बेटियां

पुरुष प्रधान समाज के क्रूर पंजों की पकड़ से नारी अब आज़ाद होने लगी है। सदियों से उत्पीड़न और शोषण की शिकार बेटियां, अपनी मेहनत सूझ-बूझ और उत्साह के बूते जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये-नये अध्याय लिख रही हैं। वे परिवार, समाज तथा देश को आगे ले जाने को तैयार हैं। समय भी सत्य और संकल्पों का सुधी होता है, इसलिए पक्के इरादों वाली बेटियों के रास्ते में आज कोई अवरोध अधिक देर नहीं टिकता। सत्य की राह पर चलते हुए लक्ष्य पर निगाहें, उन्हें हर मंजिल तक पहुंचाने में मददगार साबित होती हैं।

जीतने का जज्बा, हाल को कोसों दूर भगा देता है। उसी जीत के जज्बे ने आज बेटियों के सामने मेधा पाटकर, किरण बेदी, सानिया मिर्जा, इंदिरा नूयी, कल्पना चावला, सुनीता विलीयम जैसी शख्सियतों को सामने ला खड़ा किया है, जिनके आगे हर मुश्किल नतमस्तक हो जाती है। मेधा पाटकर ने नर्मदा विस्थापितों की हक की लड़ाई के लिए खुद को आगे कर दिया, वहीं किरण बेदी 'असंभव कुछ भी नहीं' की लाइन पर चलते हुए, बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गयीं।

आज लगभग हर क्षेत्र में सफलता के नित नए मुकाम हासिल करती बेटियां, आज हर पल जीतने के लिए तैयार हैं।

बुरा काम है दांपत्य में सेंधमारी

दांपत्य जीवन को हमेशा रथ के दो पहियों से निरूपित किया जाता है। इसका मतलब यह है कि दोनों पहियों का सही चलना दांपत्य जीवन की गाड़ी के लिये ज़रूरी है। बिना आपसी समझ और आपसी प्यार के यह संभव नहीं होता, इसलिये आपसी विश्वास को बनाये रखें। एक-दूसरे पर विश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है।

प्यार भी बड़ी अजीब शौक है। यह तो बस हो जाता है। कब, क्यों और कहां, यह कुछ निश्चित नहीं है। प्यार करने वालों को प्यार का ऑब्जेक्ट दुनिया में सर्वाधिक हसीन लगता है, चाहे वह बदसूरत ही क्यों न हो। ऐसा न होता तो हमारे पड़ोसी 'किसलय रहेजा' जैसे बदशक्ल और रुखे इंसान के पीछे संजना यूं ही बाबरी न होती। उनकी पत्नी के सीधेपन का भी फायदा संजना को मिल गया। चंचल और स्मार्ट संजना रिश्ते में हालांकि 'किसलय' की कुछ दूर की बहन लगती थी। 'किसलय' की शादी उसके मां-बाप से कभी न करते, यह बात वे स्वयं भलि-भांति जानती थी। इन समीकरणों में संजना ने कृष्ण की राधा की भांति ही 'किसलय' के जीवन में जगह ले ली थी।

एक थे संजीव पांडे, ज़मींदार और उस पर भी बड़े राजनेता। दिखने में भी काफी सुदर्शन व्यक्तित्व के मालिक। माता-पिता ने उनकी शादी ज़मींदार घराने की एक कम पढ़ी-लिखी सुंदर, सुशील कन्या से कर दी थी।

एक-एक करके वह चार बच्चों की मां बन गई। संजीव को एक तो पहले से ही वह पसंद नहीं थी, जिस पर चार बच्चों की मां हो जाने पर वह उससे और भी खिंचा रहने लगा था। नमिता उसके दोस्त की पत्नी थी। नमिता के हावभाव में उसे आमंत्रण दिखाई दिया। अपने प्रेम को शक से बचाए रखने और संजीव तथा उसकी पत्नी ऐश्वर्या के दांपत्य में सेंधमारी करने के लिए नमिता ने विवाहित प्रेमी के बच्चों को फुसलाने का षड़यंत्र रचा। वह उनके लिए तोहफे खरीदती, कभी उन्हें होटलों में ले जाती, कभी पिक्चर दिखाती। किशोरावस्था में बच्चों में सही-गलत की इतनी पहचान नहीं हो पाती है। बच्चे भी नमिता आंटी के सामने अपनी मां को फूहड़ समझने लगे। अब नमिता का दूसरा कदम था प्रेमी के साथ मिलकर, अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसका कत्ल करवाना। कानून उसका कुछ न बिगाड़ सका। नमिता कुछ दिनों के शो के नाटक और श्वेत वस्त्रों के दिखावे के बाद अब बड़े-ठाठ से अपने प्रेमी संजीव की दूसरी पत्नी बनकर रहने लगी। प्रेम का एक घिनौना रूप यह भी है।

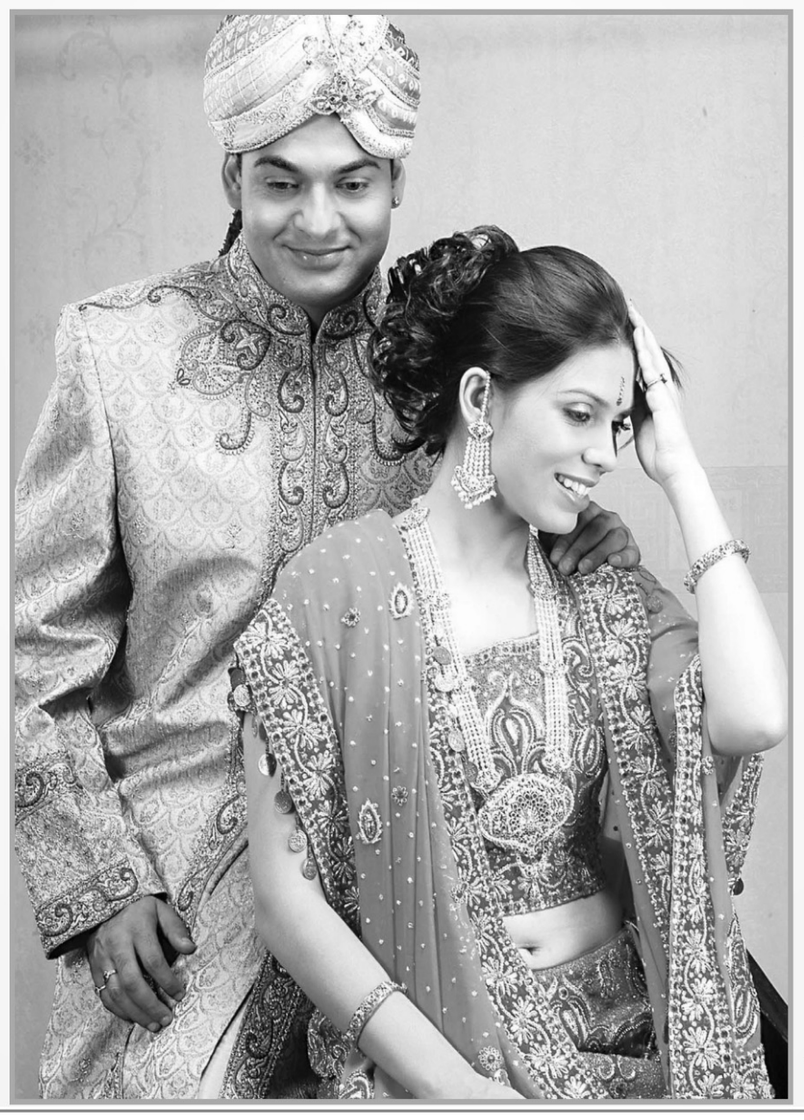

दूसरों का घर उजाड़ने वाली ऐसी सेंधमार महिलाओं का कहना है कि प्यार के लिए सामाजिक स्वीकृति वे ही चाहते हैं, जो भीरू होते हैं।

आज़ाद देश में हर महिला को इस बात की पूर्ण आजादी होनी चाहिए कि वह जिससे चाहे प्यार करे, जिसके साथ चाहे अपनी दुनिया बसाए।

विनय और मोना का प्यार परवान चढ़ता, इससे पहले ही विनय की शादी डॉक्टर अंजलि से हो गई। अंजलि चूंकि डॉक्टर थी, वह अस्पताल और मरीजों में व्यस्त रहती। किचिन में तरह-तरह की चीज़ें बनाकर पति को खिलाने के लिए भला उसे फुर्सत कहां थी। अंजलि की व्यस्तता का फायदा मोना ने खूब उठाया। उसके अस्पताल जाने पर वह अपने प्यार को 'प्लेटॉनिक' दोस्ती का नाम देकर, तब तक अपने मित्र रिश्तेदारों को छलती रही, जब तक कि बिल्ली के भाग से छींका न टूटा। अंजलि के गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया था। कोई इलाज न बचा और आखिर वह असमय ही चल बसी। अंजलि की मौत को अभी चंद महीने भी न हुए थे कि मोना उसकी जगह विनय की दूसरी पत्नी बनकर आ गई।

प्यार करना जुर्म नहीं, लेकिन किसी शादीशुदा पति या पत्नी से प्यार जताना बेशक जुर्म की श्रेणी में ही आता है। यह बात अलग है कि कानून इसके लिए किसी को सजा नहीं दिला सकता। एक समर्पित भारतीय पत्नी के लिए पति उसके अपने जीवन से बढ़कर होता है। उसकी मृत्यु के बाद वह जीवित लाश बनकर रह जाती है। ऐसी समर्पित पत्नी से उसका पति छीनकर दूसरी स्त्री ठीक करती है या गलत, यह उसकी अपनी सोच है, लेकिन एक पत्नी से उसका जीवन छीन लेना, कत्ल करने से छोटा अपराध कतई नहीं है। इसी तरह किसी पागल प्रेमी की हद तक पत्नी को चाहने वाले पति से उसकी पत्नी छीन लेना भी उतना ही संगीन अपराध है।

बी यंग 5 फूड हैबिट्स

हेल्थ प्लस

हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस पर बहस सालों से चली आ रही है। इससे भी ज्यादा 'हॉट टॉपिक' यह रहता है कि खाने की कौन-कौन सी चीजें हमें युवा बनाए रखने में सहायक होती हैं। सच तो यह है कि हम में से अधिकतर लोगों को कुछ खास खाने की चीजों को लेकर भ्रम बना रहता है। कुछ सोचते हैं कि हमें चॉकलेट नहीं खानी चाहिए तो कुछ का सोचना है कि हमें चॉकलेट जरूर खानी चाहिए। अधिकतर लोग वाइन के सेवन को गलत मानते हैं जबकि फूड साइंस कुछ और ही कहता है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे फूड्स को, जो हमें हेल्दी रखने के साथ ही यंग बनाए रखने में सहायक होते हैं -

दही : इसमें कैल्शियम खूब होता है, जिसमें ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखने की क्षमता होती है। इसमें 'गुड बैक्टीरिया' होता है, जो हमें स्वस्थ बनाए रखता है और उम्र से जुड़ी इंटेस्टाइनल बीमारियों को खत्म करता है।

चॉकलेट : कोकोआ से बनी चीजों को खाने से दिल की बीमारी होने की आशंका कम रहती है, कई शोधों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है। कोकोआ में फलैवेनल्स होता है, जो ब्लड वेसल्स की कार्यप्रणाली को स्वस्थ बनाए रखता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम रहता है, टाइप 2 डायबिटीज, किडनी का रोग और डॉमेंशिया के होने की आशंका कम होती है।

ऑलिव ऑयल : सालों पहले ही यह पता चल गया था कि इसमें बसा मोनोसैचुरेटेड फैट दिल की बीमारी और कैंसर को दूर रखता है। अब के शोधों से यह पता चला है कि ऑलिव ऑयल में पोलीफेनोल्स, एंटिऑक्सिडेंट भी होता है, जो उम्र से जुड़े रोगों को दूर रखता है।

नट्स : कुछ अध्ययन बताते हैं कि जो लोग नट्स खाते हैं, वे ढाई साल ज्यादा जीते हैं। इसमें अनसैचुरेटेड फैट होता है, जिससे वही लाभ होता है जो ऑलिव ऑयल के सेवन से होता है। ये विटामिन, मिनरल और एंटिऑक्सिडेंट्स सहित अन्य फाइटोकेमिकल्स के मुख्य स्रोत होते हैं।

वाइन : सही और सीमति मात्रा में अल्कोहल का सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज और उम्र से होने वाली याददाश्त की बीमारी से छुटकारा दिलाता है। कहा जाता है कि किसी भी तरह के अल्कोहल के सेवन से यह लाभ मिलते हैं लेकिन रेड वाइन ही इस तरह के अध्ययन का केंद्र रही है। इसमें रेस्वेरैटल होता है, जिससे इस तरह के लाभ होते हैं। साथ ही जानवरों पर हुए शोध बताते हैं कि इसके सेवन से वह जीन्स एक्टिवेट होते हैं, जो बुढ़ापा कम कर सकते हैं।

केला, सेब खाआ याददाश्त बढ़ाआ

सेब, संतरा और केला खाआ और सेहत बनाआ...यह बात आपने काफी सुनी होगी। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि सेहत के अलावा इन फलों के सेवन से दिमाग भी स्वस्थ रहता है, लोगों की याददाश्त बढ़ती है और कैंसर के उपचार में भी लाभदायक होते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक अध्ययन के बाद इस तथ्य का खुलासा किया है। 'मेडिकल न्यूज टूडे' के ऑनलाइन संस्करण पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयार्क के 'कारनेल विश्वविद्यालय' और दक्षिण कोरिया के विभिन्न विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस बाबत एक अध्ययन किया था। अध्ययन के तहत वैज्ञानिकों को ज्ञात हुआ कि इन तीनों फलों से निकलने वाले रासायनिक मिश्रण कैंसर सेल्स की वृद्धि को रोकने में सहायक होते हैं।

मां का दूध बचा सकता है बच्चें की जान

अगर बच्चों को जन्म लेने के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाया जाए तो शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी लाई जा सकती है। अकेले भारत में ही इससे हर साल 2 लाख 50 हजार बच्चों की जान बचाई जा सकती है। यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक एनएम वेनमैन का कहना है कि मां के दूध में सर्वोत्तम पोषक आहार और जबरदस्त रोग प्रतिरोधक क्षमता भी होती है। इसके अलावा यह बात भी वैज्ञानिक तरीके से साबित हो गई है कि मां का दूध बच्चे के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए उत्तम होता है।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में कई बच्चे विभिन्न बीमारियों के शिकार होकर समय से पहले ही मर जाते हैं। वेनमैन ने कहा कि इस वर्ष एक अगस्त से सात अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'ब्रेस्ट फीडिंग: द फर्स्ट आवर सेव वन मिलियन बेबीज' रखी गई है। उन्होंने कहा कि यह थीम नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करने का एक बेहतर अवसर है। अगर 90 फीसद शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध मिलता है तो इससे शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी आ सकती है। यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अभियान से जुड़े 'इंटरनेशनल बेबीफूड एक्शन नेटवर्क' 'आईबीएफएएन' के एशिया क्षेत्र के समन्वयक डा. अरूण गुप्ता ने बताया कि जागरूकता के अभाव में अक्सर नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चों का विकास बाधित होता है।

उन्होंने 'यूनिसेफ 2007' की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत में हर साल करीब 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है। इनमें से 10.9 लाख बच्चों की पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते मृत्यु हो जाती है। इन बच्चों में से 10.4 लाख बच्चे सिर्फ एक साल की उम्र में ही दम तोड़ देते हैं। अगर नवजात शिशुओं के पोषण पर समुचित ध्यान दिया जाए तो मौत का यह आंकड़ा काफी हद तक घटाया जा सकता है। डा. गुप्ता के अनुसार देश में केवल 23.4 फीसद नवजात शिशु ही जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान करते हैं। कुपोषण और बाल मृत्यु-दर से निपटने के लिए स्तनपान की आर पूरी तरह ध्यान देना होगा।

जहर से भरा है आपका मेकअप बॉक्स!

स्त्रियों में बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सजने-संवरने का जन्मजात गुण है। यह विशेषता कुदरत ने उन्हें तोहफे में दी है और यही उनकी कमजोरी भी है। महिलाओं की इसी कमजोरी को सौंदर्य सामग्री बनाने वाली दुनिया भर में फैली कंपनियां भुना रही हैं। हालांकि हाल ही में छपी एक तथ्यपरक किताब में खूबसूरती निखारने वाले उत्पादों के स्याह पक्ष को प्रस्तुत किया गया है। इसमें लेखक ने यह भी बताया है कि हर्बल चीजें सौंदर्य बढ़ाने के साथ निरापद भी हैं।

तमाम तरह के दावे करने वाली इन कंपनियों के उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की चकाचौंध में आंखें बंदकर महिलाएं उन्हें खरीदने में देर नहीं लगातीं। सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनियों का कारोबार कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ब्रिटेन में ही कास्मेटिक और सुगंधित चीजों के निर्माण में लगी कंपनियों का कारोबार प्रतिवर्ष 650 करोड़ पौंड से अधिक का है। खोजी पत्रकार डान मेलोशिप की नई किताब 'टोक्सिक ब्यूटी' में कास्मेटिक वस्तुओं के पीछे की हकीकत से रूबरू कराया गया है। डान कहते हैं कि सौंदर्य प्रसाधन की जगमगाती बोतलों और ट्यूब के अंदर खतरनाक किस्म के जहर भरे होते हैं जो विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। खूबसूरत बनाने के नाम पर कास्मेटिक चीजों में मिलाए गए रसायन एलर्जी से लेकर कैंसर जैसे गंभीर रोग पैदा करते हैं।

डान के अनुसार बालों को रंगने वाली डाई में प्रयुक्त किए जाने वाले रसायनों से त्वचाशोथ (एक तरह का एक्जिमा) हो जाता है। बालों को स्थायी रूप से रंगने वाली डाई में प्रयोग किया जाने वाला पैरा फिनाइलीन डाइअमीन (पीपीडी) त्वचा के संपर्क में आकर एलर्जी और एक्जिमा को जन्म देता है। पीपीडी अभी तक ब्रिटेन और अमेरिका में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि जर्मनी में बालों की डाई में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा हुआ है। फ्रांस और स्वीडन में कई साल पहले ही स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा चुका है।

डान की किताब में छपी रिपोर्ट के अनुसार क्लीजनर, शैंपू, बब्बल बाथ और टूथपेस्ट में भी एक खतरनाक रसायन सोडियम लाराइल सल्फेट (एसएलएस) इस्तेमाल किया जाता है। जो त्वचा के साथ ही आंखों के लिए भी नुकसानदायक है। नेल पालिश में प्रयोग किए जाने वाला फार्मोल्डिहाइड और टेल्कम पाउडर में इस्तेमाल होने वाला 90 प्रतिशत खनिज टाल्क भी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंचाता है। डियोडोरेंट में प्रयुक्त रसायन से स्तन कैंसर तक हो सकता है।

डान के अनुसार हमें कास्मेटिक वस्तुओं के बजाय शुद्ध वनस्पति से बनी सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे बालों को रंगने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा भी अन्य बहुत सी वनस्पतियां हैं जो दूसरी खूबसूरती बढ़ाने वाली कास्मेटिक सामग्री का बेहतर विकल्प बन सकती हैं।

फ्लू हो या अल्कोहल, नुकसान समान

सिर्फ शराब पीकर ही गाड़ी चलाना खतरनाक नहीं बल्कि सर्दी एवं फ्लू की अवस्था में गाड़ी चलाना भी उतना ही खतरनाक होता है। एक नए शोध से इस तथ्य की पुष्टि होती है। इस शोध में पाया गया कि सर्दी व फ्लू के कारण सिर भारी होने, नाक बहने, छींक आने या पूरी तरह चौकन्न नहीं रहने आदि लक्षणों से हमारी ड्राइविंग क्षमता पर वैसा ही असर पड़ता है जैसा कि अल्कोहल के सेवन से। ब्रिटेन में 2008 में हुई दस में से एक दुर्घटना सर्दी या फ्लू के कारण हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, जाड़े के मौसम में जब सर्दी या फ्लू महामारी का रूप ले लेती है, उस समय इसके कारण होने वाली दुर्घटना बढ़ जाती है।

ब्रिटेन की लॉयड्स टीएसबी बीमा कंपनी द्वारा कराए गए शोध में तनाव, सिरदर्द, सर्दी या फ्लू एवं अन्य ऐसी ही स्वास्थ्य अवस्थाओं से गुजर रहे 102 ड्राइवरों पर अध्ययन किया गया। 'हेजार्ड सिमुलेटर टेस्ट' में तनाव व सिरदर्द आदि से गुजर रहे ड्राइवरों का चौकन्नपन एवं प्रतिक्रिया करने आदि के मामले में स्कोर सामान्य ड्राइवरों की तुलना में चार अंक नीचे रहा जबकि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त ड्राइवरों का प्रदर्शन स्वस्थ ड्राइवरों की तुलना में 11 अंक नीचे रहा। ऐसा स्कोर वैसे ड्राइवरों की होती है जिस पर ड्राइविंग से पहले डबल व्हीस्की का नशा चढ़ा हो। ऐसे स्पष्ट खतरे के बावजूद समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता बहुत कम पाई गई। 38 फीसद ड्राइवरों ने बताया कि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त होने के बावजूद गाड़ी ड्राइव करते रहे हैं।

तकरीबन आधे ड्राइवरों का कहना था कि ऐसी बीमारियों का उनकी ड्राइविंग क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बीमा कंपनी की प्रवक्ता पाउला लेवलीन ने कहा कि हमारे द्वारा कराए गए इस शोध से यह प्रमाणित होता है कि बीमारी की अवस्था में गाड़ी चलाने से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं। डॉ. डॉन हार्पर ने कहा कि ड्राइवरों के प्रर्दशन पर पड़ने वाला प्रभाव वैसा ही होता है जैसा कि अल्कोहल के दो यूनिट (या खून में अल्कोहल की मात्रा 0.05-0.075 मिलीग्राम/100 एमएल होने से) से पड़ता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए एकाग्रता एवं त्वरित प्रतिक्रिया का होना आवश्यक है और यह दोनों ही हल्की सर्दी या फ्लू से भी काफी घट जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्घचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1939

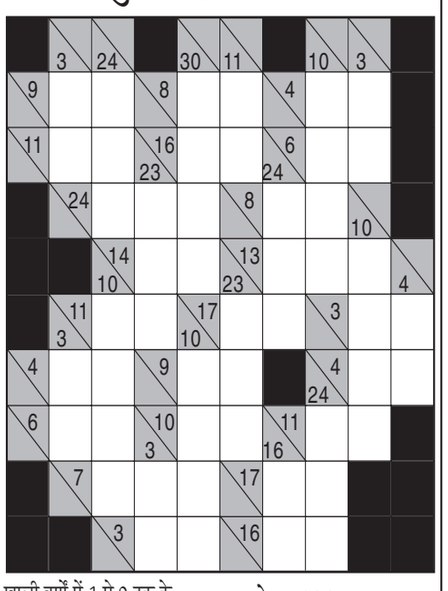

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

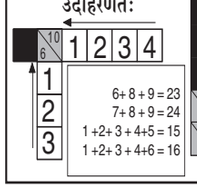

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1938 का हल

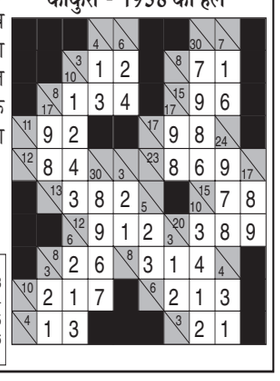

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1939

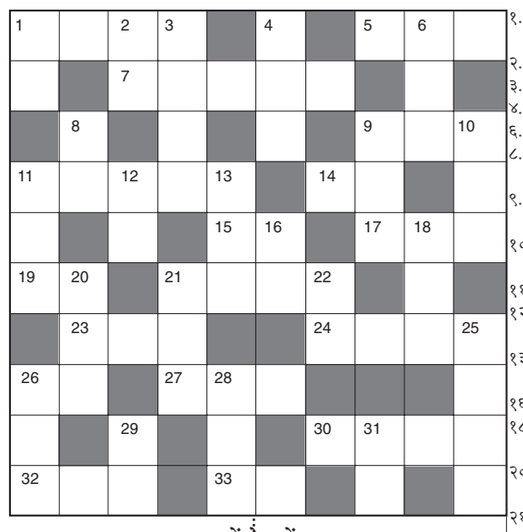

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अनूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कैंवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1938

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	र्वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खी	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		श
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

सूडोकु -1939

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1938 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 1939

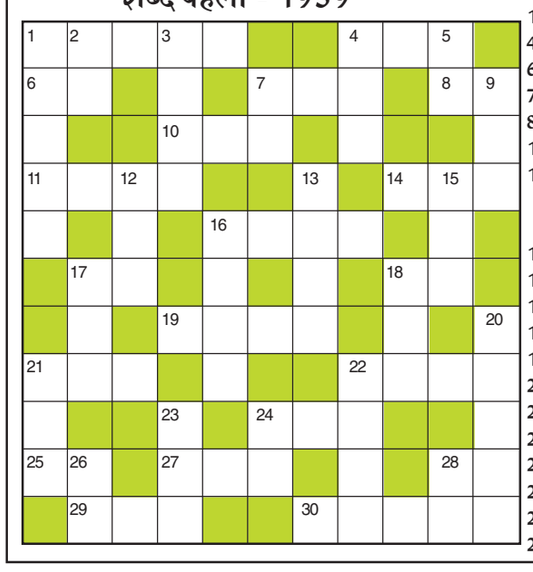

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 1938 का हल

	बं	दा	न	बा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
ब		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		से		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	ध	प	ध		र	च	ना	का	र	

बिहार को लेकर कांग्रेस की रणनीतिक बैठक

नई दिल्ली। लोकसभा के 2024 में होने वाले चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की मंगलवार को यहां बिहार प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक हुई जिसमें प्रदेश संगठन की चुनाव तैयारियों की समीक्षा की गई।

कांग्रेस की बिहार से जुड़ी यह महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक यहां पार्टी मुख्यालय में हुई जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के कई प्रमुख वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। श्री खड़गे ने बैठक की जानकारी देते हुए कहा, 'लोकसभा चुनाव संबंधित तैयारियों को लेकर बिहार प्रदेश कांगेस के नेताओं से चर्चा हुई। बिहार में महागठबंधन सरकार मज़बूती से बिहार के लोगों के लिए आशा के अनुरूप काम कर रही है। हम सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध हैं। बिहार की तरक्की, खुशहाली और अमन-चैन के लिए कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता पूरी मेहनत से जन-जन तक जाने को और बिहार के लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप खरा उतरने को तत्पर है।'

'मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लो...', सपा नेता के बयान पर भड़के BJP के गिरिराज; लालू-नीतीश को भी जमकर सुनाया

नई दिल्ली।। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्या ने हिंदू धर्म पर विवादित टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि हिंदू धर्म धोखा है। उनके बयान पर अब बवाल खड़ा हो गया है। यूपी से लेकर बिहार तक राजनीति हो रही है। बीजेपी ने तो स्वामी प्रसाद मौर्या के बहाने इंडी गठबंधन को ही आड़े हाथों ले लिया है। बेगूसराय से बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने स्वामी प्रसाद मौर्या के बयान पर टिप्पणी करते हुए इंडी गठबंधन को घमंडिया गठबंधन करार दिया। बेगूसराय पहुंचे सांसद ने कहा कि कभी अखिलेश यादव (हिंदू धर्म) के खिलाफ बुलवाते हैं, कभी कभी लालू यादव और नीतीश कुमार बुलवाते हैं, कभी कांग्रेस के राहुल स्टालिन की पार्टी से बुलवाते हैं। यह सभी लोग हिंदू धर्म को गाली देते हैं।

'मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लो...'

गिरिराज सिंह ने आगे कहा, जो लोग हिंदू धर्म को गाली देते हैं मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लो... क्योंकि हिंदू धर्म ही सनातन ही और सिख ही भारत के स्वाभिमान का प्रतीक है। भारत का अभिप्राय है।

देश में कोरोना के 116 नए मामले, संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,170

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 116 नए मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही कोरोना के सक्रिय मरीजों की कुल संख्या 4,170 हो गई है, जो देश के कुल सक्रिय मामलों का 0.01 प्रतिशत है।कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में तीन मौतें हुई हैं, जिससे मरने वालों की कुल संख्या 5,33,337 हो गई है और मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है।स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीमारी से ठीक वालों की संख्या बढ़कर 4,44,72,153 हो गई है और राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है।इस बीच, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रति दिन औसतन तीन से चार कोविड-19 मामले सामने आ रहे हैं और कहा कि शहर वायरस के पुनरुत्थान से लड़ने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली सरकार ने कहा कि कोविड-19 से सकारात्मक नमूनों को जीनोम अनुक्रमण के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा गया है।

यादव ने की मंत्रियों से चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज राजधानी भोपाल स्थित मंत्रालय में आयोजित बैठक में नवनियुक्त मंत्रियों से चर्चा की। इस दौरान दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला भी उपस्थित रहे। यादव मंत्रिमंडल में 28 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके सटीक डेटा तैयार करने की आवश्यकता : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके सटीक और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा सेट तैयार करने की आवश्यकता है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा (आईएएएस), भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) और भारतीय सांख्यिकी सेवा के प्रोबेशनर्स ने राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक सेवा उन्हें शासन प्रणाली में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए देश की सेवा करने का अवसर देगी। वे अपने-अपने क्षेत्रों में नवोन्वेषी, स्मार्ट और नागरिक-केंद्रित कार्यप्रणाली के माध्यम से भारत की विकास यात्रा में अत्यधिक योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति ने प्रोबेशनर्स को यह याद रखने की सलाह दी कि उनके कार्यों और निर्णयों का सभी नागरिकों के जीवन पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनमें से

प्रत्येक अपने काम में जो सत्यनिष्ठा, कड़ी मेहनत और ईमानदारी दिखाता है, वह हमारे लोगों के विकास की गति निर्धारित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। राष्ट्रपति ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डेटा या सांख्यिकी नीतियों के निर्माण से लेकर कार्यक्रमों और योजनाओं के परिणामों का विश्लेषण करने तक की सभी गतिविधियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण आधार बनता है। अंतरराष्ट्रीय मानकों की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके सटीक और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा सेट तैयार करने की आवश्यकता है।

अनेक चैनलों के माध्यम से सूचना की बढ़ती उपलब्धता के साथ, प्रामाणिक और सटीक आंकड़ों का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आईएसएस अधिकारियों को आधिकारिक आंकड़ों को संकलित करने और सर्वेक्षण कार्यों के प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, डेटा साइंस और अन्य क्षेत्रों के नवीनतम तरीकों का उपयोग करने की आवश्यकता है।

साहिबजादों के बलिदान की गाथा हर बच्चे और युवा को सुनाई जानी चाहिए : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिख गुरुओं के बलिदान को याद दिलाता है। गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्रों ने धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते-हंसते प्राणों की आहुति दे दी। यह इतिहास युवा पीढ़ी तक पहुंचानी होगी ताकि वे अपने बलिदानियों की गौरवगाथा के बारे में जानें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सीएम आवास में आयोजित विशेष संकीर्तन कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। इससे पहले सीएम ने अपने आवास में गुरु ग्रंथ साहिब का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब को सिर-माथे पर धारण कर उन्हे मुख्यमंत्री आवास में आसीन कराया। इस अवसर सीएम आवास में गुरुवाणी, अरदास एवं लंगर का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी को प्रदेशभर से आए सिख प्रतिनिधियों की ओर से सिरोपा भेंट किया गया। सीएम योगी ने

कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल और जनपद स्तर पर वीर बालकों का सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही प्रदेश में सिख गुरुओं से संबंधित सभी स्थलों को चिह्नित करते हुए उनके विकास के लिए कार्य किये जाएंगे। सीएम योगी ने गुरु गोविंद सिंह जी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने चार-चार पुत्र देश और धर्म की रक्षा करते हुए बलिदान कर दिए। जब गुरु गोविंद सिंह जी से पूछा गया कि आपके चार पुत्र शहीद हुए, उस समय उनके मुख से यही निकला था कि चार हुए तो क्या हुआ, जीवित हुए हजार। ऐसे कार्यक्रम उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर केशव का पलटवार, कहा-

इससे न तो हिंदू धर्म कमजोर होगा न मंदिर निर्माणं रुकेगा

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उनके बयान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने पलटवार किया और कहा कि उनके सनातन विरोधी बयानों से न तो हिंदू धर्म कमजोर होगा और न ही भव्य राम मंदिर का निर्माण रुकेगा। केशव प्रसाद ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जाको प्रभु दारुण दुख दीना, ताकी मति पहले हर लीना।

उन्होंने कहा कि लगता है कि उनकी बुद्धि का हरण कर लिया गया है। उनको ये समझ में नहीं आ रहा है क्या बोलना चाहिए क्या नहीं। ऐसे बयान देकर कोई सनातन को न कमजोर कर सकता है और न ही मिटा सकता है। न हिंदुत्व को कमजोर कर सकता है और न ही मिटा सकता है और न ही भव्य राम मंदिर के निर्माण को रोक सकता है। अयोध्या पहुंचे उप मुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 22 जनवरी को भगवान रामलला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मेरे जैसे कार्यकर्ता, राम भक्त व कारसेवक के लिए गर्व की बात है। हम लोग अपने जीवनकाल में भगवान रामलला का भव्य मंदिर बनते हुए देख रहे हैं। 22 जनवरी को भगवान रामलला 500 साल बाद अपने जन्म स्थान पर विराजमान होंगे।

गौरतलब हो कि समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि हिंदू धर्म एक धोखा है। 'वेसै भी 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हिंदू कोई धर्म नहीं है।

खड़गे ने की रेलवे स्टेशनों पर सेल्फी प्वाइंट पर खर्च को लेकर सरकार की आलोचना

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को रेलवे स्टेशनों पर सेल्फी प्वॉइंट के लिए किए गए खर्च को लेकर सरकार पर तंज करते हुए कहा कि आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से करदाताओं के पैसे को बर्बाद कर रहा है। खड़गे ने एक्स पर लिखा, मोदी सरकार द्वारा आत्म-मुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं है।

रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करके करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी। उन्होंने कहा, इससे पहले, सशस्त्र बलों को मोदी जी के प्रमुख कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी-प्वॉइंट स्थापित करने का आदेश देकर हमारे बहादुर सैनिकों के खून और बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया था। जबकि मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत के लिए सहायता प्रदान नहीं की। विपक्ष शासित राज्यों के लिए मनरेगा फंड भी लंबित है। लेकिन सस्ते चुनावी स्टंटों पर उदारतापूर्वक सार्वजनिक धन खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कई प्रकार ए और सी स्टेशनों पर सेल्फी पॉइंट स्थापित करने के लिए मध्य रेलवे द्वारा किए गए खर्च पर अपने दावे के समर्थन में सूचना के अधिकार का जवाब भी संलग्न किया। कांग्रेस ने इससे पहले भारतीय सेना और अन्य सरकारी विभागों के सेल्फी प्वाइंट को लेकर सरकार पर निशाना साधा था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा - पति की 'मर्दानगी' पर आरोप मानसिक क्रूरता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पति की 'मर्दानगी' के बारे में उसकी पत्नी द्वारा लगाए गए आरोप मानसिक रूप से दर्दनाक हो सकते हैं और मानसिक क्रूरता में योगदान दे सकते हैं।

न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और नीना बंसल कृष्णा की खंडपीठ ने कहा कि दहेज की मांग, विवाहेतर संबंधों के आरोपों के साथ पति को नपुंसकता परीक्षण कराने के लिए मजबूर करना और उसे महिलावादी करार देना मानसिक पीड़ा और आघात पैदा करने के लिए पर्याप्त है। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि सार्वजनिक रूप से जीवनसाथी की छवि खराब करने वाले लापरवाह, अपमानजनक और निराधार आरोप लगाना अत्यधिक क्रूरता का कार्य है। यह फैसला एक महिला द्वारा

दायर अपील के जवाब में आया, जिसमें क्रूरता के आधार पर अपने पति को तलाक देने के पारिवारिक अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। 2000 में शादी करने वाले इस जोड़े का एक बेटा है, लेकिन शुरुआत से ही विवाद पैदा हो गए। पति ने आरोप लगाया कि पत्नी ने दहेज की मांग, विवाहेतर संबंध और नपुंसकता सहित झूठे आरोप लगाए। पत्नी ने इन दावों को चुनौती दी। अदालत ने सबूतों पर विचार करते हुए पाया कि पति क्रूरता के कृत्यों का शिकार था, इससे वह हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक का हकदार हो गया। फैसले में मानसिक स्वास्थ्य पर ऐसे आरोपों के प्रभाव पर जोर दिया गया और विवाह के भीतर सार्वजनिक उत्पीड़न और अपमान की निंदा की गई।

जम्मू कश्मीरः पुलवामा में तलाशी अभियान, तीन संदिग्ध पकड़े, हथियार भी बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण कश्मीर के जिला पुलवामा मंगलवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान दो पिस्तौल और अन्य युद्ध सामग्री बरामद करने के साथ तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। एक्स पर एक पोस्ट में, भारतीय सेना की चिनार कोर ने कहा कि 25 दिसंबर को पुलवामा के पंजू और

गमीराज में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा विशिष्ट खुफिया इनपुट के बाद एक संयुक्त घेरा और तलाशी अभियान शुरू किया गया।

चिनार कॉर्प्स ने पोस्ट में कहा कि दो पिस्टल और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ तीन संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया है। इसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त पूछताछ जारी है।

बीएसएफ ने इस वर्ष एक सौ ड्रोन बरामद किये

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस वर्ष भारतीय क्षेत्र में नशीले पदार्थों, हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी के लिए राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा इस्तेमाल किये जा रहे 100 पाकिस्तानी ड्रोनों को सफलतापूर्वक मार गिराया या बरामद किया है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि ड्रोन, नशीले पदार्थ और हथियार बरामद करने के अलावा, बीएसएफ ने उन तस्करों को भी सफलतापूर्वक पकड़ा है जो ड्रोन के माध्यम से तस्करी की सुविधा दे रहे थे।

बीएसएफ ने नशीली दवाओं की आपूर्ति को कम करने, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरुकता को बढ़ावा देने और युवाओं को अपनी ऊर्जा को सही दिशा देने के लिये कौशल के साथ सशक्त बनाने के उद्देश्य से तीन-आयामी रणनीति लागू की है, जिससे सार्थक रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल, मेरु कैंप

हज़ारीबाग, झारखंड में एक दिसंबर 2023 को 59वीं बीएसएफ दिवस परेड का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ देश की 6386.36 किलोमीटर सीमाओं की सुरक्षा करता है, जिसमें से भारत-पाक सीमा की लंबाई 2289.66 किमी (अंतरराष्ट्रीय सीमा), जबकि भारत-बंगलादेश सीमा की लंबाई 4096.70 किलोमीटर है। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के प्रभुत्व वाली सीमा की लंबाई 553 किलोमीटर है, जिसकी सुरक्षा में बीएसएफ की 18 बटालियनें तैनात हैं।

आईएनएस इम्फाल रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीकः राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना के नवनिर्मित 'युद्धपोत 'आईएनएस इम्फ़ाल' को रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा है कि इससे नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ जायेगी। श्री सिंह ने मंगलवार को मुंबई में आईएनएस इम्फाल को राष्ट्र को समर्पित करने के मौके पर कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद समुद्री क्षेत्र में देश की ताकत बढाने के उद्देश्य से नौसेना को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा , 'एक लंबे समय तक पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर जमीनी

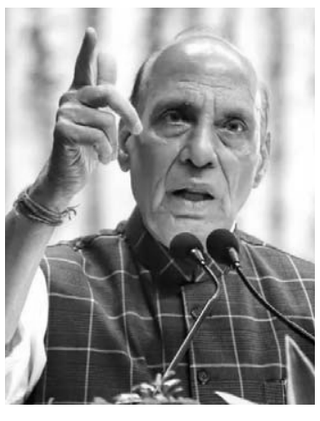

खतरे को ही तवज्जो दी जाती रही। इसे देखते हुए सेना और वायु सेना पर तो ध्यान दिया जाता था, किंतु नौसेना पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था।

लेकिन प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में, उनके दृष्टिकोण ने नौसेना के महत्व को रेखांकित किया और आज नौसेना पर भी उतना ही ध्यान दिया जा रहा है जितना अन्य दोनों सेनाओं पर।

शाह, नड्डा ने कोलकाता के गुरुद्वारे में विशेष अरदास किये

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार की मध्य रात्रि को कोलकाता पहुंचने के कुछ घंटों बाद मंगलवार को शहर के मध्य भाग में स्थित गुरुद्वारे में विशेष अरदास किये। एमजी रोड पर स्थित गुरुद्वारे के पुजारियों ने दोनों का स्वागत किया और विशेष प्रार्थना करने से पहले उन्हें भगवा रंग की पगड़ी बांधने में मदद की। राज्य में पार्टी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी केंद्रीय नेताओं के साथ मौजूद थे और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने पहुंचे थे। श्री नड्डा और शाह दोनों दक्षिण कोलकाता के कालीघाट मंदिर में पूजा करने के लिए एक ही कार में गए। इससे पहले श्री शाह ने कहा कि 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर मैं गुरु गोविंद सिंह जी के चार

साहिबजादा और माता गुजरी जी को नमन करता हूं। श्री शाह ने अपने एक्स (ट्वीटर) अकाउंट पर कहा, 'सर्वोच्च साहस के साथ, वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ लड़े और धर्म परिवर्तन करने के बदले उन्होंने अपनी शहादत को चुना। उनकी बेमिसाल वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके शहादत दिवस को 'वीर बाल दिवस' के रूप में घोषित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी जी ने उनके बलिदान की गाथा को देश और दुनिया के कोने-कोने में फैलाया है।

भारत के विश्व गुरु बनने की बातें अटल जी की मंशा के अनुरूपः मुंजपारा

नई दिल्ली। केन्द्रीय आयुष और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. महेंद्र मुंजपारा ने कहा है कि 2047 से पहले भारत के विश्व गुरु बनने की जो बातें आज हो रही हैं उसके पीछे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मंशा थी। श्री मुंजपारा ने यहां प्रधानमंत्री संग्रहालय में श्री वाजपेयी की जयंती पर तीसरी बार अटल गौरव सम्मान और पहली बार अंतरराष्ट्रीय अटल अवार्ड के लिये आयोजित समारोह में कहा कि आज भारत विश्व अर्थव्यवस्था में पांचवें नंबर पर है और जल्द ही भारत तीसरे नंबर पर होगा, इसके पीछे भी अटल जी का ही हाथ रहा है। अटल फाउंडेशन भी उनके नक्शे कदम पर समाज के लिये कार्य करते हुये देश को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहा है। फाउंडेशन का ये कदम बहुत सराहनीय है। इस बार देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुये आवेदनों में से अटल गौरव सम्मान के लिये 35 और अंतरराष्ट्रीय अवार्ड के लिये विभिन्न राष्ट्रों के सक्षम उम्मीदवारों में से 11 आवेदनों का चयन किया गया । अटल गौरव सम्मान से सम्मानित केरल के गीता बाबू ने कहा, ÷मुझे यह अवार्ड लेते हुये बहुत खुशी हो रही है। मैं जरूरतमंदों की मदद के लिये पहले भी आगे आता रहा हूं, लेकिन इस अवार्ड से मुझे जरूरतमंदों की सेवा करने की और प्रेरणा मिलेगी।

अजय पॉली प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अवनीश सिंह बिसेन को ' मेक इन इंडिया ' श्रेणी में 'अंतरराष्ट्रीय अटल सम्मान ' से नवाजा गया। उन्होंने कहा, ÷ मैंने शुरू से ही अटल जी के नक्शे कदमों पर चलने की कोशिश की है। मैं यह अवार्ड पाकर बहुत खुश हूं। आगे भी इसी प्रकार मैं मेक इन इंडिया के लिए कार्य करता रहूंगा। नेपाल के बारा सीट से सांसद कृष्ण कुमार श्रेष्ठ को 'अंतरराष्ट्रीय अटल सम्मान ' से नवाजा गया। उन्हें द्विपक्षीय शांति के श्रेणी में यह सम्मान दिया गया। उन्होंने यह अवार्ड लेने के बाद कहा, ÷ मैने अटल जी के आदर्शों से प्रेरणा लेकर ही खुद को समाज के लिये समर्पित किया है। वह बहुत ही शांतिप्रिय थे, लेकिन उनकी कही बातें दिलों तक छू जाती थीं। वह हमेशा से उनकी प्रेरणास्रोत रहे हैं। मैं खुश हूं कि मुझे अंतरराष्ट्रीय अटल अवार्ड से सम्मानित किया गया। दक्षिण कोरिया से श्री टोनी इल सुप्सोंग ने सम्मान लेते हुये कहा, ÷ मेरे लिये यह बड़े सौभाग्य की बात है कि मुझे इस सम्मान के लिये जूरी ने चुना। मैं अटल जी के सिद्धांतों का पुरजोर समर्थन करता हूं और उन्हें सार्थक करने के लिये काम करता रहूंगा। अटल फाउंडेशन के सौजन्य से अटल जी के जीवन चरित्र पर प्रत्येक वर्ष एक समारोह का आयोजन किया जाता है।

कहीं आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर

पेरेंट तो नहीं बन गए हैं

क्या आप जानते है कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या होती है? अगर नहीं तो अब जान लीजिए और खुद को भी परख लीजिए कि कही आप जाने-अनजाने हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग तो नहीं बन गए हैं।

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग क्या है?

हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग यानि कि ऐसे अभिभावक जो बच्चों के ऊपर हेलीकॉप्टर की तरह मंडराते रहते हैं। बच्चों पर अत्यधिक कंट्रोल रखते हैं, उन पर जरूरत से दा ध्यान देते हैं, उन्हें ओवर प्रोटेक्ट करते हैं, उनके लिए अत्यधिक पजेसिव होते हैं और अधिकांश समय बच्चों के साथ ही रहते हैं। यहां तक कि ऐसे अभिभावक बच्चों को उनका पर्सनल स्पेस भी देना भूल जाते है। आज के दौर में बच्चों को हर प्रकार से सही मार्गदर्शन देना जरूरी है, लेकिन हेलीकॉप्टर पेरेंट्स बच्चे के बेहद छोटे-छोटे कामों में भी हस्तक्षेप करते है और उनसे जुड़े छोटे-छोटे निर्णय भी खुद ही लेते हैं जैसे दोस्त चुनना, घूमने जाना, खेलना आदि। आइए, जानते हैं कि हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग से बच्चे को क्या नुकसान हो सकते हैं -

- ऐसे अभिभावक बच्चों के जूते के फीते बांधने से लेकर उनके खाने की प्लेट उठाना, लंच पैक करके देना आदि छोटे-छोटे काम खुद ही कर देते हैं। इससे बच्चे शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते।
- ऐसे अभिभावक बच्चे को अपनी बात कहने का मौका नहीं देते, क्योंकि दूसरों के सामने वे खुद ही बच्चे का पक्ष रख देते है। इससे आगे जाकर बच्चा किसी के सामने खुद अपनी बात को सही तरीके से रखना नहीं सीख पाता और कई बार चुनौती और असफलता हैंडल नहीं कर पाता।
- ऐसे बच्चे विपरीत परिस्थितियों का सामना करना नहीं सीख पाते क्योंकि हर बुरी बला से बचाने के लिए मातापिता हर वक्त आपके आस-पास ही मौजूद रहते हैं।
- ऐसे बच्चे अगर मातापिता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर पाते तो उनके डिप्रैशन में जाने की आशंका अधिक रहती है।
- ऐसे बच्चे सफल होने का श्रेय कभी स्वयं नहीं ले पाते क्योंकि सफलता उन्हें मातापिता की बदौलत मिलती है।

परिस्थितियों का करें पूरी हिम्मत से सामना

जीवन में परिस्थितियां कब बदल जाएं, हम कह नहीं सकते। कभी जो हमारे बेहद करीब थे, वो कब हमसे दूर चले जाएं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन मजबूत इंसान वही है, जो हर परिस्थितियों का सामना पूरी हिम्मत से करता हो। हम में से ऐसे कई लोग होंगे जिन्होंने कभी न कभी अपनों को खोया होगा। लेकिन कुछ लोग इससे उबर जाते हैं, तो कुछ खुद को हमेशा उसी परिस्थिति में पाते हैं। अपनों को खोने का दर्द बहुत गहरा होता है। खासकर उस अपने को, जो हमारे बेहद करीब थे। लेकिन इन परिस्थितियों से निकलना बहुत जरूरी होता है। सही समय पर हिम्मत के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। आखिर कैसे हम इस पूरी परिस्थिति से निकल सकते है? कैसे खुद को मजबूत रख सकते है? आइए जानते हैं। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि हमारे अपने कभी-भी हमारी आंखों में आंसू नहीं देख सकते। यदि आप उन्हें याद करके दु:खी हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि आप उन्हें भी दुख पहुंचा रहे हैं। कोशिश करें कि खुद को आप मजबूत बनाए रखें। यादों से निकलकर वर्तमान के बारे में सोचिए। जानते हैं यह बहुत मुश्किल है। लेकिन यही हिम्मत आपको इस दु:ख से निकाल सकती है। आपके साथ मौजूद आपके अपने आपको इस परिस्थिति में देखकर कितने दु:खी होंगे?

खुद को व्यस्त रखें। आपका व्यस्त रहना बेहद आवश्यक है। आप कुछ नया सीखने की कोशिश करें जिससे कि खुद को व्यस्त रख सकें। दूसरों के साथ समय बिताएं, अकेले न रहें। कोशिश करें कि आप अपने आसपास मौजूद लोगों के साथ समय बिताएं जिससे कि आपको अकेले रहने का समय ही न मिले। रात में सोने से पहले अच्छी किताब पढ़ें। किताबें इंसान की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

अगर आपको पेट्स पालने का शौक है, तो घर में जरूर एक नया मेहमान लेकर आएं। यह आपके मूड को फ्रेश भी रखेगा, साथ ही आप इनके साथ व्यस्त भी रहेंगे।

नेल पॉलिश लगाते वक्त ध्यान रखें यह जरूरी बातें

नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाता है, लेकिन नेल पेंट यदि सही तरीके से न लगाया जाए तो यह हाथों की खूबसूरती बढ़ाने की बजाय बिगाड़ सकता है। नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेल पॉलिश को सही तरीके से लगाना और नाखूनों की सही देखभाल भी जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पेंट आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन इसे सही तरीके से अप्लाई करना जरूरी है, तभी यह परफेक्ट दिखता है।

हाथों का रखें ख्याल

यदि आपके हाथ रूखे होंगे तो कितनी भी अच्छी नेल पॉलिश क्यों न लगा लें, उसकी खूबसूरती उभरकर नहीं आएगी। इसलिए समय-समय पर मेनिक्योर कराती रहें, इससे हाथ और नाखून दोनों साफ और सुंदर रहते हैं और नेल पेंट का रंग उभरकर दिखता है।

नाखून को शेप

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, नेल पॉलिश लगाने से पहले नाखून काटने के साथ ही उसे सही शेप देना भी जरूरी है। साथ ही नाखून को सुखाना भी जरूरी है, क्योंकि गीले नाखून पर नेल पेंट लगाने से कोट अच्छी तरह नहीं चढ़ता है और वह जल्दी छूट जाता है।

बेस कोट

यदि आप चाहती हैं नेल पेंट का रंग सही तरह से चढ़े, तो पहले ट्रांस्पेरेंट बेस कोट लगाना जरूरी है। नेल पेंट को ब्रश से पहले नाखून के बीच से लगाना शुरू करें और फिर पूरे नाखून पर लगाकर अच्छी तरह सुखा लें।

पहला कोट लगाएं

ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, जब ट्रांस्पेरेंट बेस कोट सूख जाए, तब अपनी पसंद की कोई भी नेलपॉलिश लगाएं। पहला कोट लगाने के बाद जब वह अच्छी तरह सूख जाए, तो आप चाहे तो दूसरा कोट लगा सकती हैं। इसे अच्छी तरह सेट करने के लिए आप बर्फ के पानी में उंगलियां डुबोकर रखें। इससे नेल पॉलिश में चमक आ जाएगी।

किनारों को साफ कर लें

यदि नेल पॉलिश लगाते समय किनारों में फैल गई है, तो उसे रिमूवर से साफ कर लें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- आप नेल पेंट को जल्दी सुखाना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए पंखा चालू करके नेल पॉलिश न लगाएं, वरना नेल पेंट सूख जाएगा।
- यदि पहला कोट ठीक से नहीं लगा है, तो दूसरा कोट अप्लाई करे वह स्मूद दिखने लगेगा।
- नेल पॉलिश रिमूव करने के बाद कुछ दिनों तक नाखूनों को ऐसे ही रहने दें और नेल क्रीम लगाएं, इससे नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- पैर की उंगलियों में नेल पॉलिश लगाते समय दो उंगलियों के बीच में कॉटन लगा ले, इससे नेल पेंट फैलेगा नहीं।
- नेल पॉलिश लगाने से पहले बोतल को अच्छी तरह शेक कर लें।
- हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश ही इस्तेमाल करें, जो ज्यादा दिनों तक टिकती है और नाखूनों को नुकसान नहीं पहुंचाती।

सिल्क की साड़ी की चमक

बनाए रखने के लिए इस तरह से करें वॉश

महिलाएं ट्रेडिशनल लुक के लिए सिल्क की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस से लेकर आम महिलाएं सिल्क की साड़ी पहनती हैं। सिल्क की साड़ी की एक अलग ही चमक होती हैं। सिल्क साड़ी बहुत महंगी आती है। जिसकी वजह से साड़ी की केयर करना बहुत जरुर होता है। अगर सिल्क की साड़ी की सही से केयर ना की जाए तो साड़ी की चमक खो जाती है। महिलाएं सिल्क साड़ी को घर में वॉश नहीं करती है बल्कि ड्राई क्लीनिंग के लिए देती हैं। लेकिन हर बार साड़ी को ड्राई क्लीनिंग में देना काफी महंगा पड़ता है। आप सिल्क की साड़ी को घर में भी साफ कर सकती हैं। सिल्क की साड़ी को घर में सही तरीके से धोने से ना तो साड़ी की चमक कम होती है और ना ही साड़ी खराब होती हैं। चलिए जातने है सिल्क की साड़ी को वॉश करने का सही तरीका।

हाथ से धोना

सिल्क की साड़ी को घर पर हाथ से धोना चाहिए। सिल्क की साड़ी को धोने के लिए सबसे पहले आप एक बाल्टी में पानी लें। पानी सिल्क साड़ी वाला डिटर्जेंट पाउडर लें। अगर आप के पास डिटर्जेंट नहीं तो आप बेबी शैंपू का यूज कर सकती हैं। इसके बाद साड़ी को पांच मिनट के लिए पानी में भिगोएं। इसके बाद सिंपल पानी डाले। इस पानी में थोड़ा सा व्हाइट विनेगर डाले। विनेगर डालने से साड़ी से अतिरिक्त साबुन हट जाता है। इसके बाद तीसरी बार पानी डालकर फैब्रिक कंडीशनर मिक्स करें। इसके बाद साफ और सूखे कपड़े के ऊपर सिल्क साड़ी को रखकर रोल करें। अब टॉवल को हल्के से दबाकर साड़ी से अतिरिक्त पानी बाहर निकाल दें। इसके बाद साड़ी को दूसरे सूखें टावल पर रखें और हवा में सूखने दें।

सिल्क की साड़ी का दाग

अगर आपकी सिल्क की साड़ी पर दाग लग गया है तो आप इन बतों का ध्यान दें। दाग लगने के तुरंत बाद उसे साफ कर दें। दाग सूखने के बाद उसके निशान को हटाना काफी मुश्किल होता है। इसके अलावा आप व्हाइट विनेगर और नींबू के रस की मदद से दाग हटा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

सिल्क साड़ी को वॉश करने से पहले उसका रंग का टेस्ट जरुर करें। सिल्क साड़ी का कलर तो नहीं निकल रहा है। सिल्क साड़ी का क्लीनिंग डिटर्जेंट सॉफ्ट होना चाहिए। क्योंकि हार्ट और ब्लीच आपकी साड़ी को खराब कर सकती है।

इन चीजों के कारण गंदा नजर आता है घर

हर व्यक्ति हमेशा अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहता है। एक साफ घर न केवल अच्छा दिखता है, बल्कि सकारात्मकता भी लाता है। वहीं दूसरी ओर अगर घर गंदा व अव्यवस्थित नजर आए तो इससे मन भी अशांत होता है और घर में नकारात्मकता भी पैदा होती है। हो सकता है कि आप घर को साफ-सुथरा रखते हो, लेकिन फिर भी वह मैसी व गंदा नजर आता हो। ऐसा घर में मौजूद कुछ चीजों के कारण होता है। हालांकि अगर आप इन्हें सही तरह से रखने पर ध्यान देते हैं तो इससे आपका घर हर समय अधिक व्यवस्थित दिखेगा। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी वजह से आपका घर हमेशा गंदा नजर आता है-

भरी हुई किचन स्लैब

हम सभी जानते हैं कि एक भरी हुई किचन स्लैब हमेशा गंदी नजर आती है। ऐसे में आपको स्लैब को पहले क्रमबद्ध रखना चाहिए। इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। मसलन, किचन में एक साथ एक ही समय में 2 से 3 कार्य ना करें। जिस क्षण आप एक कार्य पूरा करते हैं, तो पहले उसे साफ करें। उसके बाद ही आप किचन में दूसरा काम फैलाएं।

बदबूदार पोंछे व मॉप्स

भले ही आपने अपने किचन को साफ सुथरा रखा हो, लेकिन अगर वहां पर बदबूदार मॉप और पोंछे हैं तो इससे आपकी किचन व घर गंदा लगता है। ताजा और साफ मोप हमेशा आपके घर को एक अच्छा इफेक्ट देते हैं और इससे आपकी रसोई भी सुव्यवस्थित दिखती है।

भरी हुई डाइनिंग टेबल

हममें से अधिकतर लोग इस पर ध्यान नहीं देते हैं लेकिन अपनी डाइनिंग टेबल को साफ-सुथरा और क्लटर फ्री रखना भी बहुत जरूरी है। अमूमन लोग डाइनिंग टेबल पर कटलरी के अलावा, टिश्यू, नमक, काली मिर्च, सॉस और अचार आदि रखते हैं। लेकिन इससे डाइनिंग टेबल काफी भरी और गंदी नजर आती है। इसलिए, हो सके तो डाइनिंग टेबल को मिनिमल ही रखें, इससे आपका लिविंग रूम व डाइनिंग एरिया उतना ही बेहतर लगेगा।

बिना लिड की लॉन्ड्री बास्केट

अमूमन घर में हम गंदे कपड़ों को रखने के लिए लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे घर काफी मैसी लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि अगर आप लॉन्ड्री बास्केट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि उसके साथ ढक्कन जरूर हो। कवर वाला लॉन्ड्री बास्केट देखने में अव्यवस्थित नहीं लगता है। लॉन्ड्री बास्केट की तरह आपको डस्टबिन को भी बिना लिड के नहीं रखना चाहिए। यह देखने में काफी गंदा लगेगा।

भरी हुई बालकनी

अक्सर घरों में लोग बालकनी को स्टोरेज की तरह यूज करते हैं। उस एरिया को ब्यूटीफुल बनाने के लिए प्लांट्स तो लगाते हैं, लेकिन छोटी बालकनी में रखीं कुर्सियां व स्टूल्स आदि उसे भरा-भरा दिखाते हैं। इसलिए अपनी बालकनी को थोड़ा स्पेशियस ही बनाए रखें। अगर आप वहां पर सिटिंग अरेंजमेंट कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि वह बहुत अधिक जगह ना घेरे।

द. अफ्रीका टेस्ट में शमी की कमी खलेगी, इन दो प्लेयर्स के पास है शानदार मौका : वसीम जाफर

नई दिल्ली। भारत के वनडे विश्व कप हीरो मोहम्मद शमी टखने की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर के अनुसार रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को इस तेज गेंदबाज की कमी खलेगी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने और अंतिम एकादश में अपनी जगह पक्की करने का शानदार मौका है। इस बीच जसप्रीत बुमरा और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे सीमर के रूप में शार्दुल ठाकुर खेलने के लिए पसंदीदा बने हुए हैं। हालांकि जाफर का मानना है कि टीम प्रबंधन प्रसिद्ध या मुकेश में से किसी एक के साथ आगे बढ़ सकता है क्योंकि वे भारत की तेज गेंदबाजी इकाई का भविष्य हैं। जाफर ने ट्विटर पर लिखा, 'दक्षिण अफ्रीका टेस्ट में शमी की बहुत कमी खलेगी, लेकिन यह प्रसिद्ध और मुकेश के लिए यह दिखाने का शानदार मौका है कि वे भारतीय तेज गेंदबाजी का भविष्य हैं। गेंदबाजी के लिए दक्षिण अफ्रीका से बेहतर जगह की उम्मीद नहीं की जा सकती।' आप इन दोनों के बीच तीसरे सीमर के रूप में किसे चुन रहे हैं?' भारत में एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों दिल तोड़ने वाली हार के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जड़ेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों ने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया। ये चारों क्रिकेटर अब वापसी के लिए तैयार हैं और सेंचुरियन में प्रोटियाज के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलेंगे।

मुजीब, नवीन और फारूकी के खिलाफ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड सख्त, IPL 2024 में नहीं खेल पाएंगे

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक और फजलहक फारूकी को अगले दो साल के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने की संभावना नहीं है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सत्र में उनका खेलना संदिग्ध है। एसीबी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बोर्ड ने इन सभी खिलाड़ियों के लिए 2024 के वार्षिक अनुबंध में विलंब करने का फैसला किया है और उन्होंने मामले की पूरी तरह से जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है क्योंकि इन खिलाड़ियों ने एक जनवरी से अपने केंद्रीय अनुबंध से मुक्त होने की इच्छा व्यक्त की थी। एसीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'इन खिलाड़ियों का केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह वाणिज्यिक लीगों में उनकी भागीदारी, अफगानिस्तान के लिए खेलने पर अपने व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देना है जिसे एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी माना जाता है।' एसीबी ने कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाने का फैसला किया है।' अफगानिस्तान भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलने की तैयारी कर रहा है जिसका पहला मैच 11 जनवरी को मोहाली में, दूसरा 14 जनवरी को इंदौर में और तीसरा 17 जनवरी को बेंगलुरू में खेला जाएगा। एसीबी ने कहा, 'इसके जवाब में एसीबी ने मामले की पूरी तरह से जांच करने, एसीबी के हितों के अनुसार उचित सिफारिश करने और उन्हें एसीबी के शीर्ष प्रबंधन के साथ साझा करने के लिए एक समर्पित समिति बनाई है।'

पाकिस्तान हॉकी महासंघ को निलंबित कर सकता है FIH

कराची। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) निलंबित कर सकता है क्योंकि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर द्वारा पीएचएफ के नए अध्यक्ष की नियुक्ति को उनके पूर्ववर्ती खालिद सज्जाद खोकर ने चुनौती दी है। खोकर 2015 से पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी और मीर तारिक हुसैन बुगाटी के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को चुनौती देंगे।खोकर ने कहा, 'मैं अदालत की शरण में जाऊंगा और जब तक यह असंवैधानिक और गैर कानूनी फैसला नहीं बदला जाता, तब तक हार नहीं मानूंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं टकराव से बचना चाहता था लेकिन मुझे अब आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) और एफआईएच के पास जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।' अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ नई नियुक्ति को सरकारी हस्तक्षेप मानकर पीएचएफ को निलंबित कर सकता है।

इजरायली बास्केटबॉल क्लब हापोएल तेल अवीव ने डेज़माइन वेल्स के साथ किया करार

जेरूसलम। इजरायली बास्केटबॉल क्लब हापोएल तेल अवीव ने अमेरिकी स्विंगमैन डेज़माइन वेल्स के साथ अनुबंध की घोषणा की। 2019 के बाद से, 31 वर्षीय वेल्स, जो शूटिंग गार्ड और स्मॉल फॉरवर्ड खेलते हैं, ने चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) में चार क्लबों झेजियांग लायंस, जियांग्सू ड्रैगन्स, क़िंगदाओ ईगल्स और जिलिन नॉर्थईस्ट टाइगर्स के लिए खेला है। चीन में अपने पहले तीन सीज़न में, वेल्स ने लायंस के साथ प्रति गेम औसतन 31.1 अंक, ड्रेगन के साथ 30.4 अंक और ईगल्स के साथ 23.3 अंक बनाए। वह पिछले सीज़न में झेजियांग लौट आए। वेल्स ने मौजूदा सीबीए अभियान की शुरुआत टाइगर्स के साथ की, जहां उन्होंने प्रति गेम औसतन 19.1 अंक, 4.7 रिबाउंड और 2.9 सहायता के साथ 10 मैच खेले। वेल्स, जिन्होंने जेवियर और मैरीलैंड के लिए कॉलेज बास्केटबॉल खेला था, ने 2016 और 2019 के बीच यूरोप में ग्रीक पक्ष डोक्सा लेफकाडास के साथ-साथ इटली के स्कैंडोन एवेलिनो और वीएल पेसारो के साथ खेला था। हापोएल के मुख्य कोच डैनी फ्रेंको ने कहा, मुझे खुशी है कि हम डेज़ जैसे अच्छे खिलाड़ी को अपने साथ जुड़ने के लिए प्रेरित कर पाए। हापोएल वर्तमान में यूरोकप के 10-टीम ग्रुप ए में 9-2 जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ दूसरे स्थान पर है, और 5-0 के बेहतरीन रिकॉर्ड के साथ इज़राइली सुपर लीग का नेतृत्व कर रहा है।

आपको निश्चित रूप से सही समय पर जवाब मिलेगा, टी20 में अपने भविष्य पर बोले रोहित

जोहानिसबर्ग । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर कहा कि सही समय पर सबको इसका जवाब मिल जायेगा। सोमवार को यहां प्रेस कांफ्रेस शुरू होने से पहले उन्होंने मुस्कुराते हुए सभी से कहा, 'आईपीएल पर कोई सवाल नहीं। सिर्फ भारतीय क्रिकेट टीम पर।' पर किसी ने पूछ ही लिया, यह एक प्रेस कांफ्रेंस हैं, हम पूछ सकते हैं। तो रोहित ने अपनी टीशर्ट पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'लोगो' की ओर इशारा किया कि यह प्रेस कांफ्रेंस बोर्ड द्वारा कराई गई है। वह जानते थे कि उनके सफेद गेंद के भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाएंगे। तो रोहित बल्लेबाज के तौर पर आगामी दो वर्षों में खुद को कहां देखते हैं, इस पर उन्होंने कहा, 'जो भी क्रिकेट मेरे लिए है, मैं खेलूंगा।' अगला सवाल पूछा गया कि क्या आप सीनियर (आप) और विराट (कोहली) टी20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं तो उन्होंने कहा, 'सभी को क्रिकेट खेलने के लिए बेताबी होती है। खिलाड़ी को जो भी मौका मिले, वह उसमें अच्छा करना चाहता है।'

फिर उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि आप क्या पूछने की कोशिश कर रहे हो, आपको जवाब मिलेगा, निश्चित रूप से जवाब मिलेगा।' रोहित ने स्वीकार किया कि विश्व कप फाइनल की हार पचा पाना टीम में सभी के लिए मुश्किल था। उन्होंने कहा, 'विश्व कप फाइनल तक हम जैसे खेले, आप एक और कदम आगे बढ़ने की उम्मीद करते हो। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए और यह बहुत मुश्किल था।'

हरियाणा स्टीलर्स ने दर्ज की पांचवीं जीत, तमिल थलाइवाज को 42-29 के बड़े अंतर से हराया

चेन्नई। हरियाणा स्टीलर्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए यहां एसडीएटी मल्टीपर्पज इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के 41वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-29 के स्कोर के बड़े अंतर से हरा दिया। हरियाणा के लिए शिवम ने आठ और जयदीप दहिया ने सात अंक लिए। तमिल थलाइवाज के लिए साहिल गुलिया ने डिफेंस में 10 अंक बटोरे। हरियाणा की सात मैचों में लगातार पांचवीं जीत है और टीम के अब 26 अंक हो गए हैं और अब वह दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। तमिल थलाइवाज को सात मैचों में पांचवीं हार का मुंह देखना पड़ा है। तमिल थलाइवाज को अपने होम लेग में अभी भी अपनी पहली जीत की तलाश है।

हरियाणा स्टीलर्स ने मेजबान तमिल थलाइवाज के खिलाफ डिफेंस में शानदार शुरुआत की और पहले पांच मिनट के अंदर 4-1 का स्कोर कर लिया। हरियाणा की टीम ने आगे भी अपनी डिफेंस को मजबूत रखते हुए पहले 10 मिनट के खेल में 6-3 के स्कोर के साथ तीन अंकों की बढ़त कायम कर ली। थलाइवाज ने हालांकि अगले ही मिनट में सुपर टैकल करके हरियाणा की बढ़त को केवल एक अंक परत लाकर सीमित कर दिया। 12वें मिनट में विनय ने सुपर रेड करके तमिल थलाइवाज को ऑल आउट कर दिया और पांच अंक हासिल कर लिए। इसके साथ ही हरियाणा ने मुकाबले में 14-7 की शानदार लीड ले ली।

दो मिनट बाद सिद्धार्थ देसाई टैकल कर लिए गए और तमिल की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई। लेकिन एक समय को लगा कि पांच अंकों का फासला कर हो रहा है, कि तभी हरियाणा ने फिर से अपनी बढ़त को मजबूत कर लिया। हरियाणा ने रेड के साथ साथ डिफेंस में लगातार अंक लेना जारी रखा और अपनी लीड को सात अंकों तक पहुंचा दिया। टीम ने इसी के साथ छह अंकों की बढ़त लेकर 18-12 के स्कोर के साथ पहले हाफ की समाप्ति की।

दूसरे हाफ के शुरू होने के बाद हरियाणा ने लगातार अंक लेना जारी रखा जबकि तमिल थलाइवाज भी धीरे-धीरे मुकाबले में लौटने लगी। हालांकि इसके बावजूद हरियाणा के पास 10 अंकों की शानदार लीड थी। 27वें मिनट में हिमांशु ने सुपर रेड करके तमिल की टीम को मुकाबले में बनाए रखने की कोशिश की।

खेलो इंडिया सब जूनियर महिला हॉकी ओडिशा नेवल टाटा, स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर और प्रीतम सिवाच ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली। दूसरे खेलो इंडिया सब जूनियर महिला हॉकी लीग चरण 1 के पांचवें दिन ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर, खेलो इंडिया स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर छत्तीसगढ़ और प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी ने अपने-अपने मैच जीते। जबकि जय भारत अकादमी और सैल्यूट हॉकी अकादमी ने ड्रा खेला।

ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने दर्ज की आसान जीत:

दिन के पहले मैच में ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर ने खालसा हॉकी अकादमी अमृतसर को 9-0 से हराया। प्रज्ञा पटेल (17', 25', 39') ने हैट्रिक बनाई, अंजना बारला (10', 47') ने दो गोल किए, जबकि सनदाम बेबीरानी देवी (7'), पायल सोनकर (15'), शृतिका कुल्लू (52'), और स्वीटी कुजूर (58') ने एक-एक गोल किया।

खेलो इंडिया स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर छत्तीसगढ़ ने दर्ज की शानदार जीत:

दिन के दूसरे मैच में खेलो इंडिया स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर छत्तीसगढ़ ने अनंतपुर स्पोर्ट्स एकेडमी को 8-1 से हराया। खेलो इंडिया स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर छत्तीसगढ़ के लिए मधु सिदार (26', 40', 50') ने हैट्रिक गोल किया, जबकि दामिनी खुसरो (4', 51') ने दो गोल किए और यशोदा मेरावी (17'), कप्तान रुखमान खुसरो (35') और अक्षिता (53') ने एक-एक गोल किया। अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी के लिए एकमात्र गोल एम. शालिनी (37') ने किया।

जीत से उत्साहित पंजाब एफसी के सामने ओडिशा एफसी की कठिन चुनौती

नई दिल्ली। पंजाब एफसी की टीम आज शाम यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले सीजन 10 के मैचवीक 12 के शुरुआती मुकाबले में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी। यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला होगा। आईएसएल की सबसे नई टीम अपने शुरुआती 10 मैचों में जीत से दूर रही और उसके बाद माडीह तलाल के मैच जिताऊ गोल ने पिछले हफ्ते चेन्नइयन एफसी के खिलाफ उसकी पहली जीत सुनिश्चित की। पंजाब के लिए दो मैचों में दो जीत के साथ सीजन ब्रेक में जाना अविश्वसनीय होगा, और इसी इरादे के साथ उसे माकूल परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद होगी। शीर्ष स्तरीय लीग में नई शुरुआत करना कभी भी आसान नहीं होता है, लेकिन 11 मैचों में पांच ड्रा से पता चलता है कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में अपने से अधिक मजबूत प्रतिद्वंद्वियों की बराबरी कई बार की है। मजबूत रक्षापंक्ति, तलाल की रचनात्मकता और गोल स्कोरिंग प्रवृत्ति के साथ, पंजाब एफसी सर्जियो लोबेरा के जगरनॉट्स के खिलाफ पूरी ताकत के साथ उतरेगी। ओडिशा एफसी तालिका में पांचवें स्थान पर है और रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के खिलाफ ड्रा ने जगरनॉट्स के शिविर में कुछ सवाल उठाए होंगे, क्योंकि उन्हें उस मैच से तीन अंक लेने चाहिए थे। मध्य सीजन में अंक गंवाने से तालिका में उनकी स्थिति और भी खराब हुई है। जगरनॉट्स को इन असफलताओं से ऊपर उठकर सीजन के दूसरे हाफ में शीर्ष स्थान पाने के लिए संघर्ष करने पर ध्यान देना चाहिए। पिछला मैच ओडिशा एफसी के लिए एक अपवाद था, क्योंकि वो साल्ट लेक स्टेडियम में केवल एक बार टारगेट पर शॉट लगाने में सफल रही। ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ÷हमारा पूरा ध्यान कल के मुकाबले पर है। मुझे लगता है कि वे (पंजाब एफसी) अच्छा खेल रहे हैं, वे अच्छी फुटबॉल खेलने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे वो टीम बहुत पसंद है। जाहिर है, यह उनका पहला सीजन है और आईएसएल में प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है। लेकिन उन्होंने प्रगति दिखाई है और पिछली जीत उन्हें इस मुकाबले के लिए प्रेरणा देगी।'

मैं मौजूदा एथलीटों से ईर्ष्या करती हूं क्योंकि मैंने गलत युग में प्रतिस्पर्धा की: अंजू

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की पहली पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज ने देश में खेलों को बढ़ावा देने और बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने 'गलत युग में' प्रतिस्पर्धा की। क्रिसमस के मौके पर प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए लंबी कूद की महान खिलाड़ी अंजू ने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में मैंने लगभग 25 वर्षों तक प्रतिस्पर्धा की और मैं बहुत सारे बदलाव देख रही हूं। जब मैंने 20 साल पहले भारत को पहला वैश्विक पदक दिलाया था तो मेरा विभाग भी मुझे पदोन्नति देने के लिए तैयार नहीं था।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन नीरज (चोपड़ा) के पदक जीतने के बाद मैंने बदलाव देखे हैं... जिस तरह से हम जश्न मना रहे हैं... मैं उनसे ईर्ष्या करती हूं क्योंकि मैं गलत युग में थी।' पेरिस में 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली अंजू ने महिला सशक्तिकरण के बारे में बात की और यह भी बताया कि कैसे देश अब एथलीटों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाता है। उन्होंने कहा, महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ एक शब्द नहीं है। हर भारतीय लड़की सपने देखने के लिए तैयार है और उन्हें पता है कि उनके सपने सच होंगे।' प्रधानमंत्री ने क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ बातचीत की और अंजू इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थीं। अंजू ने कहा, 'मुझे लगता है कि निकट भविष्य में हम (खेल जगत में) शीर्ष पर होंगे।' अपनी अन्य उपलब्धियों में अंजू ने 2003 के एफ्रो-एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और 2004 के एथेंस ओलंपिक खेलों में 6.83 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे वह पांचवें स्थान पर रहीं थी। उन्हें 2002 में अर्जुन पुरस्कार, 2003 में खेल रत्न और 2004 में चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दे रहे भारतीय, पिछले दो वर्षों में स्पोर्ट्स ब्रांडों की बिक्री में आई भारी तेजी

नई दिल्ली। दौड़ने वाले जूतों और जॉगर्स से लेकर डम्बल और योगा मैट तक, लगभग आधा दर्जन प्रमुख खेल ब्रांडों की बिक्री पिछले दो वर्षों में महामारी के दौरान और उसके बाद से बढ़ी है। फिटनेस के बारे में बढ़ती जागरूकता और एथलेटिक्स वियर की बढ़ती मांग के कारण इस क्षेत्र की कम्पनियों ने भारत में अपना कारोबार दोगुना कर लिया है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से प्राप्त नियामक फाइलिंग के अनुसार प्यूमा, डेकाथलॉन, एडिडास, स्केचर्स और एसिक्स जैसे ब्रांडों ने वित्त वर्ष 2011 के बाद से साल-दर-साल 35-60फीसदी की वृद्धि की है और वित्त वर्ष 2023 में 11,617 करोड़ रुपए का संयुक्त राजस्व किया है। दो साल पहले इन ब्रांडों की बिक्री कुल मिलाकर 5,022 रुपए करोड़ थी। क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के लिए फिटनेस परिधान और खेल उपकरण की मांग बढ़ी है क्योंकि बढ़ती श्रेणियों में से एक है, साथ ही 45 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों द्वारा चलने वाले जूतों की लोगों ने कोविड-19 की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है। प्यूमा इंडिया की मार्केटिंग प्रमुख श्रेया सचदेव ने कहा, 'स्वास्थ्य और फिटनेस पर बढ़ते फोकस के परिणामस्वरूप सभी उम्र के लोग तकनीकी और परफार्मेंस जूतों की तलाश में हैं। दौड़ना हमारे लिए सबसे तेजी से खोज में उल्लेखनीय उछाल आया है। कुल मिलाकर खेल और एथलेटिक्स श्रेणी देश में औसत परिधान और जूतों के बाजार की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।' कंपनियों ने कहा कि उन्होंने महामारी के मद्देनजर अधिक आकस्मिक शैलियों की लोकप्रियता का फायदा उठाया है, यह प्रवृत्ति अब कम हो गई है, हालांकि लोग अब भी पहले से कहीं अधिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं। अपनी खुद की फर्म एजिलिटास स्पोर्ट्स शुरू करने वाले प्यूमा इंडिया के पूर्व प्रबंध निदेशक अभिषेक गांगुली ने कहा, 'कैजुअलाइजेशन' और 'स्नीकराइजेशन' का एक स्पष्ट चलन है और यह केवल खेल या अवकाश गतिविधियों के दौरान ही प्रतिबंधित नहीं है। हम देखते हैं कि लोग कार्यालयों में भी कैजुअल पोशाक का चयन कर रहे हैं, पहले की धारणा के विपरीत कि कोविड के बाद औपचारिक पहनावे वापस आ जाएंगे। भारत अब केवल क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं रह गया है क्योंकि हम देखते हैं कि उपभोक्ता तेजी से दौड़, फुटबॉल और जिम जैसी अन्य गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं।'1.4 अरब की आबादी के साथ भारत फुटवियर कंपनियों के लिए सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में से एक है। अधिकांश वैश्विक ब्रांड भारत में दो दशकों से अधिक समय से मौजूद हैं और क्रिकेट तथा अन्य खेल गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के कारण आगे बढ़े हैं। हालांकि नए प्रवेशकर्ता खुद को आरामदायक जीवनशैली और नियमित एथलेटिक पहनने वाले ब्रांडों के रूप में स्थापित कर रहे हैं। एसिक्स कॉर्प के सीईओ यासुहितो हिरोटा ने पिछले सप्ताह एक बयान में कहा, 'भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और बदलते उपभोक्ता परिदृश्य के साथ हम भारत में विभिन्न क्षेत्रों में खेलों की नई और उभरती मांग के साथ एक बड़ी संभावना देखते हैं और कम्पनी 2025 तक देश में 50 नए स्टोर खोलेगी।'

लियोन 40 की उम्र में भी खेलें तो कोई आश्चर्य नहीं होगा : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन 40 साल की उम्र में भी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में भी ऐसा ही होता है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट में 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले लियोन 500 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल मिलाकर आठवें गेंदबाज बने। लियोन ने पहले इंग्लैंड में 2027 एशेज तक बने रहने की अपनी इच्छा के बारे में बात की थी और तब तक वह 39 वर्ष के हो जाएंगे।

टेलर ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि वह अभी भी बहुत उत्सुक है और मैंने हाल ही में उससे बात की थी और उसने शायद इंग्लैंड वापस जाने के बारे में बात की थी। यह 2027 है, साढ़े तीन साल का सबसे अच्छा हिस्सा है। अगर वह अभी भी इसका आनंद ले रहा है और विकेट ले रहा है तो अगर वह 40 के करीब पहुंच जाता है तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि वह इसे जल्दबाजी में छोड़ देगा। 123 मैचों में 501 विकेट के साथ लियोन वर्तमान में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने की सर्वकालिक सूची में मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वार्न (708), जेम्स एंडरसन (690), अनिल कुंबले (619), स्टुअर्ट ब्रॉड (604), ग्लेन मैकग्राथ (563), और कर्टनी वॉल्श (519) के बाद आठवें स्थान पर है। टेस्ट क्रिकेट में एक गेंदबाज के रूप में लियोन को रैंक देने पर कहा, 'मुझे इतिहास के बारे में बातें कहना पसंद नहीं है क्योंकि यह अब बहुत अलग है। आज के लोग और यहां तक कि मेरे युग के लोग, हमने बहुत सारे खेल खेले हैं। यदि आप इतिहास में नंबर दो कहते हैं, तो इसका मतलब है कि आप ऐसे लोगों के बारे में भूल रहे हैं।

ईशा मालवीय ने लिया पुरानी दुश्मनी का बदला, मौका मिलते ही इन्हें भगाने की कर ली तैयारी

सलमान खान के विवादित शो बिग बॉस सीजन 17 को कलर्स पर प्रसारित होते हुए लगभग ढाई महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। शो में अब हर कंटेस्टेंट की यही कोशिश है कि वह कुछ भी करके बस इस विवादित शो का टॉप कंटेस्टेंट बन सके।इस शो में आयशा खान और मुनव्वर फारुकी के बदलते रिश्ते से लेकर अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की झड़प तक, फैंस को भरपूर मसाला मिल रहा है। बीते हफ्ते शो की कैप्टन ईशा मालवीय ने अनुराग के बाद जब अचानक से ऐश्वर्या शर्मा को सलमान खान के शो से एलिमिनेट किया, तो हर कोई हैरान रह गया।अब हाल ही में ऐश्वर्या के बाद ईशा मालवीय एक बार फिर से अपनी कैप्टेंसी का भरपूर फायदा उठा रही हैं। हाल ही में उन्होंने दो और कंटेस्टेंट को शो से बेघर होने के लिए नॉमिनेशन में डाल दिया है।

ईशा मालवीय ने ले लिया अपनी पुरानी दुश्मनी का बदला

ईशा मालवीय इस सीजन की भले ही सबसे छोटी कंटेस्टेंट हों, लेकिन जिस तरह से वह गेम खेल रही हैं, वह अंदाज भी फैंस को खूब भा रहा है। द खबरी की रिपोर्ट्स की मानें तो, हाल ही में ईशा मालवीय(Isha Malviya)को बिग बॉस ने उनकी कैप्टेंसी में

ये मौका दिया कि वह इस हफ्ते के नॉमिनेशन में किन्हीं दो सदस्यों को डाल सकती हैं।उड़ारिया एक्ट्रेस के हाथ में जैसे ही बिग बॉस ने ये पावर दी, उन्होंने इसका भरपूर इस्तेमाल किया। उन्होंने सबसे पहले इस हफ्ते शो से बाहर करने के लिए जिस सदस्य को चुना वो थे अभिषेक कुमार, जिनकी ईशा के साथ कई बार लड़ाई देखने को मिली है।इसके अलावा ईशा की हिट लिस्ट में दूसरे नंबर पर वाइल्ड कार्ड एंट्री और Munawar Faruqui की एक्स गर्लफ्रेंड आयशा खान। बिग बॉस द्वारा दी गयी पावर के बाद उन्होंने इन दो कंटेस्टेंट को इस हफ्ते के नॉमिनेशन में डाल दिया।

ये चार कंटेस्टेंट इस हफ्ते बिग बॉस 17 से बेघर होने के लिए हुए नॉमिनेट

अभिषेक कुमार और आयशा खान (Ayesha Khan) के अलावा इस हफ्ते शो से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हुए हैं, उसमें तीसरा नाम रिंकू धवन का है और चौथा नील भट्ट का है। नील भट्ट को तो विक्की जैन ने शो में पूरे सीजन के लिए ही नॉमिनेट कर दिया था।गेम को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस हफ्ते शो से रिंकू धवन का पत्ता साफ हो सकता है, क्योंकि ऐश्वर्या के जाने के बाद अब नील पूरा बदला लेने के मूड में दिखाई दे रहे हैं।

28 दिसंबर को मुंबई में होगी Dunki स्पेशल स्क्रीनिंग, अलग-अलग देशों के वाणिज्य दूतावास देखेंगे स्हरुख Rukh Khan की फिल्म

शाहरुख खान की फिल्म डंकी रिलीज के बाद से चर्चा में बनी हुई है. फिल्म की कहानी की दर्शक खूब तारीफ कर रहे हैं. किंग खान की इस फिल्म के लिए फैंस का प्यार भी देखने को मिल रहा है. फिल्म की कहानी ने देश के प्रति एहसास जगाया है. इस कॉमेडी ड्रामा फिल्म को देखने को लिए दर्शकों की भीड़ भी थिएटर्स तक पहुंच रही है.

28 दिसंबर को मुंबई में होगी डंकी की स्पेशल स्क्रीनिंग

अब दर्शकों के प्यार देखते हुए मेकर्स ने एक बड़ा ऐलान किया है. दरअसल, फिल्म के मेकर्स अब 28 दिसंबर को मुंबई में अलग-अलग देशों के वाणिज्य दूतावास के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग होस्ट करने वाले हैं. इसके मुताबिक अब 28 दिसंबर को अलग-अलग देशों के वाणिज्य दूतावास एक साथ मुंबई में डंकी देखेंगे.

वाणिज्य दूतावास एक साथ देखेंगे शाहरुख खान की फिल्म

फिल्म 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म में 5 दोस्तों की कहानी दिखाई गई है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए विदेश यात्रा पर निकल पड़े हैं. इस फिल्म को देखने को लिए वाणिज्य दूतावास काफी उत्साहित हैं. हो भी क्यों न उनके लिए इस फिल्म की कहानी काफी खास है. ये फिल्म उने असलियत से रुबरू कराएगी जिससे वो आमतौर पर निपटते हैं.

फिल्म नजर आए ये शानदार एक्टर्स

फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो, इसमें शाहरुख खान के साथ लेटेंडिट एक्टर बोमन ईरानी, तापसी पन्नू, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर हैं. फिल्म जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत हैं. इस फिल्म को मशहूर फिल्म मेकर राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है. वहीं, गौरी खान ने इसे प्रोड्यूस किया है.

Sunil Shetty ने वेडिंग एनिवर्सरी पर पत्नी माना को खास अंदाज में किया विश, तस्वीर शेयर कर लिखा- तुम हमेशा मेरी रहोगी

सुनील शेट्टी और माना शेट्टी बॉलीवुड के शानदार कपल हैं, ये जोड़ी आज अपनी शादी की सालगिरह सेलिब्रेट कर रहे हैं. अपने इस स्पेशल डे पर सुनील शेट्टी ने पत्नी माना को खास अंदाज में विश किया है. एक्टर ने पत्नी माना के साथ अपनी एक हैप्पी तस्वीर शेयर करते हुए दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा है.

सुनील शेट्टी ने पत्नी माना संग तस्वीर शेयर करक वेडिंग एनिवर्सरी की विश

सुनील शेट्टी ने अपनी वेडिंग एनिवर्सरी पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पत्नी माना शेट्टी संग सुकून के पल बिताते हुए की एक प्यारी तस्वीर शेयर की है. तस्वीर में कपल काफी खुश दिख रहा है. इस फोटो को शेयर करते हुए एक्टरन लिखा,हैप्पी एनिवर्सरी वाइफी...41 साल से बंद, गुंथी हुई, उलझी हुई और एक-दूसरे से बंधी हुई...तुम हमेशा मेरी रहोगी !!

आथिया ने अपने मम्मी-पापा की थ्रो बैक तस्वीरें की शेयर

फोटो में सुनील और माना एक-दूसरे को प्यार से पकड़े हे दिख रहे हैं. वे एक काउच पर बैठे दिख रहे हैं और उनकी बैकग्राउंड में काफी हरियाली नजर आ रही है. बता दें कि सुनील और

माना की वेडिंग एनिवर्सरी पर उनकी बेटी अथिया शेट्टी ने भी उन्हें विश किया था. अथिया ने अपने माता-पिता की अनदेखी तस्वीरों का एक बंडल शेयर किया था. पहली फोटो में एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया, प्यार, विश्वास और दोस्ती की मेरी परिभाषा को सालगिरह मुबारक, दूसरी तस्वीर सुनील और माना की सगाई फंक्शन की है.

1991 में की थी सुनील और माना ने शादी

9 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, सुनील और माना ने 25 दिसंबर, 1991 को शादी की थी. 1992 में इस कपल ने अपनी बेटी अथिया और 1996 में अपने दूसरे बच्चे अहान शेट्टी का वेलकम किया था.   बता दें कि सुनील के पिता उनकी और माना की शादी के खिलाफ थे. दरअसल सुनील साउथ इंडियन फैमिली से थे जबकि माना मुस्लिम धर्म से थीं. हालांकि बाद में इन दोनों के एक दूसरे के लिए प्यार को देखते हुए फैमिली भी इनकी शादी के लिए राजी हो गई थी.

अरबाज की शादी में बेटे अरहान ने दिखाया अपना ये टैलेंट, आप भी अब तक रहे हैं इससे अंजान

सलमान खान (Salman Khan)के छोटे भाई अरबाज खान हाल ही में दूसरी बार शादी के बंधन में बंधे। उन्होंने बीती रात अर्पिता खान और आयुष शर्मा के घर पर मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ धूमधाम से निकाह किया।इस दौरान अरबाज खान जहां व्हाइट प्रिंटेड शेरवानी में दिखे, तो वहीं पिंक रंग के लहंगे और चोली में शूरा भी बला की खूबसूरत लग रही थीं। सलमान खान के भाभीजान के साथ डांस करने से लेकर अरहान और शूरा के बीच की बॉन्डिंग तक की कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुई।हालांकि, अब इस बीच ही अरबाज खान की शादी से बेटे अरहान की एक वीडियो सामने आई है, जिसे देखकर फैंस भी हैरान रह गए हैं।

मलाइका-अरबाज के बेटे ने पिता की दूसरी शादी में दिखाया ये टैलेंट

सलमान खान के भतीजे अरहान खान खुद को मीडिया लाइमलाइट से दूर रखना ही पसंद करते हैं। उनके बारे में ज्यादा जानकारी मीडिया में सामने नहीं आती है। लेकिन हाल ही में उनका एक छुपा हुआ टैलेंट पिता अरबाज खान की दूसरी शादी में सामने आया है। हाल ही में अरबाज खान और शूरा खान की शादी से मलाइका अरोड़ा के लाडले बेटे अरहान खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मंच पर खड़े हुए हैं और उन्होंने हाथों में गिटार लिया हुआ है।आंखें बंद करके अरहान गिटार प्ले कर रहे हैं। वह इतना अच्छा गिटार बजाते हैं, इसे देखकर फैंस भी काफी हैरान हैं और मलाइका के बेटे की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। इंटरनेट पर वायरल हो रही इस वीडियो में अरबाज खान बेटे अरहान के इन खूबसूरत पलों को अपने कैमरे में कैप्चर करते हुए नजर आ रहे हैं।

अरबाज की पत्नी संग भी दिखी अरहान की अच्छी बॉन्डिंग

मलाइका अरोड़ा खान ने तो अपने एक्स हसबैंड की सेकंड वेडिंग से खुद को बिल्कुल दूर रखा, लेकिन हाल ही में अरबाज और शूरा के निकाह के बाद हुई पार्टी में एक्टर के बेटे संग उनकी बॉन्डिंग साफ तौर पर देखी जा सकती है।केक कटिंग के बाद जहां शूरा ने अरहान को खुद अपने हाथ से केक खिलाया, तो वहीं दूसरी तरफ जब अरबाज गाना गा रहे थे अरहान खान भी उन्हें ज्वाइन किया। आपको बता दें कि मलाइका अरोड़ा से तलाक के छह साल बाद अरबाज ने निकाह किया है।

24 दिसंबर 2023 को अरबाज खान ने अपनी गर्लफ्रेंड शूरा खान संग परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में निकाह किया। इस खास मौके पर बड़े भाई सलमान खान (Salman Khan) ने जमकर डांस किया। अब हाल ही में अरबाज की शादी के फंक्शन से उनके बेटे अरहान खान का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह अपना हिडन टैलेंट दिखा रहे हैं।